जबलपुर, रविवार 21 जून 2026 | haribhoomi.com

हरिभूमि

मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

योग दिवस पर हरिभूमि विशेष

योग के सहारे नई उड़ान: 68 छात्राओं में सकारात्मक जीवन जीने की प्रेरणा जगा रहीं योगाचार्य रुक्मणी राव

दृष्टिबाधित बालिकाओं में योग ने भर दिया आत्मविश्वास उन्होंने अपनी क्षमता पहचानी और चुनौतियों को समझा

योगाचार्य रुक्मणी राव

> जहां अधिकांश लोग सामान्य विद्यार्थियों को प्रशिक्षण देना पसंद करते हैं, वहीं रुक्मणी राव ने उन बालिकाओं को चुना जिन्हें समाज अक्सर सीमित संभावनाओं के दायरे में देखता है

अनुरोध पटेरिया ▶▶ जबलपुर

योग सीखना और सिखाना दोनों ही चुनौतीपूर्ण कार्य हैं। आसनों और क्रियाओं में थोड़ी-सी त्रुटि भी तत्काल दुष्परिणाम दे सकती है। ऐसे में दृष्टिबाधित बालिकाओं को न केवल योग सिखाना, बल्कि उनके भीतर आत्मविश्वास, उत्साह और जीवन को सकारात्मक दृष्टि से जीने की प्रेरणा जगाना एक असाधारण प्रयास है। यह कार्य कर रही हैं जबलपुर की योगाचार्य एवं असिस्टेंट प्रोफेसर रुक्मणी राव, जिन्होंने नेत्रहीन बालिकाओं के जीवन में योग के माध्यम से नई ऊर्जा का संचार किया है। राइट टाउन स्थित शासकीय नेत्रहीन कन्या विद्यालय की 68 छात्राओं को योग का प्रशिक्षण देकर रुक्मणी राव ने यह साबित किया है कि इच्छाशक्ति और समर्पण के सामने कोई भी चुनौती बड़ी नहीं होती। जहां अधिकांश लोग सामान्य विद्यार्थियों को प्रशिक्षण देना पसंद करते हैं, वहीं उन्होंने उन बालिकाओं को चुना जिन्हें समाज अक्सर सीमित संभावनाओं के दायरे में देखता है।

> दृष्टिबाधित होने के कारण कई बार इन छात्राओं का आत्मबल कमजोर पड़ जाता था, योग करने के बाद उन्होंने अपने भीतर नई ऊर्जा महसूस की

दृष्टिबाधित बालिकाएं योगा करते हुए

योग से मिली दर्द और जकड़न से राहत

रुक्मणी राव ने पाया कि दृष्टिबाधित छात्राओं की दिनचर्या सीमित होने के कारण उनके शरीर में जकड़न (स्टिफनेस) अधिक रहती है। ब्रेल लिपि में लगातार पढ़ने और लिखने से कमर, गर्दन और हाथों में दर्द की शिकायत भी सामान्य थी। यह समस्या दवाइयों से पूरी तरह दूर नहीं हो सकती थी, लेकिन नियमित योगाभ्यास ने आश्चर्यजनक परिणाम दिए।

छात्राओं ने महसूस किया सकारात्मक बदलाव

आठवीं कक्षा की छात्रा महिमा आरेले बताती हैं कि ब्रेल लिपि में पढ़ाई करते समय उन्हें अक्सर कमर दर्द होता था, जिससे पढ़ने-लिखने की गति भी प्रभावित होती थी। नियमित योग अभ्यास के बाद दर्द लगभग समाप्त हो गया और उनकी कार्यक्षमता में उल्लेखनीय वृद्धि हुई।

पैरा ओलंपिक और संगीत के क्षेत्र में आगे बढ़ाने का सपना

रुक्मणी राव का मानना है कि योग केवल शारीरिक व्यायाम नहीं, बल्कि आत्मबल और आत्मविश्वास का माध्यम है। उनका उद्देश्य बालिकाओं को यह एहसास कराना है कि वे भी अन्य लोगों की तरह स्वस्थ, संयमित और सफल जीवन जी सकती हैं। योग उन्हें अपनी क्षमताओं को पहचानने और जीवन की चुनौतियों का सामना करने का साहस है ।

इनसे भी आप ले सकते हैं प्रेरणा

भारत के प्रसिद्ध संत करते हैं रोजाना ये प्रमुख 'योगासन'

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

योग दिवस पर 'हरिभूमि' ने जाना कि भारत के प्रसिद्ध संत अपने को स्वस्थ्य रखने के लिए किन योगासनों को करते हैं। इनसे भी प्रेरणा ली जा सकती है।

स्वामी अवधेशानंद गिरि

ध्यान और प्राणायाम

जूना अखाड़े के महामंडलेश्वर स्वामी अवधेशानंद गिरि पारंपरिक रूप से ध्यान और प्राणायाम पर विशेष जोर देते हैं। एक संन्यासी और आध्यात्मिक गुरु होने के नाते, उनका योग मुख्य रूप से शारीरिक आसनों से आगे बढ़कर अष्टांग योग, आत्मिक शुद्धि, और ध्यान पर केंद्रित होता है।

पंडित धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री

दौड़ना व दंड बैठकें

पंडित धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री (बागेश्वर धाम सरकार) का मुख्य फोकस सनातन धर्म के प्रचार, कथा वाचन और समाज सुधार पर है। फिटनेस और ऊर्जा के लिए दौड़ने, दंड बैठक और अच्छी दिनचर्या का पालन करते हैं।

पं. प्रदीप मिश्रा

वज्रासन, ताड़ासन, गोमुखासन

पंडित प्रदीप मिश्रा बताते हैं कि स्वास्थ्य लाभ के लिए कुछ सामान्य और प्रमुख योगासन करने चाहिए-जैसे, वज्रासन,ताड़ासन,गोमुखासन। इसके अलावा, घुटनों और जोड़ों के दर्द के लिए वे प्राचीन भारतीय उपचारों और सामान्य गतिविधियों को करने की बात कहते हैं।

शंकराचार्य स्वामी निश्चलानंद सरस्वती

प्राणायाम व ध्यान

ओडिशा के पुरी स्थित गोवर्धन मठ के प्रमुख, जगद्गुरु शंकराचार्य स्वामी निश्चलानंद सरस्वती के अनुसार योग का वास्तविक स्वरूप शारीरिक कसरतों से कहीं गहरा है।

अनिरुद्धाचार्य महाराज

भुजंगासन और शीर्षासन

अनिरुद्धाचार्य भुजंगासन और शीर्षासन करने पर जोर देते हैं जो शरीर को निरोगी और स्वस्थ रखने में मदद करते हैं। वह प्रतिदिन लगभग 20 से 30 मिनट योग और प्राणायाम करते हैं।

बिना टिकट पकड़े जाने पर लगेगा 500 जुर्माना

■ रेलवे ने 13 साल बाद किया बदलाव

एजेंसी ▶▶ जयपुर

अगर आप ट्रेन में बिना टिकट यात्रा करते हुए पकड़े जाते हैं तो अब आपको पहले के मुकाबले दोगुना जुर्माना देना होगा। रेल मंत्रालय ने रेलवे एक्ट में किए गए संशोधनों को लागू करने की अधिसूचना जारी कर दी। इसके साथ ही बिना टिकट यात्रा पर लगने वाला न्यूनतम जुर्माना 250 रुपए से बढ़कर 500 रुपए हो गया है। यह नियम 20 जून से लागू माना जाएगा। रेल मंत्रालय ने एक दिन पहले 18 जून को देश के सभी रेलवे जोन्स को पत्र भेजकर नए नियमों की जानकारी दी थी। उस समय रेलवे अधिकारियों को बताया गया था कि संशोधित प्रावधान 1 जुलाई से लागू किए जाएंगे। शुक्रवार को मंत्रालय ने गैजेट नोटिफिकेशन जारी कर इन नियमों को तत्काल प्रभाव से लागू कर दिया। रेलवे अभी तक बिना टिकट यात्रा करने वाले यात्रियों से 250 रुपए जुर्माना और यात्रा का पूरा किराया वसूलता था।

पेरी ने बनाया वर्ल्ड रिकॉर्ड

रोहित शर्मा छूटे पीछे, बनीं दुनिया की पहली क्रिकेटर

50 मैच खेलने वाली दुनिया की पहली क्रिकेटर बनी

नई दिल्ली। ऑस्ट्रेलिया की महान ऑलराउंडर एलिस पेरी ने क्रिकेट जगत में एक ऐसा ऐतिहासिक मील का पत्थर छू लिया है, जहां आज तक कोई भी पुरुष या महिला खिलाड़ी नहीं पहुंच सका। वह आईसीसी टी20 वर्ल्ड कप के इतिहास में 50 मैच खेलने वाली दुनिया की पहली क्रिकेटर बन गई हैं। यह ऐतिहासिक पल महिला टी20 वर्ल्ड कप 2026 में नीदरलैंड्स के खिलाफ मैच के दौरान आया। मैदान पर उतरते ही 35 वर्षीय पेरी ने भारत के दिग्गज बल्लेबाज हिटमैन रोहित शर्मा के 47 मैचों के रिकॉर्ड को पीछे छोड़ दिया। पुरुष और महिला दोनों क्रिकेट को मिलाकर अब पेरी सबसे ज्यादा टी20 वर्ल्ड कप मैच खेलने के मामले में शीर्ष पर हैं। साल 2009 से अब तक पेरी ऑस्ट्रेलिया की छह खिताबी जीतों में बेहद अहम भूमिका निभा चुकी हैं और उनकी यह निरंतरता उन्हें खेल के इतिहास में सबसे महान बनाती है।

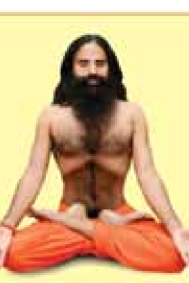

पतंजलि® PATANJALI®

अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस

योग आह्वान

मूलतः हम सब भारतवासियों के पूर्वज योगी थे। काल के प्रवाह में भले ही अब भिन्न पंथों, जाति, वर्ग, समुदायों के रूप में दिख रहे हों। अतः अपने पूर्वजों के प्रति कृतज्ञ रहें तथा कृतघ्नता के पाप से बचें। सामूहिक रूप से योग करें एवं 10-20-50-100 लोगों को करायें एवं फोटो, रील आदि सोशल मीडिया पर शेयर करें। हर गांव, शहर, गली-मोहल्ला में योग के छोटे-छोटे कार्यक्रम करें ।

योग, आयुर्वेद व स्वदेशी से आत्मनिर्भर भारत का संकल्प करें व करवायें।

विरोध– योग, आयुर्वेद, स्वदेशी व सनातन संस्कृति का षड्यंत्र पूर्वक भयंकर विरोध व विध्वंस करने में बहुत–सी आसुरी शक्तियां लगी हैं। राष्ट्रवादी सच्ची सनातनी आत्माओं को पूरी ताकत के साथ इस देवासुर संग्राम, धर्मयुद्ध में पतंजलि व पूजनीय स्वामी रामदेव जी का 100% साथ देना चाहिए। यतो धर्मः ततो जयः, सत्यमेव जयते।

लूट– ऑक्सफैम इंटरनेशनल से लेकर किसी भी AI (ए.आई.) टूल से सर्च करेंगे, तो पाएंगे कि मात्र विगत् 200-250 सालों में 100 ट्रिलियन से अधिक तो विदेशी कम्पनियों ने देश की आर्थिक लूट की है। महान भारत देश को एम.एन.सी. की आर्थिक गुलामी, मैकाले की शिक्षा की गुलामी, वैचारिक व सांस्कृतिक गुलामी में देश को धकेल कर पतन की पराकाष्ठा में पहुंचा दिया। 500-1000 साल पहले के स्वर्णिम काल की गौरवशाली स्मृति के साथ एक महान विकसित भारत बनाने के लिए हम सब संकल्पित होकर अखंड, प्रचंड पुरुषार्थ करें ताकि भारत की विरोधी शक्तियों को परास्त कर सकें और अपने पूर्वज ऋषि–ऋषिकाओं व शहीदों के सपनों का भारत बनायें।

पतंजलि का योगदान– पूजनीय योगऋषि स्वामी रामदेव जी व पूजनीय आचार्य श्री बालकृष्ण जी व पतंजलि के पुरुषार्थ से आज पूरे विश्व में योग–आयुर्वेद, स्वदेशी व सनातन संस्कृति का समग्र गौरव सम्पूर्ण विश्व में पहुंचा है। हरिद्वार से लेकर देश व दुनिया तक, इस महान सेवा में लाखों करोड़ों की चैरिटी पतंजलि ने की है। लगभग 10 हजार रिसर्च प्रोटोकॉल फॉलो करके 500+ रिसर्च पेपर इंटरनेशनल जर्नल्स में प्रकाशित हो चुके हैं। पतंजलि गुरुकुलम्, आचार्यकुलम्, पतंजलि विश्वविद्यालय, भारतीय शिक्षा बोर्ड (BSB), पतंजलि कैरियर एकेडमी, पतंजलि सिविल सर्विसेस एकेडमी (PCSA), पतंजलि वेलनेस, योगग्राम, निरामयम्, पतंजलि रिसर्च फाउण्डेशन, गौशाला, पतंजलि के राष्ट्रव्यापी संगठन में करोड़ों कार्यकर्ताओं की निष्काम सेवा व तप से आज एक कालजयी ऐतिहासिक सेवा चल रही है। सैकड़ों संन्यासियों का तप, लाखों कर्मयोगी भाई–बहनों की निष्काम सेवा एवं आप सभी करोड़ों देशवासियों का आशीर्वाद ही हमारा एकमात्र सम्बल है और हमारा संकल्प है कि हम अन्तिम श्वास तक भारत माता व मानवता की सेवा में अपना सर्वस्व आहूत करते रहेंगे।

पतंजलि से जुड़कर हमारी सेवाओं का लाभ उठायें। योगत्व, रामत्व, कृष्णत्व तथा शिवत्व आदि को अपने स्वभाव व आचरण में अपनायें। क्योंकि सनातन धर्म हमारे आचरण का विषय है, मात्र प्रवचन का नहीं।

प्रतिदिन आस्था चैनल व इंडिया टीवी या यूट्यूब आदि से जुड़कर योग अवश्य करें।

आस्था LIVE – प्रतिदिन सुबह 5:00 से 7:30 और रात 8:00 बजे | संस्कार – रोज रात 9:00 बजे | INDIA TV – रोज सुबह 8:00 बजे | YouTube, Facebook – Swami Ramdev | Acharya Bal Krishna

पतंजलि के हेल्दी प्रोडक्ट्स खरीदनें व रिसर्च एवं एविडेंस–बेस्ड मेडिसिन से रोगों को जड़ से मिटाने के लिए गूगल पर Patanjali Store Near Me (पतंजलि स्टोर नियर मी) सर्च करें। पतंजलि के सभी स्वदेशी प्रोडक्ट्स जैसे– गाय का घी, दन्त कान्ति, हनी, केश कान्ति, शर्बत, जूस आदि देश के सभी प्रमुख स्टोर्स पर उपलब्ध हैं। जहाँ उपलब्ध नहीं है वहाँ आप दुकानदार से पतंजलि के प्रोडक्ट्स रखने के लिए निवेदन करें।

पतंजलि की सभी प्रमुख संस्थानों की वेबसाइट पर जाकर अधिक जानकारी प्राप्त करें।

पतंजलि वेलनेस में आकर आरोग्य का लाभ प्राप्त करें, रजिस्ट्रेशन हेतु सम्पर्क करें– **8954-666-111**

भारतीय शिक्षा बोर्ड व पतंजलि सिविल सर्विसेस एकेडमी हेतु सम्पर्क करें– **8954-555-999**

सत्यमेव जयते
12वां अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस
'स्वस्थ आयु के लिए योग' । 'Yoga for Healthy Ageing'
सामूहिक योगाभ्यास कार्यक्रम
श्रीमती द्रौपदी मुर्मु, भारत की माननीय राष्ट्रपति
मुख्य अतिथि
श्रीमती द्रौपदी मुर्मु
भारत की माननीय राष्ट्रपति
गरिमामयी उपस्थिति
मंगुभाई पटेल
राज्यपाल, मध्यप्रदेश
डॉ. मोहन यादव
मुख्यमंत्री, मध्यप्रदेश
21 जून 2026 | गैरीसन ग्राउंड, जबलपुर
आयुष से आरोग्य
आयुष शिक्षा का विस्तार
9 आयुष महाविद्यालय संचालित एवं
9 नये आयुर्वेदिक महाविद्यालयों को स्वीकृति
तकनीकी नवाचार
'वैद्य आपके द्वार' योजना अंतर्गत ई-संजीवनी टेलीमेडिसिन परामर्श की सुविधा,
अब तक 23 हजार से अधिक को मिला लाभ
वेलनेस टूरिज्म को बढ़ावा
उज्जैन, ओंकारेश्वर, महेश्वर, कान्हा जैसे 18 प्रमुख धार्मिक एवं प्राकृतिक स्थलों पर
वेलनेस टूरिज्म को नई पहचान देते हुए विशेष वेलनेस केन्द्रों का विकास
जन-जन तक स्वास्थ्य का संबल
800+ आयुष्मान आरोग्य मंदिरों से गांव-गांव तक स्वास्थ्य सुरक्षा,
हर जिला चिकित्सालय में आयुष विंग सक्रिय
"प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में योग को वैश्विक पहचान मिली है और आज यह
विश्व को स्वस्थ, संतुलित एवं एक सूत्र में जोड़ने का सशक्त माध्यम बन गया है।"
-डॉ. मोहन यादव, मुख्यमंत्री
D- 11046/26
सीधा प्रसारण
@Cmmadhyapradesh
@jansampark.madhyapradesh
@Cmmadhyapradesh
@jansamparkMP
JansamparkMP
मध्यप्रदेश जनसम्पर्क द्वारा जारी
आकल्पन : म.प्र. माध्यम/2026

जबलपुर, रविवार 21 जून 2026 ■ ज्येष्ठ मास शुक्ल पक्ष -7 ■ वर्ष : 21, अंक : 50 ■ पृष्ठ : 14 मूल्य : 3.00 * मौसम अधि. 38 न्यून. 29 haribhoomi.com

हरिभूमि
मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित
समाचार ही नहीं, विचार भी

मप्र सरकार ने योग को जन-जन तक पहुंचाने के लिए व्यापक स्तर पर प्रयास किए

स्वस्थ, जागरूक और विकसित भारत की आधारशिला है 'योग'

डॉ. मोहन यादव
मुख्यमंत्री, मप्र

सीएम का ब्लॉग

'समत्वं योग उच्यते' अर्थात संतुलन ही योग है...श्रीमद्भगवद्गीता में भगवान श्रीकृष्ण का यह संदेश जहां समूचे विश्व को संतुलित करने का सूत्र है और महर्षि पतंजलि ने पतंजलि योग सूत्र में 'योगश्चित्तवृत्तिनिरोधः' के माध्यम से मानव जीवन को स्वस्थ और निरोग रहने का मार्ग प्रदान किया गया है। भारत की यही सनातन योग परंपरा विश्व को शरीर, मन और आत्मा के स्तर पर संतुलित और समृद्ध बनाने का आधार है। सदियों पूर्व ऋषि-मुनियों द्वारा विकसित जीवन पद्धति आज संपूर्ण विश्व के लिए सुख, शांति और संतुलन का मार्ग है। यह हमारे लिए गर्व की बात है कि योग विश्व मानवता के कल्याण का माध्यम बन गया है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व और अथक प्रयासों से संयुक्त राष्ट्र महासभा द्वारा 21 जून को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के रूप में मान्यता प्रदान की गई। यह निर्णय भारतीय संस्कृति और जीवन-दर्शन के प्रति विश्व समुदाय के सम्मान का प्रतीक है। दुनियाभर के 190 से अधिक देशों में करोड़ों लोग योग को अपने जीवन का हिस्सा बना चुके हैं। यह भारत की सांस्कृतिक चेतना और आध्यात्मिक नेतृत्व का प्रमाण है। इस वर्ष अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस की थीम 'स्वस्थ आयु के लिए योग' रखी गई है। मुझे यह बताते हुए प्रसन्नता है कि इस वर्ष अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर मध्यप्रदेश की पावन धरती पर आयोजित समारोह में राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मू मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहेंगी। उनका आगमन मध्यप्रदेश के लिए गौरव का विषय है। मध्यप्रदेश सरकार ने योग को जन-जन तक पहुंचाने के लिए व्यापक स्तर पर प्रयास किए हैं। प्रदेश के प्रत्येक व्यक्ति के स्वस्थ और सुखी जीवन के लिए 'घर-घर योग - हर व्यक्ति निरोग' अभियान शुरू किया गया है। प्रदेश में 800 से अधिक आयुष्मान आरोग्य मंदिरों, स्वास्थ्य एवं कल्याण केन्द्रों तथा विभिन्न चिकित्सालयों में नियमित योग गतिविधियां संचालित की जा रही हैं। योग-सखी और योग-दूत गांव-गांव और शहर-मोहल्लों तक योग का संदेश पहुंचा रहे हैं।

'हर घर योग अभियान' से जनभागीदारी का नया अध्याय

प्रदेश में 12 मई से आरंभ हुआ अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस आयोजन 'हर घर योग अभियान' से जनभागीदारी का नया अध्याय लिख रहा है। इसी क्रम में आयुष मंत्रालय द्वारा आयोजित ऑनलाइन योग सत्रों का लाभ प्रदेश के लोगों को प्राप्त हो रहा है। हम सभी के लिए गौरव की बात है कि विगत दिनों इंदौर स्थित मालवांचल यूनिवर्सिटी में आयोजित योग महोत्सव में 35 हजार से अधिक विद्यार्थियों ने सामूहिक योग कर एक नया विश्व रिकॉर्ड स्थापित किया। योग 'वन अर्थ-वन हेल्थ' विचार को व्यवहार में उतारने का माध्यम है जो हमें स्वयं, समाज और प्रकृति से जोड़ता है। यह शरीर को स्वस्थ रखने के साथ जीवन को संतुलित, सार्थक और उत्कृष्ट बनाता है। आज जब दुनिया तनाव, अवसाद, जीवनशैली जनित रोगों और सामाजिक चुनौतियों का सामना कर रही है, ऐसे समय में योग मानवता के लिए बड़ा संबल है। ऐसे यह स्वस्थ शरीर, शांत मन और सुखी जीवन का आधार है।

inh 24x7
छत्तीसगढ़ एवं मध्यप्रदेश का सर्वाधिक लोकप्रिय चैनल देखें
TATA PLAY चैनल नं. 1155
airtel चैनल नं. 366

खबर संक्षेप

अवैध रेत पर कार्रवाई 750 ट्रॉली की नष्ट

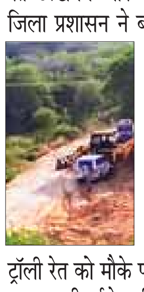

मुरैना। चंबल अभयारण्य क्षेत्र में अवैध रेत उत्खनन और भंडारण के खिलाफ जिला प्रशासन ने बड़ी कार्रवाई की है। पुलिस, वन विभाग और एसएएफ की संयुक्त टास्क फोर्स ने जिले के दो थाना क्षेत्रों में छापेमारी कर अवैध रूप से डंप की गई 750 ट्रॉली रेत को मौके पर ही नष्ट कर दिया। इस नष्ट की गई रेत की कुल बाजार कीमत करीब 15.40 लाख रुपए आंकी गई है। सबसे बड़ी कार्रवाई सरायछोला के गयापुरा में हुई, जहां जेसीबी और लोडर मशीनों की मदद से 11 लाख रुपए कीमत की 550 ट्रॉली रेत नष्ट की गई।

कूनो के चीते ने बकरियों का किया शिकार

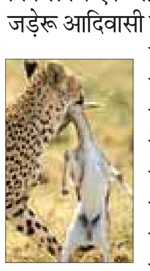

शिवपुरी। कूनो नेशनल पार्क से निकलकर एक चीता पहाड़गढ़ के जड़ेरू आदिवासी गांव में पहुंच गया है, जिससे ग्रामीणों में दहशत का माहौल है। ग्रामीणों का दावा है कि चीते ने खेतों में घूमते हुए एक ग्रामीण की दो पालतू बकरियों का शिकार किया है। इस घटना के बाद लोग अपने बच्चों को बाहर भेजने से डर रहे हैं।

ऋषिकेश में गंगा स्नान के दौरान 4 पर्यटकों की मौत

ऋषिकेश। ऋषिकेश में गंगा स्नान के दौरान अलग-अलग हादसों में 4 पर्यटकों की डूबने से मौत हो गई। एसडीआरएफ की टीम ने कड़ी मशक्कत के बाद सभी के शव बरामद कर लिए हैं। मृतकों में दिल्ली का एक दंपत्ति मनीष आर्य (30) और जानकी (28) शामिल हैं, जो रविवार को चंद्रेश्वर नगर घाट पर बह गए थे। यूपी के शौर्य नागर (20) और मध्य प्रदेश (ग्वालियर) के शैलेंद्र गुर्जर (30) का शव भी बरामद हुआ है।

सीएम डॉ. यादव और केंद्रीय मंत्री खट्टर ने किया भूमि-पूजन, 2 हजार 548 करोड़ रुपए से अधिक के बनेंगे आवास

मप्र को मिली दोहरी सौगात

38 हजार आवासों का हुआ गृह-प्रवेश, हाईवे के लिए 28 गांवों के 916 किसानों को दिया 816 करोड़ रुपए का मुआवजा

2 हजार 935 करोड़ में बनेगी इंदौर और उज्जैन ग्रीनफील्ड फोर-लेन सड़क

अब इंदौर, उज्जैन, देवास, शाजापुर, धार और रतलाम तक 16 हजार वर्ग किमी में फैले मेट्रोपोलिटन एरिया में 6 रेलवे जंक्शन, 2 एयरपोर्ट, 4 हवाई पट्टी और 2 राजमार्ग शामिल होंगे

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव व केंद्रीय आवास एवं शहरी विकास मंत्री मनोहर लाल खट्टर ने उज्जैन को शनिवार को कई सौगातें दी। प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) के तहत 2,548 करोड़ से बनने वाले आवासों का भूमि-पूजन किया। इससे 42 हजार से ज्यादा हितग्राहियों को लाभ होगा। 2,935 करोड़ रुपए की लागत से बनने वाली 48.10 किमी लंबी इंदौर-उज्जैन ग्रीनफील्ड फोर-लेन परियोजना का भूमि-पूजन किया। इससे इंदौर के 20, उज्जैन के 8 और आसपास के 40-50 गांव लाभान्वित होंगे।

सीएम ने कहा कि यह रोड उज्जैन-इंदौर मेटोपोलिटन सिटी के लिए नए सूर्योदय के समान

भूमिपूजन करते खट्टर व सीएम

खट्टर बोले - उज्जैन-इंदौर मेट्रोपोलिटन एरिया के निर्माण से रोजगार, शिक्षा और अधोसंरचना का बड़े पैमाने पर विकास होगा

सांवेर में होंगे 5,657 करोड़ रुपए के विकास कार्य

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा इंदौर, उज्जैन और सांवेर को आज 5,657 करोड़ रुपए के विकास कार्यों की सौगात मिली है। इंदौर के पितृेश्वर महादेव से बाबा महाकाल तक आने के लिए सीधी सड़क का भूमि-पूजन हुआ है।

मुख्यमंत्री के नेतृत्व में हुए सराहनीय काम : खट्टर

केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल खट्टर ने कहा कि लगभग 2900 करोड़ की लागत के इंदौर-उज्जैन ग्रीनफील्ड फोरलेन परियोजना से दोनों शहरों की दूरी कम होगी। उज्जैन धार्मिक और प्रेरणा की नगरी है और इंदौर आर्थिक और रोजगार का केंद्र है। उज्जैन-इंदौर मेट्रोपोलिटन एरिया के निर्माण से रोजगार, शिक्षा और अधोसंरचना का बड़े पैमाने पर विकास होगा। 38 हजार परिवारों को 2500 करोड़ रुपए लागत के आवासों में गृह-प्रवेश कराया है।

ऐसी मच गई अफरातफरी

महाराष्ट्र के परभणी में बड़ा हादसा

हनुमान मंदिर के सामने बना सभा मंडप गिरा, सात की मौत

शनिवार होने के कारण वहां काफी भीड़ थी

एजेंसी ⏭ परभणी

परभणी के मानवत तालुका के यशवाड़ी में मशहूर हनुमान मंदिर के सामने बना सभा मंडप गिर गया है। इस हादसे में कम से कम सात भक्तों की मौत हो गई और अन्य 40 घायल हो गए। मंडप के नीचे फंसे श्रद्धालुओं को बाहर निकालने के लिए युद्ध स्तर पर बचाव कार्य चल रहा है। घायलों को अस्पताल भेजा गया है। मानवत तालुका के यशवाड़ी में स्थित हनुमान मंदिर बहुत मशहूर है। यहां पूरे महाराष्ट्र से श्रद्धालु बड़ी संख्या में आते हैं। शनिवार होने के कारण वहां काफी भीड़ थी। साथ ही वीकेंड की छुट्टी होने के कारण राज्य के अलग-अलग हिस्सों से कई श्रद्धालु पूजा-अर्चना करने आए थे।

छह घायल श्रद्धालुओं की हालत गंभीर

हादसे के बाद वहां भगदड़ मच गया। कम से कम सात भक्तों की मौत हो गई और अन्य 30 घायल हो गए। स्थिति की गंभीरता को समझते हुए प्रशासन तुरंत मौके पर पहुंचा और बचाव कार्य शुरू कर दिया है। मानवत के तहसीलदार पांडुरंग मोचेवाड ने कहा कि लगभग छह घायल श्रद्धालुओं की हालत गंभीर है। उन्होंने कहा कि बचाव दल तुरंत मौके पर पहुंचे और समन्वित प्रयासों से फंसे हुए श्रद्धालुओं को बाहर निकाला।

राजगढ़ में शक्ति प्रदर्शन के बीच यह नजारा

भाजयुमो प्रदेशाध्यक्ष के स्वागत में टूट गया मंच, नीचे गिरे नेता

भीड़ में जिलाध्यक्ष दावेदार के 1.09 लाख रुपए चोरी

हरिभूमि न्यूज ⏭ राजगढ़

भारतीय जनता युवा मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष श्याम टेलर के राजगढ़ दौरे के दौरान शनिवार को शक्ति प्रदर्शन के बीच अव्यवस्थाओं की तस्वीरें भी सामने आईं। श्याम टेलर के स्वागत के लिए बनाए गए एक मंच पर कार्यकर्ताओं की भीड़ इतनी बढ़ गई कि मंच अचानक भरभराकर टूट गया। हादसे में श्याम टेलर, भाजपा जिला अध्यक्ष सहित कई नेता और कार्यकर्ता गिर पड़े। राहत की बात यह रही कि किसी को गंभीर चोट नहीं आई। वहीं, कार्यक्रम के दौरान शहर में जाम की स्थिति बनी रही और भीड़ का फायदा उठाकर चोरों ने भाजयुमो जिला अध्यक्ष पद के दावेदार गौरव सोनी की जेब से 1 लाख 9 हजार 400 रुपए भी चुरा लिए। टेलर के स्वागत के लिए ब्यावरा नाका से लेकर खिलचीपुर नाका तक बैनर-पोस्टर और स्वागत मंच लगाए गए थे।

अब सेहत से खिलवाड़ मंजूर नहीं

सरकार ने 16 फिक्स्ड-डोज दवाओं पर लगाया पूरा प्रतिबंध

इनसे मरीजों की जान को जोखिम हो सकता है

एजेंसी ⏭ नई दिल्ली

केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने देश में 16 फिक्स्ड-डोज कॉम्बिनेशन (एफडीसी) दवाओं के निर्माण, बिक्री और वितरण पर तत्काल प्रभाव से रोक लगा दी है। एफडीसी दवाएं वे होती हैं, जिनमें दो या दो से अधिक सक्रिय औषधीय सामग्रियां (एपीआई) एक निश्चित अनुपात में मिलाई जाती हैं। सरकार का स्पष्ट मानना है कि इन दवाओं का कोई वैज्ञानिक या चिकित्सीय औचित्य नहीं है और इनसे मरीजों की जान को जोखिम हो सकता है। यह कड़ा निर्णय सुप्रीम कोर्ट के निर्देशों के बाद फिक्स्ड-डोज दवाओं की समीक्षा के आधार पर लिया गया है। ड्रग्स टेक्निकल एडवाइजरी बोर्ड द्वारा गठित एक विशेषज्ञ समिति ने इन दवा संयोजनों की बारीकी से जांच की। स्वास्थ्य मंत्रालय ने ड्रग्स एंड कॉस्मेटिक्स एक्ट, 1940 की धारा 26ए के तहत अधिसूचना जारी कर इन पर प्रतिबंध लगा दिया। प्रतिबंधित दवाओं का दायरा काफी बड़ा है, जो सीधे आम आदमी की मेडिकल किट से हैं।

मानसून का अभी 4 से 5 दिन और इंतजार, देरी भी संभव

प्री-मानसून बादल और बौछारों के बीच 7 जिलों में लू, भोपाल में 4 डिग्री गिरा पारा

नौगांव, सीधी और दतिया में पारा 41 से 42 डिग्री के बीच

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

राजधानी सहित प्रदेश के अधिकांश जिलों में शनिवार को सुबह से शाम के बीच मौसम बदला रहा। इस बीच 15 जिलों में पारा बढ़त के साथ दर्ज हुआ। इससे 7 जिलों में लू का असर रहा। इधर, दतिया, नौगांव और सीधी में तापमान 41 से 42 डिग्री तक रहने से तेज गर्मी और उमस महसूस की गई। वहीं, बैतूल, छिंदवाड़ा, पचमढ़ी, जबलपुर, मंडला, सीधी और मलाजखंड में लू चली। यहां पारा सामान्य से 5 से 8 डिग्री तक अधिक दर्ज हुआ है। भोपाल में 3.9 डिग्री गिरकर 33.4 डिग्री रहा, जो सामान्य से 1.8 डिग्री कम है। इससे शहर में दोपहर बाद कुछ राहत रही। मौसम केंद्र के अनुसार प्रदेश में एक जून से अब तक दीर्घावधि औसत से 46 प्रतिशत कम बारिश हुई है। पूर्वी मध्य प्रदेश में औसत से 65 प्रतिशत और पश्चिमी हिस्से में औसत से 30 फीसदी कम बारिश हुई है। प्रदेश में अब तक औसतन 31.1 मिमी बारिश हुई, जबकि औसतन 58 मिमी होना थी। यह औसत सामान्य से 46 फीसदी कम है। भोपाल में अब तक कुल 112.4 मिमी बारिश हुई, जो सामान्य से 40.6 मिमी अधिक है। मौसम विशेषज्ञ एके शुक्ला के अनुसार भोपाल जिले सहित कई हिस्सों में अभी प्रीमानसून बौछारों से ऐसी ही राहत रहेगी।

प्रदेश में अब तक दीर्घावधि औसत से 46 प्रतिशत कम बारिश, भोपाल में 40.6 मिमी ज्यादा दर्ज

कोलार के दानिश चौराहे की तस्वीर

मानसून तीन दिन में बढ़ेगा आगे

विशेषज्ञ शुक्ला के अनुसार अभी मानसून अपनी यथा स्थिति में है। यह अगले 2 से 3 दिन में कुछ और आगे बढ़ेगा। मौसम केंद्र ने सीहोर, भोपाल, विदिशा, रायसेन, राजगढ़, नर्मदापुरम, बैतूल, हरदा, बुरहानपुर, खंडवा, खरगौन, बड़वानी, अलीराजपुर, धार, इंदौर, देवास, शाजापुर, आगर, गुना, अशोकनगर, शिवपुरी, ग्वालियर, दतिया, भिंड, मुरैना, श्योपुरकलां, सिंगरौली, सीधी, रीवा, मऊगंज, सतना, उमरिया, कटनी, जबलपुर, नरसिंहपुर, छिंदवाड़ा, सिवनी, मंडला, बालाघाट, पन्ना, दमोह, सागर, छतरपुर, टीकमगढ़, निवाड़ी, मैहर, पांढुर्णा में गरज-चमक के साथ बादल, बौछारें और आंधी का अलर्ट जारी किया है।

हरिभूमि

मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

वैश्विक आंदोलन बना योग...शुरुआत वर्ष 2015 में हुई थी

190 से अधिक देशों में मनाया जाएगा आज अंतरराष्ट्रीय योग दिवस

- 2026 के अंतरराष्ट्रीय योग दिवस की थीम 'स्वस्थ आयु के लिए योग'
- संयुक्त राष्ट्र महासभा ने 2014 में 21 जून को अंतरराष्ट्रीय योग दिवस घोषित किया था

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

अंतरराष्ट्रीय योग दिवस (आईडीवाई) की शुरुआत वर्ष 2015 में हुई थी। पिछले 11 वर्षों में यह संयुक्त राष्ट्र द्वारा मान्यता प्राप्त एक वार्षिक आयोजन से आगे बढ़कर दुनिया के सबसे बड़े सहभागी आरोग्य आंदोलनों में शामिल हो गया है। योग के माध्यम से विभिन्न देशों, संस्कृतियों और समुदायों के लाखों लोग एक साझा मंच पर जुड़ रहे हैं। वर्ष 2026 के अंतरराष्ट्रीय योग दिवस की थीम 'स्वस्थ आयु के लिए योग' रखी गई है, जो निवारक स्वास्थ्य देखभाल, सक्रिय जीवनशैली और दीर्घकालिक आरोग्य को बढ़ावा देने पर केंद्रित है।

2015 : पीएम मोदी योग करते हुए

कॉमन योग प्रोटोकॉल बना वैश्विक आधार

दुनिया भर में एक समान और समन्वित तरीके से योग दिवस मनाने के लिए आयुष मंत्रालय ने 2015 में प्रमुख योग संस्थानों और विशेषज्ञों के सहयोग से कॉमन योग प्रोटोकॉल (सीवाईपी) तैयार किया था। यह 45 मिनट का मानकीकृत योग अभ्यास कार्यक्रम है, जिसमें शरीर को तैयार करने वाले अभ्यास, योगासन, कपालभाति, प्राणायाम, ध्यान और विश्राम तकनीकें शामिल हैं।

'योग फॉर एयर ट्रैवल'

आयुष मंत्रालय ने इस वर्ष कई नई पहलें शुरू की हैं। इनमें 'योग फॉर एयर ट्रैवल' विशेष रूप से उल्लेखनीय है, जिसे मोरारजी देसाई राष्ट्रीय योग संस्थान ने लंबी हवाई यात्राओं के दौरान स्वास्थ्य और आराम को ध्यान में रखते हुए विकसित किया है।

गैरिसन ग्राउंड में सुबह 6 बजे से आयोजन

राष्ट्रपति मुर्मू जबलपुर में करेंगी योग, सीएम व तीन मंत्री भी रहेंगे मौजूद

- राष्ट्रपति रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय के 36 वें दीक्षांत समारोह में भी होंगी शामिल
- 31 स्कूलों के 3 हजार से ज्यादा विद्यार्थी करेंगे सामूहिक योग, 5 हजार नागरिक भी होंगे शामिल
- दीक्षांत समारोह के बाद राष्ट्रपति ग्वालियर से होते हुए कूनो नेशनल पार्क में पहुंचेंगी

जबलपुर। राष्ट्रपति श्रीमती दौपदी मुर्मू रविवार को 12 वें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर आयोजित राज्य स्तरीय कार्यक्रम में शामिल होंगी। इस मौके पर मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव व तीन अन्य मंत्री भी मौजूद रहेंगे। योग कार्यक्रम जबलपुर में सदर स्थित गैरिसन ग्राउंड में सुबह 6 बजे से आयोजित किया जाएगा। योग में लगभग 5 हजार लोग शामिल होंगे। साथ ही 31 स्कूलों के लगभग 3 हजार 400 छात्र-छात्राएं भी शामिल होंगे। योग दिवस कार्यक्रम में राज्यपाल पटेल, मुख्यमंत्री डॉ. यादव, उप मुख्यमंत्री जगदीश देवडा, पंचायत एवं ग्रामीण विकास मंत्री प्रहलाद सिंह पटेल, लोक निर्माण मंत्री राकेश सिंह एवं आयुष मंत्री इंदर सिंह परमार शामिल होंगे। वहीं, शनिवार देर शाम जबलपुर में चली तेज आंधी क चलते योग दिवस कार्यक्रम स्थल गैरिसन ग्राऊंड में शेड गिरने से 3 मजदूर घायल हो गए।

240 स्वर्ण पदकों का होगा वितरण और 182 को मिलेंगी पीएचडी उपाधियां

रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय जबलपुर का 36 वां दीक्षांत समारोह में विश्वविद्यालय के 141 मेधावी विद्यार्थियों को 240 स्वर्ण पदक प्रदान किए जाएंगे। राष्ट्रपति श्रीमती मुर्मु चयनित विद्यार्थियों को 20 स्वर्ण पदक प्रदान करेंगी। समारोह में 182 शोधार्थियों को पीएचडी उपाधि प्रदान की जाएगी। इसके अतिरिक्त 3 विद्वानों को डी-लिट, एक को डीएससी तथा एक विशिष्ट व्यक्तित्व को मानद उपाधि प्रदान किए जाने का प्रस्ताव है। दीक्षांत समारोह के बाद राष्ट्रपति रविवार को ही दोपहर में ग्वालियर से होते हुए कूनो नेशनल पार्क में पहुंचेंगी।

खबर संक्षेप

65 हस्तियों को मंगलवार को मिलेगा पद्म पुरस्कार

नई दिल्ली। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू मंगलवार शाम 5 बजे राष्ट्रपति भवन में आयोजित दूसरे नागरिक

अलंकरण समारोह में 65 मशहूर हस्तियों को प्रतिष्ठित पद्म पुरस्कारों से सम्मानित करेंगी। इस भव्य समारोह में दो पद्म विभूषण, सात पद्म भूषण और 56 पद्म श्री पुरस्कार दिए जाएंगे। इस वर्ष, सार्वजनिक क्षेत्र में योगदान के लिए पूर्व न्यायाधीश के. टी. थॉमस को पद्म विभूषण मिलेगा।

खाई में गिरी कार, आग लगने से 2 जिंदा जले

चंपावत। उत्तराखंड में चंपावत जिले के लोहाघाट क्षेत्र में एक कार के खाई में गिरने के बाद उसमें

आग लग गयी जिससे उसमें जलकर दो व्यक्तियों की मृत्यु हो गयी तथा तीन अन्य घायल हो गए। लोहाघाट की उप जिलाधिकारी नीतू डांगर ने बताया कि दुर्घटना टनकपुर-पिथौरागढ़ बारहमासी सड़क के बंतोली क्षेत्र में शुक्रवार को हुई। बंतोली के पास कार अचानक अनियंत्रित होकर 100 मीटर गहरी खाई में गिर गई और गिरते ही उसमें आग लग गई।

नीट-2026 पुनर्परीक्षा आज: रेलवे चलाएगा स्पेशल ट्रेन, बनाए गए हेल्प बूथ

सीआरपीएफ बल लेकर आएगा पेपर जैमर लगे, सीसीटीवी से होगी निगरानी

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा (नीट-2026) की पुनर्परीक्षा का आयोजन 21 जून रविवार को किया जाएगा। भोपाल के 32, इंदौर के 57, जबलपुर के 23 केंद्रो सहित मध्यप्रदेश के 31 जिलों में बनाए गए केंद्रो पर कड़ी सुरक्षा और निगरानी के बीच यह परीक्षा आयोजित होगी। भोपाल में इस परीक्षा में करीब 13 हजार 774 विद्यार्थियों के शामिल होने की उम्मीद है। प्रदेशभर में परीक्षा की शुचिता और छात्रों की सुविधा सुनिश्चित करने के लिए हाई अलर्ट जारी किया गया है। परीक्षा के लिए रेलवे, पुलिस, स्वास्थ्य विभाग, शिक्षा विभाग सहित अन्य विभाग के अधिकारी-कर्मचारी भी तैनात किए गए है। शनिवार देर रात तक प्रशासन द्वारा परीक्षा के निष्पक्ष और पारदर्शी संचालन के लिए सुरक्षा, यातायात, स्वास्थ्य और मूलभूत सुविधाओं को लेकर व्यापक तैयारियां पूरी कर ली हैं। केंद्रो पर बड़ी संख्या में पुलिस बल तैनात किया गया है। किसी भी प्रकार की गड़बड़ी को रोकने के लिए सभी परीक्षा केंद्रों पर सीसीटीवी कैमरे और जैमर की निगरानी रहेगी। केंद्रो पर विद्यार्थियों की सुविधा के लिहाज से एक बड़ी घड़ी लगाई गई है। पिछले बार देशभर में सामने आए पेपर लीक विवादों के बाद भोपाल में प्रश्नपत्रों के परिवहन की जिम्मेदारी पुलिस के बजाय सीआरपीएफ (केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल) को सौंपी गई है।

प्रश्नपत्र ले जाने वाले वाहनों की मॉनिटरिंग के लिए जिला प्रशासन के अधिकारियों की तैनाती की गई है, रात भर जागे

शनिवार को सभी केंद्रों पर की गई मॉक ड्रिल

राजधानी के सुभाष स्कूल में पुलिस की चौकसी

- *भोपाल में 32, इंदौर में 57, जबलपुर में 23 केंद्र सहित 31 जिलों में बनाए गए परीक्षा केंद्र*
- *भोपाल में करीब 13 हजार 774 विद्यार्थी होंगे शामिल*
- *देश के 551 शहरों में 22 लाख से अधिक अभ्यर्थी शामिल होंगे*

इलेक्ट्रॉनिक डिवाइस पर पाबंदी, कड़ी जांच के बाद एंट्री

पात्रता परीक्षा में कोई भी इलेक्ट्रॉनिक डिवाइस ले जाने पर पाबंदी रहेगी। मोबाइल, ब्लूटूथ, ईयरफोन-स्मार्ट वॉच भी नहीं ले जा सकेंगे। मध्य प्रदेश के सभी जिलों में कलेक्टरों ने परीक्षा से पहले गाइडलाइन जारी कर दी है। परीक्षा देने वाले स्टूडेंट्स को सलाह दी गई है कि वे परीक्षा केंद्रों पर समय से पहले पहुंचे। अभ्यर्थियों को दोपहर 1:30 बजे से पहले परीक्षा केंद्र पहुंचने, आवश्यक दस्तावेज साथ रखने और सभी दिशा-निर्देशों का पालन करने की सलाह दी गई है। परीक्षा केंद्रों पर रिपोर्टिंग, फ्रिस्किंग और बायोमेट्रिक सत्यापन की प्रक्रिया सुबह 11 बजे से शुरू होगी। परीक्षा केंद्र में प्रवेश का अंतिम समय दोपहर 1:30 बजे निर्धारित किया गया है। इसके बाद किसी भी अभ्यर्थी को प्रवेश नहीं दिया जाएगा। परीक्षा दोपहर 2 बजे से शाम 5:15 बजे तक होगी।

ध्वनि विस्तारक यंत्रों पर प्रतिबंध

पेपर लीक और नकल रोकने के लिए शनिवार को सभी 32 केंद्रों पर मॉक ड्रिल की गई है। सभी केंद्र प्रभारियों द्वारा शाम 5 बजे से पहले मॉक ड्रिल कर व्यवस्थाएं देखी गई। मॉक ड्रिल को लेकर भी पूरी गोपनीयता बरती गई। इसमें अभ्यर्थियों की एंट्री, बायोमीट्रिक सत्यापन, फ्रिस्किंग, सुरक्षा व्यवस्था और परीक्षा संचालन से जुड़ी व्यवस्थाओं का परीक्षण किया गया। मॉक ड्रिल के दौरान प्रशासन की टीम द्वारा केंद्र पर अंदर आने-जाने की व्यवस्थाओं सहित सुरक्षा साधनों की जांच की गई है।

दो-स्तरीय सुरक्षा व्यवस्था रहेगी, 400 से अधिक पुलिस बल

भोपाल में 400 से अधिक पुलिस बल तैनात किया गया है। भोपाल में 10 नोडल अधिकारी, 32 कार्यपालिक मजिस्ट्रेड और 3 एडीएम की ड्यूटी लगाई गई है। पेपर पहुंचाने सहित अन्य व्यवस्था के लिए सीआरपीएफ की 32 टुकड़ियां तैनात की गई हैं। महिला अभ्यर्थियों के लिए अलग (फ्रिस्किंग) सुरक्षा जांच व्यवस्था और भीड़ प्रबंधन की तैयारियां की गई हैं।

उफ ! ऐसे चुक रहा है समाज में धैर्य

1 शाहदरा स्टेशन प्लेटफॉर्म-3 पर वारदात

ट्रेन में एक सीट के लिए हत्या कर दी लाश पड़ी रही.. लोग रील बनाते रहे

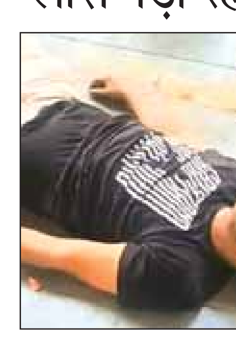

आरपीएफ की भूमिका पर सवाल

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

दिल्ली के शाहदरा रेलवे स्टेशन पर ट्रेन पकड़ने के दौरान हुए विवाद ने एक दर्दनाक रूप ले लिया, जहां एक यात्री की पिटाई के बाद मौत हो गई। यह घटना प्लेटफॉर्म नंबर-3 पर योगा एक्सप्रेस में चढ़ने के दौरान हुई, जिससे रेलवे परिसर में हड़कंप मच गया। बागपत निवासी पंकज धामा योगा एक्सप्रेस में चढ़ने की कोशिश कर रहे थे। इसी दौरान बोगी के गेट पर मौजूद कुछ यात्रियों से उनकी कहा-सुनी हो गई। मामूली विवाद धीरे-धीरे हिंसक झड़प में बदल गया। गुस्साए सह-यात्रियों ने पंकज धामा पर हमला कर दिया और उन्हें बुरी तरह पीटा। मौके पर मौजूद लोग काफी देर तक तमाशाई बने रहे। वे रील बनाते रहे।

2 भिंड के मेहगांव थाना क्षेत्र की घटना

5 रुपए के पीछे चक्की वाले ने युवक का कान दांत से काट लिया

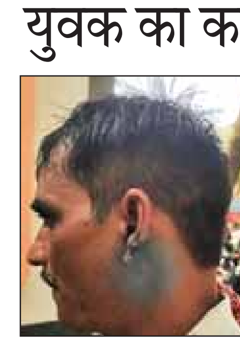

45 की जगह 40 रुपए देने पर भड़का चक्की वाला

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भिंड

मेहगांव थाना क्षेत्र में पांच रुपए के लेनदेन को लेकर आटा चक्की पर विवाद हिंसक हो गया। शुक्रवार शाम खैरियातोर मोड़ स्थित चक्की पर पिसाई के पैसों को लेकर हुए विवाद में संचालक ने ग्राहक का कान दांत से काट लिया। आरोपी का मुंह खून से लाल हो गया। हमले में ग्राहक महरौली गांव निवासी धान सिंह भदौरिया के कान का एक हिस्सा कटकर अलग हो गया। घायल ने मेहगांव थाने में शिकायत दर्ज कराई, जिस पर पुलिस जांच कर रही है।

नासिक में 16.71 लाख के ड्रग्स जब्त, 3 अरेस्ट

नासिक। महाराष्ट्र के नासिक में पुलिस ने अलग-अलग स्थानों से तीन लोगों को गिरफ्तार कर 320

ग्राम मादक पदार्थ एमडी (मेफेड्रोन) जब्त किया है जिसकी अवैध बाजार में कीमत करीब 16.71 लाख रुपए आंकी गई है। अधिकारी ने बताया कि राजस्थान के कुछ लोगों द्वारा मादक पदार्थ बेचे जाने की सूचना मिलने पर एक मोटरसाइकिल को रोका तथा तलाशी के दौरान 200 ग्राम मेफेड्रोन बरामद किया जिसकी कीमत 10.70 लाख रुपए है।

15 दिन से जेल में बंद, जमानत खारिज

दुष्कर्म केस में डिप्टी कलेक्टर माहौर का होगा डीएनए टेस्ट

अरविंद माहौर

जमानत के लिए हाईकोर्ट पहुंचे

हरिभूमि न्यूज ▶▶ मुरैना

दुष्कर्म के आरोप में पिछले 15 दिन से जिला जेल में बंद डिप्टी कलेक्टर अरविंद माहौर की मुश्किलें बढ़ सकती हैं। जिला न्यायालय ने पुलिस के आवेदन पर उनके डीएनए टेस्ट की अनुमति दे दी है। वहीं, वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से हुई पेशी के दौरान उन्हें जिला अदालत से राहत नहीं मिली। अब उनकी जमानत याचिका उच्च न्यायालय में पहुंच गई है। सबलगढ़ निवासी एक युवती, जो वर्तमान में मुरैना में रह रही है, ने 3 जून की रात सिविल लाइन थाने में लिखित शिकायत दर्ज कराई थी।

शहडोल में बंद खदान में डूबा युवक, मौत

मुआवजे की मांग पर 4 घंटे प्रदर्शन आश्वासन के बाद खुल सका रास्ता

खदान में नहीं हैं सुरक्षा के पूरे इंतजाम

हरिभूमि न्यूज ▶▶ शहडोल

शहडोल में एसईसीएल सोहागपुर एरिया की शारदा ओपन कास्ट माइंस की बंद पड़ी कोयला खदान में एक युवक की डूबने से मौत हो गई। यह घटना शनिवार को हुई। हादसे के बाद परिजनों और ग्रामीणों ने मुआवजे की मांग को लेकर शव रखकर प्रदर्शन किया, जिससे कॉलरी मार्ग करीब चार घंटे तक बाधित रहा। मृतक की पहचान रवि सिंह के रूप में हुई है। जानकारी के अनुसार, रवि अन्य लोगों के साथ शारदा ओपन कास्ट माइंस की बंद खदान में बने जलभराव वाले क्षेत्र में नहाने गया था।

जीएमसी भावनगर की शर्मनाक घटना

ओटी में मुर्गा बनाया, रातभर जगाया, बोले- सेल्फी भेजो

मेडिकल स्टूडेंट्स के साथ घटिया सलूक 6 सस्पेंड

एजेंसी ▶▶ भावनगर

गुजरात के भावनगर से रैगिंग का एक गंभीर मामला सामने आया है। दो जूनियर रेजिडेंट डॉक्टर को ऑपरेशन थिएटर के अंदर जबरदस्ती रातभर मुर्गा बनने को मजबूर किया गया। घटना जब सामने आई तो दोषी स्टूडेंट्स के खिलाफ एक्शन लेते हुए उन्हें सस्पेंड कर दिया गया। मैं गुजरात के जीएमसी भावनगर के ऑर्थोपेडिक्स डिपार्टमेंट में फर्स्ट ईयर का रेजिडेंट डॉक्टर हूं। यहां का टॉर्चर अब बर्दाश्त से बाहर हो गया है।

केंद्रीय मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने कर दिया स्पष्ट

भारत में कम नहीं होंगे पेट्रोल व डीजल के दाम, वे पहले से ही अन्य देशों से काफी कम

एजेंसी ▶▶ सोनभद्र

केंद्रीय पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने कहा कि निकट भविष्य में पेट्रोल-डीजल के दाम कम

हरदीप सिंह पुरी

करने की केंद्र सरकार की कोई योजना नहीं है। उन्होंने कहा कि भारत में पेट्रोलियम उत्पादों की कीमतें दुनिया के अनेक देशों की तुलना में पहले से ही कम हैं। वह शनिवार को लोढ़ी स्थित सर्किट हाउस में आयोजित पत्रकार वार्ता को संबोधित कर रहे थे। मंत्री ने कहा कि भारत उन देशों में शामिल है जहां पेट्रोल-डीजल की कीमतों में सबसे कम वृद्धि हुई है। उन्होंने उदाहरण देते हुए कहा कि पड़ोसी देशों पाकिस्तान और बांग्लादेश में पेट्रोलियम उत्पादों के दामों में लगभग 80 प्रतिशत तक वृद्धि हुई, जबकि भारत में वृद्धि अपेक्षाकृत काफी कम रही। केंद्र सरकार ने नवंबर 2021 और मई 2022 में एक्साइज ड्यूटी में कटौती की थी तथा हाल के वर्षों में भी उपभोक्ताओं को राहत देने के लिए कदम उठाए गए हैं।

यहां पेट्रोल डीजल की कीमतों में सबसे कम वृद्धि

फाइल फोटो

राम मंदिर चढ़ावा चोरी मामला : सभी संदिग्धों को चेतावनी- अयोध्या न छोड़ें

चंपत राय पर एक्शन लगभग तय, ट्रस्टी अनिल भी हटाए जा सकते हैं, एसआईटी योगी को सौंपेगी रिपोर्ट

जांच में 150 संदिग्धों के नाम, इनमें से 25 लोगों पर होगी कार्रवाई

एजेंसी ▶▶ अयोध्या

राम मंदिर में चढ़ावा चोरी के मामले में स्पेशल इन्वेस्टिगेशन टीम (एसआईटी) की जांच में 150 संदिग्धों के नाम सामने आए हैं। इनमें से 25 लोगों पर कार्रवाई के आसार हैं। जिन लोगों से एसआईटी पूछताछ कर चुकी है, उन्हें अगले आदेश तक कहीं बाहर न जाने की चेतावनी दी गई है। शनिवार को छठे दिन एसआईटी जांच के लिए मंदिर पहुंच गई है।

जांच पूरी कर एसआईटी सोमवार को सीएम योगी को जांच रिपोर्ट सौंपेगी। ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय और ट्रस्टी डॉ. अनिल मिश्रा पर कार्रवाई लगभग तय मानी जा रही है। दोनों को पद से हटाया जा सकता है। इसके अलावा मंदिर के निर्माण प्रभारी गोपाल राव को भी पद से हटाया जा सकता है। एसआईटी ने मंदिर परिसर में करीब 6 घंटे तक जांच की। टीम ने चंपत राय, अनिल मिश्रा और गोपाल राव से अलग-अलग पूछताछ की। साथ ही एसबीआई बैंक के मैनेजर और कैशियर से भी सवाल किए। एसआईटी गोपाल के भतीजे और राम मंदिर कर्मचारी सोमेश आनंद से भी पूछताछ करना चाहती थी, लेकिन वे नहीं मिले। उनका फोन स्विच ऑफ है। जब मामले को लेकर आरोप लगे तब चंपत ने सफाई दी थी कि अभी तक ऐसी कोई भी बात सामने नहीं आई है। विवाद बढ़ा तो भाजपा नेता डॉ. रजनीश सिंह ने 9 जून को पीएम को लेटर लिखकर सीबीआई जांच की मांग की। अगले दिन यानी 10 जून को प्रधानमंत्री कार्यालय ने मंदिर ट्रस्ट से मामले की रिपोर्ट मांग ली थी।

चंपत राय

अनिल मिश्रा

गोपाल राव

अब तक 2 करोड़ की बरामदगी

चढ़ावा चोरी मामले में 5 लोगों लवकुश, अवनीश, अनुकल्प, करुणे और रामशंकर उर्फ टिन्नू की निशानदेही पर अब तक 2 करोड़ रुपए की रिकवरी की गई है। ये सभी मंदिर में दान राशि की गिनती की ड्यूटी से जुड़े थे। मंदिर ट्रस्ट के कर्मचारी टिन्नू के घर से 13 जून को सोना मिला था। हालांकि, सोना कितना है, यह अभी कन्फर्म नहीं है।

विभागीय जांच पर अंतरिम रोक

जिला शिक्षा अधिकारी को क्रमोन्नति प्रकरण में हाई कोर्ट से मिली राहत

जबलपुर। मप्र हाईकोर्ट ने दमोह के जिला शिक्षा अधिकारी के खिलाफ प्रस्तावित विभागीय जांच पर अंतरिम रोक लगा दी है। जस्टिस विवेक कुमार सिंह की सिंगल बेंच ने राज्य शासन सहित अन्य संबंधित अधिकारियों को नोटिस जारी कर चार सप्ताह में जवाब मांगा है।याचिकाकर्ता दमोह निवासी एसके नेमा ने 17 अप्रैल, 2026 को जारी कारण बताओ नोटिस और आरोपपत्र को चुनौती दी है। वित्त विभाग का आरोप है कि उन्होंने विभागीय स्वीकृति के बिना कर्मचारियों को क्रमोन्नति (कर्मोन्नति) का लाभ प्रदान किया। याचिका में कहा गया कि संबंधित कर्मचारियों को यह लाभ विभागीय पदोन्नति समिति की अनुशंसा और सामान्य प्रशासन विभाग के प्रविधानों के तहत दिया गया था। साथ ही, इस संबंध में हाई कोर्ट के आदेशों के अनुपालन को लेकर अवमानना कार्यवाही भी लंबित थी।

महाधिवक्ता कार्यालय की नियुक्तियों पर रिज्वाइंडर पेश करने समय दिया

जबलपुर। मप्र हाईकोर्ट के पूर्व निर्देश के पालन में महाधिवक्ता कार्यालय में अपेक्षाकृत कम योग्य शासकीय अधिवक्ताओं की नियुक्ति पर आपत्ति के मामले में राज्य शासन की ओर से पक्ष प्रस्तुत कर दिया गया है। जिसे रिकार्ड पर लेने के साथ ही जस्टिस मनिंदर सिंह भट्टी व जस्टिस बीपी शर्मा की डिवीजन बेंच ने याचिकाकर्ता अधिवक्ता योगेश सोनी के अधिवक्ता दिनेश उपाध्याय के निवेदन पर समय दे दिया है। इसके साथ ही मामले में अंतिम स्तर की बहस के लिए 30 जून की तिथि नियत कर दी है। दरअसल, हाई कोर्ट बार एसोसिएशन, जबलपुर के संयुक्त सचिव योगेश सोनी व उनके वकील दिनेश उपाध्याय द्वारा याचिका में आरोप लगाया गया है कि महाधिवक्ता कार्यालय में शासकीय अधिवक्ताओं की नियुक्ति प्रक्रिया पारदर्शी नहीं रही और निर्धारित नियमों की अनदेखी करते हुए अर्हताविहीन अधिवक्ताओं को भी नियुक्त किया गया। विवाद 25 दिसंबर को जारी उस सूची से जुड़ा है, जिसमें महाधिवक्ता कार्यालय के लिए 157 विधि अधिकारियों की नियुक्तियां दर्शाई गई थीं। वर्ष 2013 की राजपत्र अधिसूचना में शासकीय अधिवक्ताओं की नियुक्ति हेतु न्यूनतम 10 वर्ष की प्रैक्टिस अनिवार्य की गई है। मामले में हस्तक्षेपकर्ता अधिवक्ता नीलेश अवस्थी की ओर से अधिवक्ता प्रशांत चौरसिया ने आवेदन पेश कर दावा किया कि नई दिल्ली के लिए नियुक्त कुछ स्टैंडिंग काउंसिल मध्य प्रदेश हाई कोर्ट में भी राज्य की ओर से पेश होने पर एतराज जताया है।

यश मैडम एटसैलून पार्लर संचालक दंपति के खिलाफ नोटिस जारी

जबलपुर। गोरखपुर स्थित यश मेडम एटसैलून पार्लर के संचालक आयुष भार्गव एवं आयुषी भार्गव के खिलाफ दायर परिवाद पर न्यायिक दंडाधिकारी शुभांगी पालो दत्त की अदालत ने नोटिस जारी कर उन्हें उपस्थित होने के निर्देश दिए हैं। परिवाद पार्लर की पूर्व कर्मचारी चांदनी कश्यप की ओर से अधिवक्ता सचिन अग्रवाल, चेतना गुप्ता, शीर्ष अग्रवाल, राजेंद्र नामदेव, विनय उपाध्याय व रविंद्र नाथ बाबा के माध्यम से प्रस्तुत किया गया। परिवाद में आरोप लगाया गया है कि फरियादिया पार्लर में कार्यरत थी और वैवाहिक विवाद की जानकारी होने के बाद संचालक दंपति उस पर अनैतिक कार्य करने का दबाव बनाने लगे। विरोध करने पर उसे नौकरी से निकाल दिया गया तथा करीब 25 हजार रुपये का बकाया वेतन भी नहीं दिया गया। परिवाद के अनुसार आरोपितों ने उसे झूठे प्रकरण में फंसाने की धमकी भी दी। पीड़िता ने महिला थाना गोरखपुर एवं पुलिस अधीक्षक से शिकायत की, लेकिन कार्रवाई नहीं होने पर अदालत की शरण ली। मामले में लगाए गए आरोपों को प्रथमदृष्टया गंभीर मानते हुए अदालत ने अनावेदकों को नोटिस जारी किए हैं।

आदिवासी छात्राओं से आत्मीय भेंट

इंजीनियर-डॉक्टर बनकर करें देश का नाम रोशन : राज्यपाल

जबलपुर। मध्यप्रदेश के राज्यपाल मंगुभाई पटेल ने शनिवार को शास्त्री ब्रिज स्थित नरसिंह मंदिर परिसर में संचालित भगिनी निवेदिता बालिका छात्रावास पहुंचकर आदिवासी छात्राओं से आत्मीय भेंट की और परिसर में औषधि पौधरोपण किया। इस दौरान उन्होंने छात्राओं को मन लगाकर पढ़ाई करने, इंजीनियर और डॉक्टर बनकर देश का नाम रोशन करने के लिए प्रेरित किया।

राज्यपाल श्री पटेल के आगमन पर छात्राओं तथा विद्या भारती के क्षेत्रीय संगठन मंत्री श्री अखिलेश मिश्रा एवं प्रादेशिक सचिव डॉक्टर सुधीर अग्रवाल ने शाल एवं पुष्प भेंटकर उनका स्वागत किया।

इसके बाद राज्यपाल ने छात्रावास के कमरों का भ्रमण कर बालिकाओं से संवाद किया और उन्हें पढ़ाई के प्रति गंभीर रहने के लिए प्रोत्साहित किया। उन्होंने छात्राओं से उनके परिवार और पढ़ाई-लिखाई के बारे में भी आत्मीयता से जानकारी ली। छात्राओं से बातचीत के दौरान राज्यपाल ने कहा कि उनकी भी तीन बेटियां हैं और उनकी नातिन कंप्यूटर इंजीनियर है। उन्होंने छात्राओं से कहा कि आप सभी इंजीनियरिंग की छात्राएं हैं, इसलिए पूरी लगन और मेहनत से अध्ययन करें, डॉक्टर और इंजीनियर बनें तथा देश का नाम रोशन करें। उन्होंने यह भी कहा कि विद्या भारती जैसे संस्थान में पढ़ना सौभाग्य की बात है। इस अवसर पर राज्यपाल ने शिक्षकों से भी मुलाकात कर छात्राओं की पढ़ाई और छात्रावास की व्यवस्थाओं की जानकारी ली। उन्होंने अखिल भारतीय बालिका शिक्षा प्रमुख रेखा चूड़ासमा के कार्यों की सराहना भी की। कार्यक्रम में आयुक्त धनंजय सिंह, आईजी, विद्या भारती के क्षेत्रीय संगठन मंत्री श्री अखिलेश मिश्रा, प्रादेशिक सचिव डॉ. सुधीर अग्रवाल, संगठन मंत्री अमित दवे, विष्णुकांत ठाकुर, ईश्वर पटेल, हरिराम तिवारी, विवेक चौधरी, कमलेश अग्रहरी मंजू दीदी सहित बड़ी संख्या में छात्राएं और शिक्षकगण उपस्थित रहे।

महिला मोर्चा ने पाकशाला में कम तेल वाले पौष्टिक व्यंजनों का दिया संदेश

जबलपुर। प्रदेश अध्यक्ष अश्विनी परांजपे के मार्गदर्शन में महाराणा प्रताप भवन, रानीताल में 20 जून को भाजपा महिला मोर्चा द्वारा पाकशाला का आयोजन किया गया। नगर अध्यक्ष आत्मिका सिंह के नेतृत्व में आयोजित इस कार्यक्रम में कम तेल या बिना तेल के पौष्टिक आहार तैयार करने और उसके स्वास्थ्य लाभों के प्रति जागरूकता फैलाई गई। कार्यक्रम में महिला मोर्चा की टीम ने कई पौष्टिक व्यंजन तैयार किए, जिनमें तेल का उपयोग नहीं किया गया था। इन व्यंजनों के फायदे और उपयोग के बारे में भी उपस्थित लोगों को जानकारी दी गई। आत्मिका सिंह ने कहा कि आज के समय में पौष्टिक और कम तेल वाला भोजन स्वास्थ्य के लिए आवश्यक है, जिससे कई बीमारियों से बचाव संभव है। उन्होंने यह भी बताया कि प्रदेश अध्यक्ष अश्विनी परांजपे अपने प्रवास कार्यक्रमों के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की इस पहल को आगे बढ़ाते हुए लोगों को कम तेल के उपयोग के लिए प्रेरित कर रही हैं। कार्यक्रम में कम तेल खाने के फायदे वाले स्लोगन भी लगाए गए, जो आकर्षण का केंद्र रहे। कार्यक्रम में व्यंजन प्रतियोगिता भी आयोजित की गई, जिसमें बेहतर व्यंजन बनाने वाली कार्यकर्ताओं को पुरस्कार प्रदान किए गए। आयोजन में नीता रजक, मोना साहू, सोनिया सिंह, श्वेता गोंटिया, विनीता शुक्ला, रश्मि केवट, अभिलाषा रजक, रूपा दाहिया, रोशनी कुम्बरे, हिना गुप्ता, रश्मि मक्कर, कल्पना सिंह, कृष्णा यादव, सपना सिंह, माया सिंह, देवयानी, सारिका रॉय, मीरा दुबे, पूनम राजपूत सहित बड़ी संख्या में महिलाओं की उपस्थिति रही।

छह दिवसीय योग शिविर का हुआ समापन योग के महत्व पर दिया गया विशेष संदेश

जबलपुर। कचनार क्लब, कचनार सिटी, विजय नगर में आयोजित छह दिवसीय योग शिविर का भव्य समापन हुआ। इस शिविर में प्रतिदिन विभिन्न क्षेत्रों के डॉक्टरों ने अलग-अलग बीमारियों में योग के लाभों की जानकारी दी। समापन अवसर पर योग साधकों ने भी अपने अनुभव साझा किए। कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि डॉ. स्वामी गिरिजानंद सरस्वती ने योग के महत्व पर विस्तृत प्रकाश डालते हुए कहा कि योग संस्कृत की 'युज' धातु से बना है, जिसका अर्थ जोड़ना है—मन को आत्मा से और आत्मा को परमात्मा से जोड़ना। उन्होंने पतंजलि योग सूत्र का उल्लेख करते हुए कहा कि योग से चित्त वृत्तियों का निरोध होता है और मन पर नियंत्रण प्राप्त किया जा सकता है। उन्होंने श्रीकृष्ण के गीता उपदेश का उल्लेख करते हुए कहा कि समभाव रखना ही योग है तथा सुख-दुःख, लाभ-हानि, जय-पराजय और मान-अपमान में समान भाव रखना चाहिए। उन्होंने कहा कि आज के तनावपूर्ण जीवन में योग संजीवनी के समान है। उन्होंने अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस (21 जून) का उल्लेख करते हुए सभी साधकों से आह्वान किया कि वे एक-एक नए व्यक्ति को योग से जोड़ें। साथ ही उन्होंने कहा कि 21 दिन के नियमित अभ्यास से योग के लाभ महसूस होने लगते हैं और यह आदत में शामिल हो जाता है। कार्यक्रम में योग शिक्षक कमलेश, सुंदरलाल गुप्ता, सावित्री पटनायक, बसंत अग्रवाल, अंजू अरोड़ा, किरण विश्वकर्मा, मुकेश खरे सहित लगभग 150 से अधिक योग साधकों की उपस्थिति रही।

अंतरराष्ट्रीय आयुष कॉन्क्लेव 4.0 में डॉ. शमीम शाह को मिला प्रतिष्ठित सम्मान

जबलपुर। नेपाल चैंबर ऑफ कॉमर्स (एनसीसी) नेपाल के संयुक्त तत्वावधान में काठमांडू में आयोजित अंतरराष्ट्रीय आयुष कॉन्क्लेव 4.0 नेपाल संस्करण में जबलपुर (मध्य प्रदेश) के प्रतिष्ठित आयुष विशेषज्ञ डॉ. शमीम शाह को उनके उत्कृष्ट योगदान के लिए अंतरराष्ट्रीय आयुष कानक्लेव 4.0 अवार्ड से सम्मानित किया गया। डॉ. शमीम शाह, जो जिला जबलपुर के शाह मुस्लिम समाज के जिला अध्यक्ष भी हैं, को यह सम्मान आयुष चिकित्सा, स्वास्थ्य सेवा, शिक्षा, शोध, नवाचार एवं समाज सेवा के क्षेत्र में उनके महत्वपूर्ण योगदान के लिए प्रदान किया गया। इस उपलब्धि पर राष्ट्रीय अध्यक्ष रहम अली (अलीगढ़), प्रदेश अध्यक्ष शरीफ शिकोही (शाह अल्वी एसोसिएशन रजि. इंडिया) सहित समाज के अनेक गणमान्य व्यक्तियों ने उन्हें बधाई दी। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि चैंबर अध्यक्ष कमलेश अग्रवाल रहे, जबकि भारतीय दूतावास नेपाल के प्रतिनिधि सुमन शेखर विशेष अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। इस अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में भारत के 25 से अधिक राज्यों के साथ-साथ नेपाल, मलेशिया, कनाडा, यूएई, बांग्लादेश और सिंगापुर से आए 254 से अधिक प्रतिनिधियों ने भाग लिया। सम्मान नेपाल चैंबर्स ऑफ कॉमर्स के अध्यक्ष कमलेश अग्रवाल, सिविक के संस्थापक डॉ. एम.एम. कुरैशी तथा लीजेंड्स वर्ल्ड रिकॉर्ड्स (दुबई, यूएई) के प्रतिनिधि कुलदीप चतुर्वेदी द्वारा संयुक्त रूप से प्रदान किया गया। इस अवसर पर डॉ. एम.एम. कुरैशी ने कहा कि इस कॉन्क्लेव का उद्देश्य आयुष क्षेत्र के विशेषज्ञों, शोधकर्ताओं और स्वास्थ्य पेशेवरों को एक साझा मंच प्रदान कर वैश्विक सहयोग और नवाचार को बढ़ावा देना है। डॉ. शमीम शाह ने सम्मान के लिए आभार व्यक्त करते हुए कहा कि यह उपलब्धि उन्हें आयुष चिकित्सा एवं समाज सेवा के क्षेत्र में और अधिक समर्पण के साथ कार्य करने की प्रेरणा देती है।

मालगोदाम से कछपुरा की हवा हुई जहरीली!

जबलपुर। कछपुरा मालगोदाम में सीमेंट और खाद की लोडिंग-अनलोडिंग पर रेलवे द्वारा हाल ही में लगाई गई रोक के बाद विवाद और गहरा गया है। पर्यावरण कार्यकर्ता डॉ. पी.जी. नाजपांडे और रजत भार्गव ने रेलवे बोर्ड तथा मध्यप्रदेश प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड को नोटिस भेजकर आरोप लगाया है कि मालगोदाम में लंबे समय से कंसेंट आदेश के विपरीत गतिविधियां संचालित की जा रही थीं। उनका कहना है कि रेलवे की ताजा कार्रवाई से यह स्पष्ट हो गया है कि पूर्व में की जा रही लोडिंग-अनलोडिंग नियमों के अनुरूप नहीं थी। नोटिस में उल्लेख किया गया है कि 5 अप्रैल 2023 को जारी कंसेंट आदेश के तहत कछपुरा मालगोदाम में केवल खाद्यान्न की लोडिंग-अनलोडिंग की अनुमति दी गई थी। इसके बावजूद यहां सीमेंट, उर्वरक और आयरन ओर जैसे उत्पादों का भी परिवहन किया जाता रहा। इस संबंध में अवैध गतिविधियों पर रोक लगाने की मांग को लेकर नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल में ओए क्रमांक 39/2025 एवं 8/2026 के तहत याचिकाएं भी दायर की गई हैं, जिनकी सुनवाई लंबित है। अधिवक्ता प्रभात यादव के अनुसार बीते तीन वर्षों के दौरान मालगोदाम क्षेत्र में हुई लोडिंग-अनलोडिंग से वायु, ध्वनि और रासायनिक प्रदूषण बढ़ा, जिसका असर संजीवनी नगर, कंचन नगर, पुष्प नगर, गुरुकुंज कॉलोनी, गणेश नगर, श्रीनगर और भूलन बस्ती सहित आसपास के क्षेत्रों के निवासियों पर पड़ा। नोटिस में मांग की गई है कि प्रदूषण से प्रभावित नागरिकों को रेलवे द्वारा 100 करोड़ रुपये की पर्यावरणीय क्षतिपूर्ति प्रदान की जाए। मामले को लेकर अब संबंधित विभागों की प्रतिक्रिया का इंतजार किया जा रहा है।

त्रिदिवसीय संगीत नाटक महोत्सव में 'संन्यस्त खड्ग' का प्रभावशाली मंचन

जबलपुर। दक्षिण मध्य सांस्कृतिक क्षेत्र (केंद्र सरकार), नागपुर तथा महाराष्ट्र समाज द्वारा आयोजित त्रिदिवसीय संगीत नाटक महोत्सव के दूसरे दिन मानस भवन में स्वातंत्र्यवीर विनायक दामोदर सावरकर लिखित मराठी नाटक "संगीत संन्यस्त खड्ग" का मंचन किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन प्रसिद्ध अस्थिरोग विशेषज्ञ डॉ. शिरीष नाईक, श्री दत्त भजन मंडल अध्यक्ष विजय भावे, रसरंग सचिव अभय गोरे, महाराष्ट्र ब्रह्मवृंद समाज अध्यक्ष पं. नीलेश दाभोळकर, बाळबोध शिक्षण मंडळ अध्यक्ष प्रदीप फाटक, वासुदेवराव गुरव, प्रमोद पाठक, नाटक दिग्दर्शक चिन्मय कटके (पुणे), महाराष्ट्र समाज कार्याध्यक्ष एवं माजी महापौर सदानंद गोडबोले द्वारा दीप प्रज्वलन से किया गया। मंच संचालन सुरेश मुंजे ने किया। यह ऐतिहासिक नाटक बुद्धकालीन पृष्ठभूमि पर आधारित है, जिसमें कर्तव्य और संन्यास के द्वंद्व के माध्यम से अहिंसा की सीमा तथा राष्ट्र रक्षा हेतु शस्त्र उठाने की आवश्यकता को दर्शाया गया है। नाटक में यह संदेश प्रस्तुत किया गया कि देश की रक्षा केवल संन्यास से नहीं, बल्कि आवश्यक होने पर शक्ति और पराक्रम से भी होती है। नाटक में बुद्धकालीन घटनाओं के माध्यम से यह दिखाया गया कि अत्यधिक अहिंसा के कारण शाक्य राष्ट्र की सैन्य शक्ति कमजोर पड़ती है और परिणामस्वरूप कोसल एवं मगध जैसे राज्यों के आक्रमण का मार्ग प्रशस्त होता है।

इसी संदर्भ को आधार बनाकर सावरकर ने राष्ट्र रक्षा के लिए सशस्त्र क्रांति की प्रेरणा का विचार प्रस्तुत किया है। संगीत प्रधान इस नाटक में "शत जन्म शोधिताना‌ङ्क" जैसे नाट्यगीतों ने दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। नाटक का निर्देशन चिन्मय कटके ने किया, जबकि संगीत रामचंद्रबुवा वझे का रहा। कलाकारों में अजिंक्य कुलकर्णी, ऐश्वर्या भोळे, घनश्याम वाईकर, राजन कुलकर्णी, विश्वास पांगारकर, कीर्ती कस्तुरे सहित अन्य कलाकारों ने सशक्त अभिनय किया। नेपथ्य विश्वास पांगारकर, नरेंद्र वीर व मधुरा ताम्हनकर, रंगभूषा राकेश घोलप तथा ध्वनि-प्रकाश व्यवस्था सुधीर फडतरे द्वारा संभाली गई। ऑर्गन पर स्वानंद नेने एवं तबले पर अभिजीत जायदे ने संगत दी। अभय जबडे ने सूत्रधार की भूमिका निभाई। इस अवसर पर महाराष्ट्र समाज के सचिव राजेंद्र बर्वे तथा मराठी साहित्य अकादमी के संतोष गोडबोले सहित अनेक गणमान्य उपस्थित रहे।

स्वच्छता और आत्मनिर्भरता की मिसाल बना कठौंदा वेस्ट टू एनर्जी प्लांट

जबलपुर। महापौर जगत बहादुर सिंह अन्नू एवं निगमायुक्त राम प्रकाश अहिरवार के मार्गदर्शन में जबलपुर का कठौंदा स्थित वेस्ट टू एनर्जी प्लांट स्वच्छता और पर्यावरण संरक्षण की एक बड़ी मिसाल बनकर उभर रहा है। यह प्लांट न केवल शहर को कचरे के ढेर से मुक्ति दिला रहा है, बल्कि "कचरे से कंचन" की अवधारणा को भी साकार कर रहा है। वर्तमान में इस प्लांट के माध्यम से प्रतिदिन लगभग 500 से 800 टन कचरे का वैज्ञानिक निष्पादन किया जा रहा है, जिससे 11.5 मेगावाट ग्रीन एनर्जी बिजली का उत्पादन हो रहा है, जिसे विद्युत ग्रिड में सप्लाई किया जा रहा है। इससे पारंपरिक ऊर्जा स्त्रोतों पर निर्भरता कम हो रही है और पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा मिल रहा है। निगमायुक्त राम प्रकाश अहिरवार ने प्लांट की संचालन व्यवस्था की विस्तृत समीक्षा करते हुए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि कचरा कलेक्शन से लेकर प्रोसेसिंग तक की पूरी व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ और सुचारु बनाया जाए, ताकि उत्पादन क्षमता में निरंतरता और दक्षता बनी रहे। उन्होंने विशेष रूप से गीले और सूखे कचरे के बेहतर पृथक्कीकरण पर जोर देते हुए कहा कि इससे बिजली उत्पादन की गुणवत्ता और क्षमता में वृद्धि होगी। साथ ही वर्षा ऋतु को देखते हुए कचरे के सुरक्षित भंडारण और संचालन में अतिरिक्त सावधानी बरतने के निर्देश भी दिए गए। प्लांट के संचालन से शहर में खुले में कचरा डंपिंग की समस्या काफी हद तक समाप्त हो गई है, जिससे आसपास के क्षेत्रों में दुर्गंध और संक्रामक बीमारियों के खतरे में कमी आई है। यह परियोजना जबलपुर को स्वच्छ, स्वस्थ और ऊर्जा आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है।

जिला स्तरीय जूडो प्रतियोगिता का समापन, खेले गए रोचक मुकाबले

आयशा, वैष्णवी, राशिदा, नव्या आशी और अक्षत ने जीता गोल्ड

जबलपुर। जिला स्तरीय जूडो प्रतियोगिता का समापन श्री त्रिभुवनदास मालपाणी स्कूल में हुआ। इस दो दिवसीय प्रतियोगिता में खिलाड़ियों ने मैट पर अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हुए पदक जीतने के लिए जोरदार मुकाबले किए। जिला जूडो संघ के सचिव एवं वरिष्ठ जूडो प्रशिक्षक आबिद हुसैन खान ने बताया कि इस वर्ष ग्रीष्मकालीन शिविर में लागू किए गए 'आरोह-2026' प्रशिक्षण कैलेंडर के सकारात्मक परिणाम प्रतियोगिता में देखने को मिले हैं। प्रतियोगिता के अंतिम दिन सब जूनियर, जूनियर और सीनियर वर्ग के फाइनल मुकाबले बेहद रोमांचक रहे।

जूनियर बालिका वर्ग- बालिका वर्ग के प्रमुख परिणाम सब जूनियर वर्ग में 23 किग्रा भार वर्ग में आयशा फातिमा ने स्वर्ण, इनाया फातिमा ने रजत तथा महिमा कोरी ने कांस्य पदक जीता। 28 किग्रा वर्ग में ईशा गीते स्वर्ण, आरना साहू रजत और राधिका बर्मन कांस्य पदक विजेता रहीं। 32 किग्रा वर्ग में दुर्गेश्वरी झरिया ने स्वर्ण, नाफिया फातिमा ने रजत तथा धानी बर्मन ने कांस्य पदक प्राप्त किया। 40 किग्रा वर्ग में अलीशा सिद्दीकी ने स्वर्ण और अनामिका अहिरवार ने रजत पदक जीता। अन्य 40 किग्रा वर्ग में वैष्णवी शुक्ला स्वर्ण, शिवानी उइके रजत तथा प्रांशी विश्वकर्मा और जिज्ञासा कांस्य पदक विजेता रहीं। 40 किग्रा में अतिथि गुप्ता स्वर्ण, अफशीन फातिमा रजत एवं अनिका चौरसिया कांस्य पदक विजेता रहीं। 44 किग्रा वर्ग में राशिदा बनो स्वर्ण, सुरक्षा रजक रजत तथा पूनम झरिया और उमामा फातिमा कांस्य पदक विजेता रहीं। अन्य 44 किग्रा वर्ग में नव्या अग्रवाल ने स्वर्ण, लावण्या गुप्ता ने रजत तथा समृद्धि सिगोतिया ने कांस्य पदक जीता। 48 किग्रा वर्ग में नेमत स्वर्ण, समायरा रजत एवं खुशबू पटेल कांस्य पदक विजेता रहीं। 57 किग्रा वर्ग में आशी स्वर्ण, आयशा रजत और कीर्ति कांस्य पदक विजेता बनीं। 70 किग्रा वर्ग में सपना चौधरी ने स्वर्ण, सोमिया सिद्दीकी ने रजत तथा स्वीकृति ने कांस्य पदक जीता। 70 किग्रा से अधिक वर्ग में वेदान्तिक ने स्वर्ण और कोशिका ने रजत पदक प्राप्त किया। 25 किग्रा वर्ग में फाइक अंसारी स्वर्ण एवं शिवांश कुशवाहा रजत पदक विजेता रहे। 30 किग्रा वर्ग में अक्षत सोनकर ने स्वर्ण, मोहम्मद शाद ने रजत तथा अहसन अंसारी ने कांस्य पदक जीता। 35 किग्रा मिनी वर्ग में शानिफ मंसूरी स्वर्ण, धैर्य केवट रजत और रुद्रांश प्रताप कांस्य पदक विजेता रहे। इस दौरान श्रद्धा मालपाणी, एस.एन. श्रीवास्तव, अधिवक्ता अभ्युदय सिंह, रोहित पाठक, राजेश, राजकुमार मिश्रा मनीष दुबे एवं जूडो संघ के अध्यक्ष रवि गुप्ता उपस्थित रहे। प्रतियोगिता में निर्णायक की भूमिका एडवोकेट अताउर्रहमान अंसारी, तावेज अली, नौशीन अंजुम एवं ताजवर अंजुम ने निभाई।

धनुष की फिल्म 'ओम' से उठा पर्दा, अक्टूबर में होगी रिलीज

मुंबई। धनुष की जिस तमिल फिल्म 'ओम' का लंबे समय से इंतजार हो रहा था, उसकी रिलीज डेट सामने आ गई है। यह फिल्म 16 अक्टूबर को सिनेमाघरों में दस्तक देगी। राजकुमार पेरियासामी इसे निर्देशित कर रहे हैं। फिल्म का लगभग 60 से 65 प्रतिशत काम पूरा हो चुका है। इसकी कहानी को कई अध्यायों में परत-दर-परत बताया जाएगा। 'ओम' नाम सिर्फ सुनने में ही अच्छा नहीं है, बल्कि यह कहानी से गहराई से जुड़ा है। यह फिल्म असल जिंदगी की घटनाओं से प्रेरणा लेती है। मलयालम के मशहूर अभिनेता मामूटी फिल्म में कार्तिकयन का किरदार निभा रहे हैं। उनका यह किरदार भी असल जिंदगी की घटनाओं से प्रेरित है।

लाइफ Style

किआरा

प्रेग्नेंसी में 'देवी' और बाद में मोटी

बॉलीवुड अभिनेत्री किआरा आडवाणी इन दिनों फिल्म 'टॉक्सिक' से चर्चा में हैं। एक्ट्रेस ने मदरहुड के लेकर अपने अनुभव शेयर किए हैं। उन्होंने बताया कि इस दौरान महिलाओं को कई भावनात्मक और शारीरिक बदलावों से गुजरना पड़ता है।

एजेंसी ⏭ मुंबई

किआरा ने प्रेग्नेंसी के बाद आने वाली चुनौतियों, समाज की अपेक्षाओं और जीवन के प्रति बदले नजरिए पर भी अपने विचार साझा किए। उन्होंने कहा कि मातृत्व ने उनकी सोच और जीवन को नए तरीके से देखने का नजरिया दिया है।

बता दें कि किआरा आडवाणी और सिद्धार्थ मल्होत्रा ने 15 जुलाई, 2025 को अपनी बेटी साराया का स्वागत किया था। एक्ट्रेस ने आगे कहा, 'सबसे दिलचस्प बात यह है कि जब आप गर्भवती होती हैं, तो हर कोई कहता है, 'हे भगवान, आप कितनी खूबसूरत लग रही हैं, ये सब।' और जैसे ही बच्चा पैदा होता है, यह बदल जाता है, 'अभी मोटी लग रही हैं, थोड़ी ये लग रही हैं, थोड़ी वो लग रही हैं।

देवी की तरह समझते हैं : अभिनेत्री ने बताया, 'प्रेग्नेंसी के दौरान, आपको देवी की तरह समझा जाता है और बच्चे के जन्म के तुरंत बाद आपसे उम्मीद की जाती है कि आप पहले जैसी चुस्त-दुरुस्त और अपने जीवन में वापस लौट आएं लेकिन महिला के लिए सबसे मुश्किल समय प्रसव के बाद का होता है। यही वह समय है जब उसे सहारे की जरूरत होती है।

हॉलीवुड मसाला

एनोला होम्स... ओटीटी पर 1 जुलाई को

लॉस एंजिल्स। 'एनोला होम्स' अपने तीसरे सीजन के साथ लौट रही है। यह सीरीज 1 जुलाई, 2026 से सिर्फ नेटफ्लिक्स पर स्ट्रीम होगी। मिली बॉबी ब्राउन एक बार फिर चालाक युवा जासूस की भूमिका में दिखेंगी, जो और भी बड़े रहस्यों को सुलझाती और रोमांचक कारनामों में उलझती नजर आएंगी। इस बार कहानी में मोड़ तब आता है, जब एनोला लॉर्ड ट्यूक्सबरी (लुई पार्ट्रिज) के साथ अपनी शादी की तैयारी कर रही होती है। तभी उसके भाई शरलॉक (हेनरी कैविल) का अपहरण हो जाता है। शरलॉक को बचाने की अपनी कोशिशों में एनोला को एक बड़े राष्ट्रीय षड्यंत्र का पता चलता है।

जेसन मोमोआ ने की विद्युत जामवाल की जमकर तारीफ

लॉस एंजिल्स। जेसन मोमोआ ने अपनी आने वाली फिल्म 'स्ट्रीट फाइटर' के सह-कलाकार विद्युत जामवाल की खूब तारीफ की है। जेसन ने विद्युत को सबसे खूबसूरत दिखने वाले पुरुषों में से एक बताया है। खास बात यह है कि यह फिल्म विद्युत के हॉलीवुड करियर की शुरुआत है। जेसन ने सिर्फ उनकी खूबसूरती ही नहीं सराही, बल्कि उनके मार्शल आर्ट्स के हुनर को भी 'अविश्वसनीय' बताया है। इससे पता चलता है कि सेट पर दोनों कलाकारों के बीच काफी सम्मान है। किताओ सकुराई के निर्देशन में बनी 'स्ट्रीट फाइटर' में विद्युत के साथ नोआ सेंटिनियो, एंड्रयू कोजी और रोमन रेंस भी दिखेंगे। यह फिल्म 16 अक्टूबर, 2026 को दुनियाभर में रिलीज होगी। एक दिलचस्प बात यह है कि इस साल की शुरुआत में लास वेगास में हुए। सिनेमाकॉन में, विद्युत ने अपने सह-कलाकारों के साथ मिलकर ट्रेलर लॉन्च के दौरान गायत्री मंत्र का जाप किया था।

दायरा में पुलिस बनेंगे पृथ्वीराज- करीना

मुंबई। मेघन गुलज़ार ने अपने निर्देशन में बन रही फिल्म 'दायरा' का ऐलान कर दिया है। इस फिल्म में करीना कपूर और मलयालम सुपरस्टार पृथ्वीराज सुकुमारन पहली बार एक साथ नजर आएंगे। सच्ची घटनाओं से प्रेरित इस रोमांचक थ्रिलर की कहानी मेघना, यश केसवानी और सीमा अग्रवाल ने मिलकर लिखी है। निर्माताओं ने फिल्म के सेट से एक बीटीएस वीडियो सोशल मीडिया पर साझा किया है। साथ में इसकी रिलीज तारीख का खुलासा भी कर दिया है। यह 18 सितंबर, 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होने के लिए तैयार है। बीटीएस वीडियो के साथ आई रिलीज तारीख जंगली पिक्चर्स और पेन स्टूडियोज द्वारा निर्मित 'दायरा' में, करीना और पृथ्वीराज पहली बार पुलिस अधिकारी के किरदारों में नज़र आएंगे।

फिल्म बांदर ने जीता ऑस्ट्रेलिया का दिल

मुंबई। बॉबी देओल की थ्रिलर फिल्म 'बांदर', जो 5 जून को रिलीज हुई और फिलहाल सिनेमाघरों में दर्शकों का दिल जीत रही है, इस साल मेलबर्न में नेशनल इंडियन फिल्म फेस्टिवल ऑफ ऑस्ट्रेलिया का समापन करेगी। अनुराग कश्यप निर्देशित इस फिल्म को रिलीज के बाद से ही इसकी अनूठी कहानी और दमदार अभिनय के लिए खूब सराहा जा रहा है। यही वजह है कि नीफा के ऑस्ट्रेलिया भर के बड़े दौरे के लिए इसे समापन फिल्म के तौर पर चुना गया है। इस साल यह फेस्टिवल ऑस्ट्रेलिया के 9 शहरों में आयोजित किया गया, जहां नई और चर्चित फिल्मों के साथ-साथ 'मंथन' जैसी क्लासिक फिल्मों को भी 4के क्वालिटी में पेश किया गया। बॉबी के अलावा, 'बांदर' में सान्या मल्होत्रा और राज बी शेट्टी भी मुख्य भूमिकाओं में हैं।

टीवी मसाला

शिल्पा शिंदे का 'टीवी माफिया' पर फूटा गुस्सा- रास्ते पर सब्जी बेच लूंगी

मुंबई। 'भाभी जी घर पर हैं' के निर्माता पर लगाए गए यौन शोषण के आरोपों को लेकर चर्चा में चल रहीं शिल्पा शिंदे ने अब अभिनेता शहजादा धामी के मामले पर तीखी प्रतिक्रिया दी है। शहजादा के करीब 30 लाख रुपये के बकाया भुगतान न मिलने और शिकायत के बावजूद संबंधित निर्माता पर कोई कार्रवाई न होने की खबरों पर शिल्पा का गुस्सा फूटा है। टीवी 'माफिया' को आड़े हाथों लेते हुए उन्होंने इस पूरे सिस्टम पर गहरा आक्रोश जताया है।

ये टीवी निर्माता माफियागिरी करते हैं : इंस्टाग्राम पर साझा किए गए एक वीडियो में शिल्पा ने कहा, टीवी जगत के निर्माता माफियागिरी करते हैं। टीवी इंडस्ट्री में एक 'व्हाइट कॉलर माफिया' काम कर रहा है। जो निर्माता इस सिस्टम का साथ नहीं देते या सहयोग नहीं करते, उन्हें भी धमकाया जाता है। उन्हें कथित तौर पर ये कहकर डराया जाता है कि अगर भविष्य में उनके साथ कुछ भी गलत हुआ तो कोई उनका साथ नहीं देगा और उनका काम या शो बंद करवा दिया जाएगा।

ढोंग करने वालों पर भड़कीं शिल्पा : शिल्पा ने उन लोगों पर भी तीखा तंज कसा जो कलाकारों के जिंदा रहते तो उनका साथ नहीं देते, लेकिन उनके निधन के बाद शोक मनाने आ जाते हैं। उन्होंने नाराजगी जताते हुए कहा, कलाकारों का साथ कौन देगा? आप किसी के मरने के बाद इंस्टाग्राम पर आकर रो रहे हो। आप लोग वही हो जो मोमबत्ती लेकर मरने के बाद आ जाते हो और बेमतलब की फुटेज खाते हो।

रैपर सेंटी 'बिग बॉस 20' में ले सकते हैं हिस्सा

मुंबई। सलमान खान का रियलिटी शो 'बिग बॉस' एक बार फिर चर्चा में है।

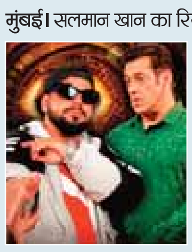

पिछले दिनों कुछ रिपोर्ट्स में कहा गया था कि इसका 20वां सीजन सितंबर, 2026 से दर्शकों के बीच लौट सकता है। इसके बाद से संभावित प्रतियोगियों के नामों पर अटकलें लगनी शुरू हो गई हैं कि घर में कौन-कौन आएगा। सबसे ज्यादा जिस नाम की चर्चा है, वो रैपर सेंटी शर्मा हैं। आइए जानते हैं कि वह कौन हैं, जो सलमान के शो में आ सकते हैं। सेंटी का असली नाम गणेश शर्मा है और वह मध्य प्रदेश के शहर रतलाम के रहने वाले हैं। पेशे से रैपर, गीतकार और गायक हैं, जिन्हें संगीत जगत में उभरने वाले शुरुआती हिप-हॉप कलाकारों में से एक माना जाता है। अपने गानों से उन्होंने सोशल मीडिया पर फैंस की बड़ी तादात बना रखी है। अक्षय कुमार की फिल्म 'हाउसफुल 5' के एंथम ट्रैक में रैपर ने अपनी आवाज देकर बॉलीवुड में डेब्यू किया और व्यापक लोकप्रियता हासिल की।

कौन हैं संस्कृति जयना... जिन्होंने 'कृष्णावतरम' में निभाई सत्यभामा की भूमिका

मुंबई। फिल्म 'कृष्णावतारम पार्ट 1: द हार्ट' में संस्कृति जयना ने भगवान श्रीकृष्ण की पत्नी सत्यभामा की भूमिका अदा की है। इस फिल्म के बाद से वह चर्चा में आ गई हैं। हर कोई उनके बारे में जानना चाह रहा है। आपको बता दें कि उनका गुजरात के पूर्व मुख्यमंत्री से खास नाता है।

संस्कृति की पारिवारिक पृष्ठभूमि : संस्कृति जयना गुजरात की पूर्व मुख्यमंत्री और उत्तर प्रदेश की वर्तमान राज्यपाल आनंदीबेन पटेल की पोती और बिजनेसमैन अनार पटेल की बेटी हैं, जो क्राफ्टरूट्स और ग्रामश्री के साथ अपने काम के लिए जानी जाती हैं। उनके पिता, जयेश पटेल, एक सामाजिक कार्यकर्ता हैं।

फैशन करियर में बनाई पहचान : फिल्म जगत में डेब्यू करने से पहले, संस्कृति ने फैशन मैनेजमेंट और व्यवसाय का

गुजरात के पूर्व सीएम से है खास नाता

अध्ययन किया और लंदन के राडा, ली स्ट्रासबर्ग थिएटर एंड फिल्म स्कूल, न्यूयॉर्क फिल्म अकादमी और लंदन कॉलेज ऑफ फैशन में अभिनय और नृत्य का प्रशिक्षण प्राप्त किया। उन्होंने 16 साल की उम्र में अपना खुद का फैशन ब्रांड शुरू किया। बाद में उन्होंने कंसल्टिंग के क्षेत्र में कदम रखा और जिमी चू और बोटेगा वेनेटा जैसे ब्रांडों के साथ काम किया, साथ ही अपनी मां के सामाजिक उद्यमों, क्राफ्टरूट्स और ग्रामश्री के लिए मार्केटिंग का काम भी संभाला।

सत्यभामा की भूमिका से जीता दिल

कृष्णावतारम भाग 1: हार्ट फिल्म में श्रीकृष्ण की कहानी सत्यभामा के दृष्टिकोण से बताई गई है, जिससे संस्कृति को सहायक भूमिका के बजाय फिल्म के केंद्र में रखा गया है. फिल्म में उनके चरित्र को बहुत ही बखूबी ढंग से दर्शाया गया है। बता दें कि रिलीज से पहले स्पेशल स्क्रीनिंग के बाद उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सत्यभामा के रूप में उनके अभिनय की प्रशंसा की और कहा कि उन्होंने भारतीय संस्कृति और परंपरा की भावना का अच्छी तरह प्रतिनिधित्व किया है।

'वनः फोर्स ऑफ द फॉरेस्ट' की 10 दिन और शूट करेंगे सिद्धार्थ- तमन्ना

मुंबई। सिद्धार्थ मल्होत्रा और तमन्ना भाटिया की मुख्य भूमिका वाली फिल्म 'वनः फोर्स ऑफ द फॉरेस्ट' की शूटिंग अब 10 दिन और चलेगी। टीम ने जब फिल्म का अंतिम कट देखा, तो उन्हें महसूस हुआ कि कुछ खास पलों, खासकर क्लाइमैक्स में और अधिक जान डालने की जरूरत है। उनका मानना है कि ऐसा करने से फिल्म सिनेमाघरों में दर्शकों पर गहरा प्रभाव छोड़ पाएगी। अच्छी बात यह है कि फिल्म अपनी तय रिलीज 28 अगस्त को ही सिनेमाघरों में दस्तक देगी, इसमें कोई बदलाव नहीं किया गया है।

निर्देशक 'वन' की दुनिया को दे रहे हैं नया विस्तार : दीपक कुमार मिश्रा और अरुणभ कुमार के निर्देशन में बनी फिल्म 'वन' पौराणिक कथाओं, रहस्य और जंगल से जुड़ी लोककथाओं का मिश्रण है, जिसे एक थ्रिलर के रूप में पेश किया गया है। फिल्म निर्माता एक ऐसी समृद्ध दुनिया तैयार करना चाहते हैं, जिसमें माहौल से जुड़े बारीक विवरण हों और स्थानीय कहानियों की परंपरा भी झलकती हो। शूटिंग का समय बढ़ाने का यह फैसला दर्शाता है कि वे चाहते हैं कि फिल्म का क्लाइमैक्स दर्शकों के दिलो-दिमाग पर अपनी छाप छोड़े।

ओटीटी पर एंटरटेनमेंट का जबरदस्त डोज, 'दृश्यम 3' से लेकर 'सेव द टाइगर्स 3' तक रिलीज हो रही ये फिल्में...

***मुंबई।** अगर आप इस हफ्ते अपने वीकेंड को मजेदार बनाना चाहते है तो बता दें कि इस बीच ओटीटी प्लेटफॉर्म्स पर आपको एंटरटेनमेंट का जबरदस्त डोज देखने को मिलने वाला है क्योंकि सस्पेंस, एक्शन, कॉमेडी और ड्रामा से भरपूर इस हफ्ते कई नई फिल्में और वेब सीरीज अलग-अलग प्लेटफॉर्म्स पर रिलीज हो रही हैं। कौन-कौन सी है वो फिल्में और वेब सीरीज चलिए है।*

'दृश्यम 3'

इस हफ्ते सबसे ज्यादा चर्चा मलयालम सुपरस्टार मोहनलाल मच वाइटेड फिल्म 'दृश्यम 3' को लेकर है। यह फिल्म 18 जून से प्राइम वीडियो पर स्ट्रीम हो चुकी है। निर्देशक जीतू जोसेफ की इस थ्रिलर में जॉर्जकुट्टी की कहानी को आगे बढ़ाया गया है, जो अपने अतीत के फैसलों और उनके मानसिक प्रभावों से जूझता नजर आता है। फिल्म में मीना, अंसीबा हसन, एस्थर अनिल और आशा शरथ भी अहम भूमिकाओं में दिखाई दे रही हैं।

'अथिराडी'

वहीं मलयालम सिनेमा के फैंस के लिए फिल्म 'अथिराडी' ओटीटी प्लेटफार्म पर रिलीज होने वाली है, जो 19 जून से सोनी लिव पर उपलब्ध हो गई है। यह एक्शन-कॉमेडी ड्रामा कॉलेज लाइफ और यंग जनरेशन के बीच जोश की कहानी को दर्शाती है। बता दें, फिल्म में बेसिल जोसेफ, रिया शिबू और टोविनो थॉमस मुख्य भूमिकाओं में हैं।

'द एजेंसी' सीजन 2'

इसके साथ ही जासूसी और थ्रिलर कंटेंट पसंद करने वालों के लिए 'द एजेंसी' का दूसरा सीजन भी तैयार है। माइकल फासबेंडर और जेफरी राइट जैसे सितारों से सजी यह सीरीज 21 जून से पैरामाउंट+ पर स्ट्रीम होगी। खास बात है कि इसके पहले सीजन को दर्शकों द्वारा काफी पसंद किया था।

'सेव द टाइगर्स'

तेलुगु कॉमेडी-ड्रामा 'सेव द टाइगर्स' का तीसरा सीजन भी 19 जून से जियोहॉटस्टार पर रिलीज हो गई है। पारिवारिक रिश्तों और हास्य से भरपूर यह शो पहले दो सीजन की सफलता के बाद वापसी कर रहा है.

'शुगर' सीजन 2

इसके अलावा रहस्य और सस्पेंस से भरपूर 'शुगर' का भी दूसरा सीजन 19 जून को एप्पल टीवी+ पर रिलीज चुका है। प्राइवेट जासूस जॉन शुगर की कहानी को आगे बढ़ाने वाली इस सीरीज में कॉलिन फैरेल मुख्य भूमिका निभा रहे हैं। कुल मिलाकर ओटीटी प्लेटफॉर्म्स पर हर जेनर के दर्शकों के लिए कुछ न कुछ खास होने वाला है।

समय रैना का धमाका

नेटफ्लिक्स पर हुई 'इंडियाज गॉट लेटेंट 2' की एंट्री; प्रोमो वायरल

मुंबई। कॉमेडियन समय रैना के रियलिटी शो 'इंडियाज गॉट लेटेंट' के फैंस के लिए एक खुशखबरी है। यूट्यूब के बाद अब ये शो अपने सीजन 2 के साथ सीधे दुनिया के सबसे बड़े ओटीटी प्लेटफॉर्म नेटफ्लिक्स पर दस्तक देने के लिए पूरी तरह तैयार है। दूसरे सीजन का पहला प्रोमो रिलीज हो गया है। समय के इस शो ने इंटरनेट पर जबरदस्त सनसनी मचाई थी और अब नेटफ्लिक्स पर इसकी एंट्री के ऐलान ने फैंस का उत्साह दोगुना कर दिया है।

नहीं बदलेगा शो का अंदाज : कॉमेडियन समय रैना ने घोषणा की है कि उनका शो 'इंडिया गॉट लेटेंट' का दूसरा सीजन नेटफ्लिक्स और यूट्यूब, दोनों प्लेटफॉर्म्स पर एक साथ रिलीज होगा। उन्होंने फैंस को भरोसा दिलाया कि शो का कंटेंट पहले की तरह बिना किसी कांट-छांट के बेबाक रहेगा। समय ने शो के प्रोमो में बताया कि नेटफ्लिक्स पर सिर्फ 2 फर्क दिखेंगे। पहला वहां विज्ञापन नहीं होंगे और दूसरा उधर कमेंट सेक्शन मिलेगा, जबकि यूट्यूब पर दर्शकों को पूरा अनुभव पहले की तरह मिलेगा।

क्या स्टार्टअप फंड्स दिला सकते हैं 10 गुणा रिटर्न?

स्टार्टअप फंड्स उच्च जोखिम और संभावित रूप से असाधारण रिटर्न का देने में सक्षम

● अब हाई-रिस्क, हाई-रिवॉर्ड निवेश का बढ़ रहा आकर्षण ● स्टार्टअप निवेश और एसआईपी दो बिल्कुल अलग निवेश श्रेणियां ● एसआईपी स्थिरता और अनुशासित निवेश का माध्यम

निवेश मंत्रा
बिजनेस डेस्क

शेयर बाजार और म्यूचुअल फंड में निवेश करने वाले अधिकांश निवेशकों का लक्ष्य अपनी पूंजी को धीरे-धीरे बढ़ाना होता है। इसके लिए एसआईपी (सिस्टेमैटिक इन्वेस्टमेंट प्लान) लंबे समय से सबसे लोकप्रिय और भरोसेमंद विकल्प माना जाता रहा है, लेकिन हाल के वर्षों में स्टार्टअप्स की सफलता की कहानियों ने निवेशकों का ध्यान एक नए एसेट क्लास की ओर खींचा है। कई लोगों के मन में यह सवाल उठ रहा है कि क्या स्टार्टअप फंड्स या एंजेल इन्वेस्टिंग वास्तव में 10 गुना या उससे अधिक रिटर्न दे सकते हैं? इसका जवाब है—हां, लेकिन इसके साथ जोखिम भी उतना ही बड़ा होता है। स्टार्टअप निवेश और एसआईपी दो बिल्कुल अलग निवेश श्रेणियां हैं। जहां एसआईपी स्थिरता और अनुशासित निवेश का माध्यम है, वहीं स्टार्टअप फंड्स उच्च जोखिम और संभावित रूप से असाधारण रिटर्न का अवसर प्रदान करते हैं।

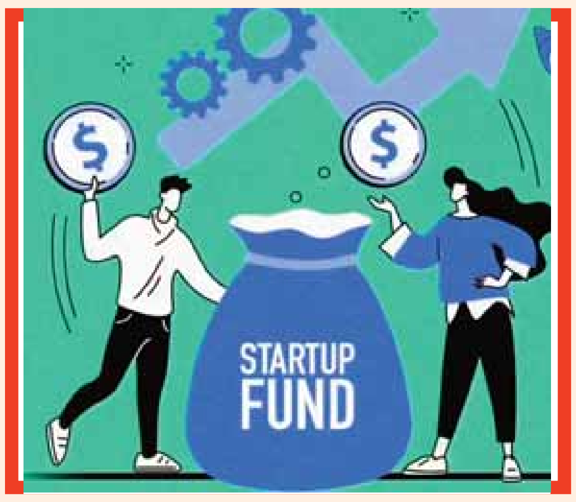

एसआईपी-स्टार्टअप फंड्स में अंतर

- एसआईपी के माध्यम से निवेशक म्यूचुअल फंड में नियमित अंतराल पर छोटी-छोटी राशि निवेश करते हैं। यह पैसा विभिन्न कंपनियों और सेक्टरों में फैला होता है, जिससे जोखिम कम हो जाता है। लंबी अवधि में कंपाउंडिंग का लाभ मिलने से निवेशक अच्छी संपत्ति बना सकते हैं।
- स्टार्टअप फंड्स या एंजेल निवेश में पैसा सीधे उन कंपनियों में लगाया जाता है जो अपने शुरुआती विकास चरण में होती हैं। इन कंपनियों का भविष्य अनिश्चित होता है। यदि बिजनेस मॉडल सफल हो गया तो निवेशकों को कई गुना रिटर्न मिल सकता है, लेकिन यदि स्टार्टअप असफल हुआ तो पूरी पूंजी डूबने का खतरा भी रहता है।

एक्सपोनेंशियल ग्रोथ की ताकत

स्टार्टअप्स की सबसे बड़ी विशेषता उनकी तेज विकास क्षमता होती है। पारंपरिक कंपनियों की तुलना में स्टार्टअप्स नई तकनीक, नए बिजनेस मॉडल और बड़े बाजार अवसरों के कारण बहुत तेजी से बढ़ सकते हैं। यदि किसी निवेशक ने शुरुआती दौर में किसी सफल स्टार्टअप में निवेश किया हो और वह कंपनी बाद में बड़ी बन जाए, तो निवेश की गई राशि कई गुना बढ़ सकती है। दुनिया भर में कई उदाहरण हैं जहां शुरुआती निवेशकों ने 10, 50 और यहां तक कि 100 गुणा तक का रिटर्न हासिल किया है।

तुरंत नहीं मिलता एग्जिट

स्टार्टअप निवेश में धैर्य सबसे महत्वपूर्ण गुण माना जाता है। यहां निवेशक को अपने पैसे पर रिटर्न पाने के लिए कई वर्षों तक इंतजार करना पड़ सकता है। आमतौर पर किसी स्टार्टअप से लाभ कमाने के लिए कंपनी का अधिग्रहण, शेयर बाजार में सूचीबद्ध होना या किसी बड़े निवेशक द्वारा हिस्सेदारी खरीदना आवश्यक होता है। यह प्रक्रिया अक्सर 5 से 10 वर्ष या उससे अधिक समय ले सकती है।

कम लिक्विडिटी

एसआईपी या शेयर बाजार में निवेश को जरूरत पड़ने पर अपेक्षाकृत आसानी से भुनाया जा सकता है, जबकि स्टार्टअप निवेश में ऐसा संभव नहीं होता। इसलिए इस श्रेणी में वही पैसा लगाना चाहिए जिसकी तत्काल आवश्यकता न हो।

निवेश के नए अवसर

पहले स्टार्टअप निवेश केवल बड़े निवेशकों और वेंचर कैपिटल फंड्स तक सीमित था। लेकिन अब भारत में एंजेल नेटवर्क, स्टार्टअप निवेश प्लेटफॉर्म और वैकल्पिक निवेश साधनों के जरिए छोटे निवेशकों के लिए भी अवसर बढ़ रहे हैं। कई प्लेटफॉर्म निवेशकों को चुनिंदा स्टार्टअप्स में भागीदारी का मौका देते हैं।

सीमित समय में बड़ी वैल्यूएशन

जब कोई स्टार्टअप लगातार फंडिंग जुटाता है और उसका कारोबार बढ़ता है, तो उसकी वैल्यूएशन भी तेजी से बढ़ती है। शुरुआती निवेशक कम वैल्यूएशन पर हिस्सेदारी खरीदते हैं, इसलिए कंपनी की कीमत बढ़ने पर उनके निवेश का मूल्य भी कई गुना बढ़ जाता है।

अधिकांश स्टार्टअप्स हो जाते हैं असफल

स्टार्टअप निवेश का सबसे महत्वपूर्ण पहलू यह है कि इसमें असफलता की दर बहुत अधिक होती है। उद्योग विशेषज्ञों के अनुसार, अधिकांश शुरुआती स्टार्टअप्स लंबे समय तक टिक नहीं पाते। कई कंपनियां फंडिंग की कमी, कमजोर बिजनेस मॉडल या प्रतिस्पर्धा के कारण बंद हो जाती हैं। यही कारण है कि अनुभवी निवेशक केवल एक या दो स्टार्टअप्स पर दांव नहीं लगाते, बल्कि कई कंपनियों में निवेश करके जोखिम को फैलाने की कोशिश करते हैं।

पूंजी डूबने की संभावना

म्यूचुअल फंड या सूचीबद्ध शेयरों की तरह स्टार्टअप निवेश में निवेशक को रोजाना बाजार मूल्य देखने या आसानी से पैसा निकालने की सुविधा नहीं मिलती। यदि स्टार्टअप बंद हो जाए तो निवेश की गई पूरी राशि खोने की संभावना रहती है।

रिसर्च सबसे महत्वपूर्ण

स्टार्टअप में निवेश करते समय केवल आकर्षक प्रेजेंटेशन या बड़े दावों से प्रभावित नहीं होना चाहिए। निवेश से पहले फाउंडर्स की क्षमता, बिजनेस मॉडल, कंपनी की आय संभावनाएं, प्रतिस्पर्धा, बाजार का आकार और स्केलेबिलिटी जैसे पहलुओं का गहराई से विश्लेषण करना आवश्यक है।

पोर्टफोलियो का छोटा हिस्सा ही लगाएं

वित्तीय सलाहकार आमतौर पर सुझाव देते हैं कि स्टार्टअप निवेश को कुल पोर्टफोलियो का सीमित हिस्सा ही रखा जाए। अधिकांश निवेशकों के लिए यह अनुपात 5% से 10% के बीच उपयुक्त माना जाता है। मुख्य निवेश, आपातकालीन फंड और रिटायरमेंट की तैयारी जैसी महत्वपूर्ण वित्तीय जरूरतें अभी भी एसआईपी, म्यूचुअल फंड, पीपीएफ और अन्य अपेक्षाकृत स्थिर निवेश साधनों पर आधारित होनी चाहिए।

विविधीकरण बनाए रखें

एक ही स्टार्टअप में बड़ी राशि लगाने की बजाय अलग-अलग क्षेत्रों और कंपनियों में निवेश करना जोखिम कम करने का बेहतर तरीका हो सकता है। इससे किसी एक असफल निवेश का प्रभाव पूरे पोर्टफोलियो पर कम पड़ता है।

डेट फंड्सः टैक्स लाभ खत्म क्या एफडी बेहतर विकल्प?

● **इंडेक्सेशन हटने के बाद निवेशकों के सामने बड़ा सवाल**

जानकारी
बिजनेस डेस्क

एक समय था जब डेट म्यूचुअल फंड्स को फिक्स्ड डिपॉजिट (एफडी) का बेहतर विकल्प माना जाता था। इसकी सबसे बड़ी वजह थी इंडेक्सेशन का टैक्स लाभ, जिससे निवेशकों का वास्तविक टैक्स बोझ काफी कम हो जाता था। लेकिन 2023 में सरकार द्वारा इंडेक्सेशन बेनिफिट हटाने के बाद निवेशकों के सामने नया सवाल खड़ा हो गया है—क्या अब डेट फंड्स की उपयोगिता खत्म हो गई है और एफडी बेहतर विकल्प बन गए हैं? विशेषज्ञों का मानना है कि केवल टैक्स के आधार पर यह फैसला लेना सही नहीं होगा। निवेश का चुनाव करते समय लिक्विडिटी, रिटर्न, कंपाउंडिंग, ब्याज दरों का रुझान, महंगाई और निवेश अवधि जैसे कई अन्य पहलुओं पर भी विचार करना जरूरी है।

टैक्स बराबर, लेकिन दोनों उत्पाद समान नहीं

इंडेक्सेशन हटने के बाद डेट फंड्स से होने वाला लाभ अब निवेशक की आयकर स्लैब के अनुसार टैक्स के दायरे में आता है। यही नियम अधिकांश एफडी निवेशकों पर भी लागू होता है। इसलिए पहली नजर में दोनों उत्पाद टैक्स के मामले में समान दिखाई देते हैं। हालांकि एक महत्वपूर्ण अंतर अब भी मौजूद है। एफडी में अर्जित ब्याज पर हर वर्ष टैक्स देना पड़ता है, चाहे निवेशक पैसा निकाले या नहीं। इसके विपरीत डेट फंड्स में टैक्स तभी लगता है जब निवेशक यूनिट्स को रिडीम करता है। इसका फायदा यह होता है कि पूरा निवेश बिना टैक्स कटौती के लंबे समय तक कंपाउंड होता रहता है।

रिटर्न के मामले में अभी भी प्रतिस्पर्धी हैं डेट फंड्स

इंडेक्सेशन हटने के बावजूद डेट फंड्स ने अपनी प्रतिस्पर्धात्मक स्थिति बरकरार रखी है। पिछले कुछ वर्षों के आंकड़े बताते हैं कि लिक्विड फंड और लो-ड्यूरेशन फंड जैसी श्रेणियों ने कई मामलों में आकर्षक रिटर्न दिए हैं। हालांकि डेट फंड्स का रिटर्न बाजार आधारित होता है और इसमें कुछ उतार-चढ़ाव संभव है, लेकिन उचित अवधि के लिए निवेश करने पर ये एफडी के मुकाबले बेहतर प्रदर्शन भी कर सकते हैं।

जरूरत पड़ने पर आसानी से निकाले जा सकते हैं पैसे

एफडी और डेट फंड्स के बीच सबसे बड़ा अंतर लिक्विडिटी का है। यदि निवेशक एफडी को समय से पहले तोड़ता है तो उसे पेनाल्टी या कम ब्याज दर का सामना करना पड़ सकता है। दूसरी ओर अधिकांश डेट फंड्स में कोई लॉक-इन नहीं होता। निवेशक जरूरत पड़ने पर आसानी से अपना पैसा निकाल सकता है। यही कारण है कि कई वित्तीय विशेषज्ञ डेट फंड्स को अल्प और मध्यम अवधि की वित्तीय जरूरतों के लिए बेहतर विकल्प मानते हैं। कई मामलों में दोनों का संयोजन ही सबसे प्रभावी रणनीति साबित हो सकता है।

गिरती ब्याज दरों में बढ़ सकता है फायदा

एफडी निवेशकों को पहले से तय रिटर्न मिलता है। इसमें बाजार परिस्थितियों का कोई असर नहीं पड़ता।लेकिन डेट फंड्स बॉन्ड और अन्य फिक्स्ड-इनकम सिक्योरिटीज में निवेश करते हैं। जब ब्याज दरें घटती हैं, तो पुराने उच्च ब्याज वाले बॉन्ड की कीमत बढ़ जाती है, जिससे डेट फंड्स को अतिरिक्त लाभ मिल सकता है। यानी यदि भविष्य में ब्याज दरों में कटौती का दौर जारी रहता है, तो डेट फंड्स **FD** की तुलना में बेहतर प्री-टैक्स रिटर्न दे सकते हैं।

एफडी में सुरक्षा, डेट फंड्स में सीमित उतार-चढ़ाव

एफडी का सबसे बड़ा आकर्षण उसकी निश्चितता है। निवेशक को पहले दिन ही पता होता है कि मैच्योरिटी पर कितनी राशि मिलेगी। वहीं डेट फंड्स में नेट एसेट वैल्यू (एनएवी) में हल्का उतार-चढ़ाव संभव है। हालांकि यह उतार-चढ़ाव इक्विटी फंड्स की तुलना में काफी कम होता है। जो निवेशक बाजार आधारित मामूली जोखिम स्वीकार कर सकते हैं, उनके लिए डेट फंड्स अतिरिक्त लाभ का अवसर प्रदान कर सकते हैं।

महंगाई को नजरअंदाज करना नुकसानदायक

कई निवेशक केवल ब्याज दर देखकर एफडी चुन लेते हैं, लेकिन वास्तविक रिटर्न का आकलन महंगाई और टैक्स को घटाने के बाद ही किया जाना चाहिए। यदि कोई निवेश 7% रिटर्न दे रहा है और महंगाई 5% के आसपास है, तो वास्तविक संपत्ति निर्माण सीमित रह सकता है। इसलिए निवेशकों को नाममात्र रिटर्न की बजाय वास्तविक रिटर्न पर ध्यान दें।

एफडी किसके लिए उपयुक्त?

- सेवानिवृत्त निवेशक
- आपातकालीन फंड रखने वाले
- पूंजी सुरक्षा को प्राथमिकता देने वाले निवेशक
- एक से दो साल के निश्चित लक्ष्य वाले निवेशक

डेट फंड्स किसके लिए उपयुक्त?

- 1 से 5 वर्ष की निवेश अवधि वाले
- बेहतर लिक्विडिटी चाहने वाले
- सीमित जोखिम लेकर अतिरिक्त रिटर्न की संभावना तलाशने वाले
- टैक्स-डिफर्ड कंपाउंडिंग का लाभ चाहने वाले निवेशक
- दोनों का संयोजन भी बेहतर
- वित्तीय विशेषज्ञों का मानना है कि एफडी और डेट फंड्स को प्रतिस्पर्धी उत्पाद मानने की बजाय पूरक निवेश साधन के रूप में देखना चाहिए।
- उदाहरण के लिए, आपातकालीन फंड और निकट भविष्य की जरूरतों के लिए एफडी उपयुक्त हो सकती है, जबकि 2 से 5 वर्षों के वित्तीय लक्ष्यों के लिए डेट फंड्स बेहतर लचीलापन और संभावित रूप से बेहतर रिटर्न प्रदान कर सकते हैं।

लार्ज कैप फंड्स पिछड़ रहे हैं क्या अब निकल जाना बेहतर

आंकड़ों के अनुसार, इस वर्ष लार्ज कैप फंड्स का औसत रिटर्न नकारात्मक रहा है, जबकि मिड और स्मॉल कैप श्रेणियों ने सकारात्मक रिटर्न दिया है। इसलिए अब निवेशक इनका रुख कर सकते हैं। हालांकि यह ध्यान रखने योग्य है कि हर साल हर सेगमेंट रिटर्न अलग-अलग रहता है। इसलिए सोच समझकर ही कदम उठाएं

अलर्ट
बिजनेस डेस्क

पिछले कुछ महीनों में मिड कैप और स्मॉल कैप फंड्स ने निवेशकों को बेहतर रिटर्न दिए हैं, जबकि लार्ज कैप फंड्स अपेक्षाकृत कमजोर प्रदर्शन करते नजर आए हैं। यही वजह है कि कई निवेशकों के मन में सवाल उठ रहा है कि क्या अब लार्ज कैप फंड्स से पैसा निकालकर मिड और स्मॉल कैप फंड्स में शिफ्ट कर देना चाहिए? वर्तमान आंकड़ों के अनुसार, इस वर्ष लार्ज कैप फंड्स का औसत रिटर्न नकारात्मक रहा है, जबकि मिड और स्मॉल कैप श्रेणियों ने सकारात्मक रिटर्न दिया है। हालांकि केवल कुछ महीनों के प्रदर्शन के आधार पर निवेश रणनीति बदलना हमेशा सही निर्णय नहीं होता। विशेषज्ञों का मानना है कि लार्ज कैप फंड्स अभी भी किसी भी संतुलित निवेश पोर्टफोलियो की मजबूत नींव बने हुए हैं। हाल के महीनों में विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) ने भारतीय बाजार में बड़े पैमाने पर बिकवाली की है। इसका सबसे ज्यादा असर बैंकिंग, आईटी और ऑयल एंड गैस जैसे सेक्टरों पर पड़ा, जिनका लार्ज कैप इंडेक्स में बड़ा हिस्सा होता है। आईटी सेक्टर पर आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) से जुड़ी अनिश्चितताओं का दबाव रहा, जबकि बैंकिंग और ऊर्जा क्षेत्र वैश्विक भू-राजनीतिक तनाव और महंगाई संबंधी चिंताओं से प्रभावित हुए। इन परिस्थितियों ने लार्ज कैप शेयरों की बढ़त को सीमित कर दिया।

हर दौर का अपना विजेता

निवेश की दुनिया में कोई भी श्रेणी हमेशा नंबर-1 नहीं रहती। कभी लार्ज कैप आगे रहते हैं तो कभी मिड और स्मॉल कैप निवेशकों को बेहतर रिटर्न देते हैं। इतिहास बताता है कि बाजार का नेतृत्व समय-समय पर बदलता रहता है। जब मिड और स्मॉल कैप शेयरों की वैल्यूएशन बहुत अधिक हो जाती है या उनकी कमाई की रफ्तार धीमी पड़ती है, तब निवेशकों का रुझान फिर से लार्ज कैप कंपनियों की ओर बढ़ता है। इसलिए केवल वर्तमान प्रदर्शन देखकर निवेश निर्णय लेना नुकसानदायक साबित हो सकता है।

क्यों अब भी महत्वपूर्ण लार्ज कैप फंड्स?

1. **मजबूत और स्थापित कंपनियों में निवेश**
   लार्ज कैप फंड्स देश की सबसे बड़ी और स्थापित कंपनियों में निवेश करते हैं। इन कंपनियों के पास मजबूत बैलेंस शीट, स्थिर कारोबार और बेहतर कॉरपोरेट गवर्नेंस होती है। बाजार में उतार-चढ़ाव के दौरान ये कंपनियां अपेक्षाकृत बेहतर स्थिरता प्रदान करती हैं।
2. **विदेशी और संस्थागत निवेशकों की पहली पसंद**
   जब बाजार में जोखिम लेने की क्षमता बढ़ती है, तो सबसे पहले बड़े निवेशक लार्ज कैप शेयरों में पैसा लगाते हैं। उनकी बेहतर लिक्विडिटी और मजबूत व्यवसायिक स्थिति उन्हें निवेशकों के लिए आकर्षक बनाती है। यही कारण है कि बाजार में सकारात्मक माहौल बनने पर लार्ज कैप शेयर तेजी से वापसी कर सकते हैं।
3. **कम जोखिम के साथ संतुलित रिटर्न**
   लार्ज कैप कंपनियां पहले से ही बड़े बाजार हिस्से पर कब्जा रखती हैं, इसलिए उनकी वृद्धि दर मिड और स्मॉल कैप कंपनियों की तुलना में धीमी हो सकती है। फिर भी उन्होंने लंबे समय में अपेक्षाकृत कम जोखिम के साथ अच्छा रिटर्न देने का रिकॉर्ड बनाया है। जो निवेशक स्थिर और दीर्घकालिक संपत्ति निर्माण चाहते हैं, उनके लिए यह श्रेणी आज भी महत्वपूर्ण है।

क्या अभी वैल्यूएशन का अवसर बन रहा

सस्ते होते लार्ज कैप शेयर
कई बार लंबे समय तक कमजोर प्रदर्शन किसी निवेश श्रेणी को आकर्षक बना देता है। जब निवेशकों का ध्यान मिड और स्मॉल कैप शेयरों की ओर चला जाता है, तब कई अच्छी लार्ज कैप कंपनियां उचित या कम वैल्यूएशन पर उपलब्ध हो जाती हैं। ऐसी स्थिति भविष्य में बेहतर रिटर्न का आधार बन सकती है। निवेशक जब फिर से सुरक्षित और स्थिर कंपनियों की ओर लौटते हैं, तब लार्ज कैप शेयर अच्छा प्रदर्शन कर सकते हैं।

विविधीकरण और स्थिरता

किसी भी संतुलित इक्विटी पोर्टफोलियो में लार्ज कैप फंड्स की भूमिका सिर्फ हर साल सबसे ज्यादा रिटर्न देना नहीं होती। उनका मुख्य उद्देश्य निवेशकों को बाजार की अग्रणी कंपनियों में भागीदारी, बेहतर लिक्विडिटी और अपेक्षाकृत कम उतार-चढ़ाव प्रदान करना है। यही कारण है कि अधिकांश वित्तीय सलाहकार लार्ज कैप फंड्स को पोर्टफोलियो का ₹कोर₹ हिस्सा मानते हैं।

नए निवेशकों के लिए बेहतर विकल्प

जो निवेशक पहली बार इक्विटी बाजार में प्रवेश कर रहे हैं, उनके लिए लार्ज कैप फंड्स अपेक्षाकृत सुरक्षित शुरुआत माने जाते हैं। इनमें जोखिम कम होने के कारण निवेशक बाजार की प्रकृति को बेहतर ढंग से समझ सकते हैं।

मिड और स्मॉल कैप फंड्स में निवेश किसे करना चाहिए?

मिड और स्मॉल कैप फंड्स में लंबी अवधि में अधिक रिटर्न की संभावना होती है, लेकिन इनके साथ उतार-चढ़ाव भी काफी अधिक होता है। कई बार ये फंड्स कुछ ही महीनों में 20-30 प्रतिशत तक गिर सकते हैं। इसलिए इनमें वही निवेशक अधिक निवेश करें जो लंबी अवधि का निवेश दृष्टिकोण रखते हों। बाजार की बड़ी गिरावट सहन कर सकते हों। उच्च जोखिम लेने के लिए तैयार हों। अपने पोर्टफोलियो में पहले से स्थिर निवेश बनाए हुए हों।

यह भी रखें ध्यान

- लार्ज कैप फंड्स का हालिया कमजोर प्रदर्शन निवेश से बाहर निकलने का पर्याप्त कारण नहीं है। बाजार चक्रों में अलग-अलग समय पर अलग-अलग श्रेणियां बेहतर प्रदर्शन करती हैं। लार्ज कैप फंड्स आज भी स्थिरता, लिक्विडिटी, विविधीकरण और मजबूत कंपनियों में निवेश का अवसर प्रदान करते हैं।
- निवेशकों को हाल के विजेताओं का पीछा करने की बजाय अपनी एसेट एलोकेशन रणनीति पर कायम रहना चाहिए। यदि आपका लक्ष्य लंबी अवधि में संपत्ति निर्माण है, तो लार्ज कैप फंड्स को पूरी तरह छोड़ने की बजाय उन्हें पोर्टफोलियो के मजबूत आधार के रूप में बनाए रखना अधिक समझदारी भरा कदम हो सकता है।

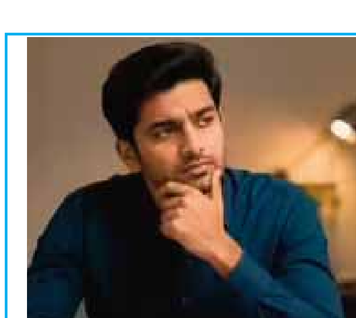

कमाई के साथ सुरक्षा भी, निवेशकों का बदल रहा नजरिया

● पेंशन यूलिप की मांग में 10 गुना उछाल ● केवल वेल्थ क्रिएशन नहीं, अब वेल्थ प्रोटेक्शन भी प्राथमिकता ●

सुझाव
बिजनेस डेस्क

भारतीय निवेशकों की सोच में बड़ा बदलाव देखने को मिल रहा है। पहले जहां अधिकांश लोग केवल अधिक रिटर्न और संपत्ति निर्माण पर ध्यान देते थे, वहीं अब वे अपनी पूंजी की सुरक्षा और भविष्य की आय सुनिश्चित करने पर भी जोर दे रहे हैं। यही कारण है कि रिटायरमेंट-केंद्रित निवेश उत्पादों और गारंटीड रिटर्न योजनाओं की मांग तेजी से बढ़ रही है। हालिया आंकड़े बताते हैं कि निवेशक अब ऐसे विकल्प तलाश रहे हैं जो बाजार आधारित वृद्धि के साथ-साथ वित्तीय सुरक्षा भी प्रदान करें। इस बदलती सोच का सबसे बड़ा लाभ पेंशन यूलिप (यूएलआईपी) और गारंटीड रिटर्न प्लान्स को मिल रहा है।

पेंशन यूलिप की मांग में 10 गुना वृद्धि

बीते वित्त वर्ष की तुलना में पेंशन यूलिप योजनाओं की मांग में लगभग 10 गुना की बढ़ोतरी दर्ज की गई है। यह संकेत है कि लोग अब रिटायरमेंट की तैयारी को गंभीरता से लेने लगे हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि बढ़ती जीवन प्रत्याशा, महंगाई और पारंपरिक पारिवारिक सुरक्षा ढांचे में बदलाव के कारण लोग अपनी वृद्धावस्था की वित्तीय जरूरतों के लिए पहले से योजना बना रहे हैं। पेंशन यूलिप की लोकप्रियता का एक बड़ा कारण यह भी है कि इसमें निवेशकों को बाजार आधारित वृद्धि के साथ दीर्घकालिक रिटायरमेंट फंड बनाने का अवसर मिलता है।

बदल रही है निवेश की परिभाषा

पहले निवेशक अक्सर अधिक रिटर्न और सुरक्षा में से किसी एक को चुनते थे, लेकिन अब वे दोनों का संतुलन चाहते हैं। इसी वजह से कई निवेशक पेंशन यूलिप के साथ ₹वेवर ऑफ प्रीमियम₹ जैसी अतिरिक्त सुविधाएं भी चुन रहे हैं। यह सुविधा किसी अप्रत्याशित स्थिति में भी निवेश योजना को जारी रखने में मदद करती है। वित्तीय विशेषज्ञों के अनुसार आज का निवेशक केवल संपत्ति बनाना नहीं चाहता, बल्कि यह भी सुनिश्चित करना चाहता है कि उसका परिवार और भविष्य वित्तीय रूप से सुरक्षित रहे।

रिटायरमेंट प्लानिंग की बढ़ती जागरूकता

पेंशन यूलिप खरीदने वालों में सबसे बड़ा हिस्सा 45 वर्ष से अधिक आयु वर्ग का है। इस वर्ग की भागीदारी लगभग 40 प्रतिशत है। वहीं 36 से 45 वर्ष आयु वर्ग के निवेशकों की हिस्सेदारी करीब 35 प्रतिशत है। इस प्रकार कुल मिलाकर 36 वर्ष से अधिक आयु के निवेशक पेंशन यूलिप निवेश का लगभग 75 प्रतिशत हिस्सा बना रहे हैं। यह दर्शाता है कि मध्यम आयु वर्ग रिटायरमेंट प्लानिंग को लेकर पहले से अधिक जागरूक हो रहा है।

स्थिरता की ओर बढ़ रहा झुकाव

दिलचस्प बात यह है कि 26 से 35 वर्ष आयु वर्ग के निवेशक गारंटीड रिटर्न प्लान्स को अधिक प्राथमिकता दे रहे हैं। इस आयु वर्ग का इन योजनाओं में लगभग 50 प्रतिशत योगदान है। विशेषज्ञों का मानना है कि नौकरीपेशा युवाओं में वित्तीय अनुशासन और भविष्य की सुरक्षा के प्रति जागरूकता बढ़ रही है। बाजार में उतार-चढ़ाव के दौर में निश्चित आय और पूंजी सुरक्षा वाले उत्पाद उन्हें अधिक भरोसेमंद लग रहे हैं।

हर आय वर्ग के लिए विकल्प

पेंशन यूलिप और गारंटीड रिटर्न प्लान्स की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि इनमें छोटे निवेशक भी आसानी से शुरुआत कर सकते हैं। पेंशन यूलिप में निवेश कुछ हजार रुपये से शुरू होकर लाखों रुपये तक पहुंच सकता है। वहीं गारंटीड रिटर्न प्लान्स में भी कम मासिक प्रीमियम से निवेश शुरू करने की सुविधा उपलब्ध है।

निवेश संस्कृति का विस्तार

पहले निवेश संबंधी जागरूकता मुख्य रूप से महानगरों तक सीमित थी, लेकिन अब टियर-2 और टियर-3 शहरों में भी वित्तीय योजनाओं के प्रति रुचि तेजी से बढ़ रही है। हालांकि मेट्रो शहर अभी भी निवेश में अग्रणी हैं, लेकिन छोटे शहरों की हिस्सेदारी लगातार बढ़ रही है। यह संकेत है कि वित्तीय साक्षरता और डिजिटल निवेश प्लेटफॉर्म्स ने निवेश को देश के हर हिस्से तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

क्या पेंशन यूलिप और गारंटीड प्लान

- पेंशन यूलिप उपयुक्त हो सकते हैं यदिः
- आपका लक्ष्य रिटायरमेंट कॉर्पस बनाना है।
- निवेश अवधि लंबी है।
- आप बाजार आधारित वृद्धि चाहते हैं।
- बीमा और निवेश का संयोजन पसंद करते हैं।

गारंटीड रिटर्न प्लान

- जोखिम लेने की क्षमता सीमित है।
- पूंजी सुरक्षा प्राथमिकता है।
- भविष्य की निश्चित वित्तीय जरूरतों की योजना बना रहे हैं।
- हालांकि गारंटीड रिटर्न योजनाएं सुरक्षा प्रदान करती हैं, लेकिन निवेशकों को वास्तविक रिटर्न का मूल्यांकन महंगाई को ध्यान में रखकर करना चाहिए। इसी तरह यूलिप में निवेश से पहले शुल्क, लॉक-इन अवधि, फंड विकल्प और दीर्घकालिक रिटर्न की संभावनाओं को समझना जरूरी है।

देश की राजनीति में उठापटक का दौर जारी है। आज के राजनीतिक परिदृश्य में 'दलबदल' एक ऐसा संक्रामक रोग बन चुका है, जिसने लोकतांत्रिक नैतिकता को हाशिए पर धकेल दिया है। विचारधारा, जो कभी राजनीति का दिशा-सूचक यंत्र हुआ करती थी, अब एक ऐसा आवरण बन गई है जिसे सत्ता की सुविधानुसार कभी भी ओढ़ा और उतारा जा सकता है। 'आया राम, गया राम' की संस्कृति से शुरू हुआ यह सफर आज थोक में दलबदल करने के आधुनिक 'रिसॉर्ट पॉलिटिक्स' तक पहुंच चुका है। दल-बदल विरोधी कानून (एंटी-डिफेक्शन लॉ), जो इसी बुराई को रोकने के लिए लाया गया था, आज के चतुर राजनेताओं ने उसकी भी कानूनी काट ढूंढ़ ली है। यह स्थिति बेहद निराश करने वाली है। इसके सभी प्रावधानों पर पुनर्विचार की भी जरूरत है और कुछ कठोर व अलोकप्रिय निर्णय की भी शिद्दत से दरकार है। आम जनता दलबदलू नेताओं को मतदान के माध्यम से यह कड़ा अहसास करा देगी कि वैचारिक निष्ठा से किया गया कोई भी समझौता उनके राजनीतिक अस्तित्व को समाप्त कर सकता है, केवल तभी इस अनैतिक खेल पर स्थायी विराम लगेगा। अब ज्वलंत प्रश्न यह है कि इस दोहरी धारणा और अवसरवाद का यह नंगा खेल आखिर कब तक चलेगा? ***इन्हीं हालातों की पड़ताल करता आजकल का यह खास अंक...***

दलबदल कानून पर पुनर्विचार की दरकार

विश्लेषण
डॉ. चन्द्र त्रिखा
वरिष्ठ स्तंभकार

भारतीय राजनीति के इतिहास में 1960 और 70 के दशक को राजनीतिक अस्थिरता और अवसरवादिता के एक बेहद चिंताजनक दौर के रूप में याद किया जाता है। इसी राजनीतिक अनैतिकता पर अंकुश लगाने और चुनी हुई सरकारों को स्थिरता प्रदान करने के महान उद्देश्य से वर्ष 1985 में संविधान के 92वें संशोधन के माध्यम से दसवीं अनुसूची जोड़ी गई, जिसे आम बोलचाल में 'दलबदल विरोधी कानून' कहा जाता है। इसका मुख्य लक्ष्य विधायकों और सांसदों को व्यक्तिगत लाभ या मंत्री पद के लालच में अपनी पार्टी बदलने से रोकना था। अगर हम पिछले कुछ वर्षों के राजनीतिक घटनाक्रमों और सत्ता परिवर्तन के खेल पर गहराई से नज़र डालें, तो यह स्पष्ट हो जाता है कि हमारे चतुर राजनेताओं ने इस कानून की अचूक काट खोज ली है।

वैसे नैतिकता की चर्चा अब किसी भी क्षेत्र में बेमानी और अप्रासंगिक है, लेकिन हाल ही की राजनीतिक उठापटक बेहद निराश करती है। इसके सभी प्रावधानों पर पुनर्विचार की भी जरूरत है और कुछ कठोर व अलोकप्रिय निर्णय भी दरकार हैं। भारतीय राजनीति के इतिहास में उन्नीस सौ साठ और सत्तर के दशक को राजनीतिक अस्थिरता और अवसरवादिता के एक बेहद चिंताजनक दौर के रूप में याद किया जाता है। इसी राजनीतिक अनैतिकता पर अंकुश लगाने और चुनी हुई सरकारों को स्थिरता प्रदान करने के महान उद्देश्य से वर्ष उन्नीस सौ पच्चासी में संविधान के बावनवें संशोधन के माध्यम से दसवीं अनुसूची जोड़ी गई, जिसे आम बोलचाल में 'दलबदल विरोधी कानून' कहा जाता है। इसका मुख्य लक्ष्य विधायकों और सांसदों को व्यक्तिगत लाभ या मंत्री पद के लालच में अपनी पार्टी बदलने से रोकना था। अगर हम पिछले कुछ वर्षों के राजनीतिक घटनाक्रमों और सत्ता परिवर्तन के खेल पर गहराई से नज़र डालें, तो यह स्पष्ट हो जाता है कि हमारे चतुर राजनेताओं ने इस कानून की अचूक काट खोज ली है।

यह कानून मूल रूप से 'फुटकर' यानी एक या दो विधायकों के दलबदल को तो सख्ती से रोकता है, लेकिन 'थोक' दलबदल को एक तरह से कानूनी और संवैधानिक मान्यता दे देता है। कानून के वर्तमान प्रावधानों के अनुसार, यदि किसी राजनीतिक दल के दो-तिहाई सदस्य एक साथ टूटकर किसी अन्य दल में विलय करते हैं, तो उन पर दलबदल विरोधी कानून का चाबुक नहीं चलता। इसी 'विलय' के प्रावधान का अनुचित फायदा उठाकर कई राज्यों में रातों-रात पूरे के पूरे विधायक दल दूसरी पार्टी में शामिल हो गए और यह सख्त दिखने वाला कानून महज एक मूकदर्शक बना रहा।

विस सदस्यता से इस्तीफा

हाल के वर्षों में भारतीय राजनीति में एक नया और अधिक चिंताजनक 'मॉडल' सामने आया है, जिसे 'इस्तीफा और पुनः चुनाव' का मॉडल कहा जा सकता है। इस राजनीतिक चाल के तहत सत्ता पक्ष के असंतुष्ट विधायक दलबदल करने के बजाय सीधे अपनी विधानसभा सदस्यता से ही इस्तीफा दे देते हैं। इससे सदन में बहुमत का जादुई आंकड़ा गिर जाता है और सत्तारूढ़ सरकार अल्पमत में आकर भरभरा कर गिर जाती है। इसके तुरंत बाद ये बागी विधायक दूसरी पार्टी के टिकट पर शान से उपचुनाव लड़कर वापस आ जाते हैं और अक्सर नई सरकार में महत्वपूर्ण मंत्री पद भी प्राप्त कर लेते हैं। हालिया राजनीतिक घटनाक्रम इस बात के ज्वलंत उदाहरण हैं कि कैसे इस कानून की मूल भावना और लोकतांत्रिक मर्यादाओं की खुलेआम धज्जियां उड़ाई गई हैं।

खास बातें

- **अयोग्यता का निर्णय लेने का अधिकार विधानसभा या लोकसभा अध्यक्ष से वापस लिया जाए क्योंकि उनका पद राजनीतिक दबावों से मुक्त नहीं होता।**
- **यह अधिकार चुनाव आयोग की बाध्यकारी सलाह पर सीधे राष्ट्रपति या राज्यपाल को दिया जाए, या 'दलबदल निरोधी न्यायाधिकरण' गठित हो**

विस या लोस अध्यक्ष की भूमिका

इस कानून को कमजोर, निष्प्रभावी और काफी हद तक अप्रासंगिक बनाने में एक बहुत बड़ा और विवादास्पद योगदान विधानसभा या लोकसभा अध्यक्ष की भूमिका का भी रहा है। दलबदल कानून के तहत किसी भी सदस्य को अयोग्य घोषित करने का अंतिम और एकाधिकार पीठासीन अधिकारी यानी अध्यक्ष के पास सुरक्षित होता है। हमारी विधायिकाएं जो कि स्वतंत्र बहस, वैचारिक विमर्श और जन-आकांक्षाओं के जीवंत मंच होनी चाहिए थीं, वे अब केवल राजनीतिक दलों के संख्याबल का मूक प्रदर्शन करने की जगह बनकर रह गई हैं। इन तमाम गंभीर खामियों और दुरुपयोग के मामलों को देखते हुए यह कहना जल्दबाजी नहीं होगी कि यह कानून अपने वर्तमान स्वरूप में काफी हद तक अपर्याप्त और अक्षम साबित हो रहा है।

आया राम-गया राम

क्या इन कमियों के आधार पर इसे पूरी तरह से अप्रासंगिक मानकर रद्दी की टोकरी में डाल देना चाहिए? इसका उत्तर है-बिल्कुल नहीं। दलबदल कानून ने व्यक्तिगत स्तर पर होने वाली सौदेबाजी और 'आया राम-गया राम' की उस पुरानी, निर्लज्ज संस्कृति पर जरूर एक मजबूत लगाम लगाई है। यदि यह कानून बिल्कुल न हो, तो शायद हर दिन सरकारें गिरेंगी और बनेंगी, जिसका सीधा खामियाजा आम जनता को भुगतना पड़ेगा। दलबदल विरोधी कानून पर निश्चित रूप से एक समग्र और गंभीर पुनर्विचार की तत्काल आवश्यकता है, जिसके तहत कुछ बुनियादी और कड़े सुधार किए जाने चाहिए। सबसे पहला कदम यह होना चाहिए कि अयोग्यता का निर्णय लेने का अधिकार विधानसभा या लोकसभा अध्यक्ष से वापस ले लिया जाए, क्योंकि उनका पद अक्सर राजनीतिक दबावों से मुक्त नहीं होता। इसके बजाय, यह अधिकार चुनाव आयोग की बाध्यकारी सलाह पर सीधे राष्ट्रपति या राज्यपाल को दिया जाना चाहिए, या फिर इसके लिए एक स्वतंत्र और स्वायत्त 'दलबदल निरोधी न्यायाधिकरण' का गठन किया जाना चाहिए, जो अधिकतम तीन महीने के भीतर अपना अंतिम फैसला सुनाए।

कानून की कमियों को दूर करें

इस्तीफे के खेल को रोकने के लिए यह कड़ा प्रावधान होना चाहिए कि यदि कोई विधायक या सांसद दलबदल के इरादे से अपनी सदस्यता से इस्तीफा देता है या अयोग्य घोषित होता है, तो उस पर उस सदन के शेष कार्यकाल तक कोई भी चुनाव लड़ने और किसी भी सार्वजनिक या लाभ के पद को धारण करने पर सख्त और पूर्ण प्रतिबंध होना चाहिए। इसलिए अब वह समय आ गया है कि हमारी संसद, चुनाव आयोग और न्यायपालिका एकजुट होकर इस कानून की तमाम कमियों को दूर करें।

कांग्रेस पर भरोसा नहीं कर पा रहे क्षेत्रीय दल

असमंजस
डॉ. पवन कुमार शर्मा
वरिष्ठ पत्रकार

वर्तमान भारतीय राजनीति एक अत्यंत दिलचस्प और जटिल दौर से गुजर रही है। एक तरफ जहां केंद्र में बीजेपी का मजबूत और आक्रामक नेतृत्व है, वहीं दूसरी तरफ विपक्ष एकजुट होकर अपनी जमीन बचाने के संघर्ष में है। इस परिदृश्य में दो अहम सवाल राजनीति की समझ रखने वाले हर व्यक्ति को मथते हैं- पहला, क्या क्षेत्रीय दलों को 'दलबदल' या अपनी सरकारें गिरने के डर से बचने के लिए देश की सबसे पुरानी पार्टी कांग्रेस के साथ चले जाना चाहिए? दूसरा, तमाम मजबूत क्षेत्रीय क्षत्रप कांग्रेस के साथ पूरी तरह हाथ मिलाने से हिचकते क्यों हैं? इस कशमकश को एम. के. स्टालिन, नीतीश कुमार, अरविंद केजरीवाल और ममता बनर्जी के राजनीतिक दृष्टिकोण और उनके राज्यों के परिपेक्ष्य में बेहद बारीकी से समझा जा सकता है।

तमिलनाडु के मुख्यमंत्री और द्रमुक प्रमुख एम. के. स्टालिन का कांग्रेस के साथ रिश्ता वर्तमान राजनीति में सबसे सहज और स्थिर माना जाता है। इसका स्पष्ट कारण है कि तमिलनाडु की राजनीति में कांग्रेस बहुत पहले अपनी मुख्य भूमिका खो चुकी है। वहां सीधा मुकाबला द्रमुक और अन्नाद्रमुक के बीच रहता है। चूंकि कांग्रेस वहां द्रमुक के लिए कोई संगठनात्मक खतरा नहीं है, इसलिए स्टालिन को कांग्रेस को सीटें देने या उनके साथ मंच साझा करने में कोई हिचक नहीं होती। वहां के विधायकों में वैचारिक रूप से दलबदल कराना बेहद कठिन है। स्टालिन के लिए कांग्रेस के साथ जाना दलबदल से बचने की मजबूरी नहीं बल्कि राष्ट्रीय स्तर पर भाजपा विरोधी मोर्चे को मजबूत करने की एक सोची-समझी रणनीति है। बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री और जदयू नेता नीतीश कुमार भारतीय राजनीति में 'दलबदल' और 'पलटीमार' राजनीति के सबसे बड़े प्रतीक माने जाते हैं। नीतीश की सबसे बड़ी दुविधा यह है कि बिहार में कांग्रेस का पारंपरिक सहयोगी राष्ट्रीय जनता दल है। जब भी नीतीश कांग्रेस या 'इंडिया' गठबंधन के करीब जाते हैं तो बिहार में तेजस्वी यादव का कद बढ़ने लगता है जो नीतीश की पार्टी के राजनीतिक वजूद के लिए सीधा खतरा है। नीतीश ने खुद को बचाने के लिए कभी कांग्रेस तो कभी भाजपा का सहारा लिया। वर्तमान परिपेक्ष्य में, नीतीश को यह भली-भांति पता है कि कांग्रेस के साथ जाने से उनके विधायकों को दलबदल से सुरक्षा की कोई गारंटी नहीं मिलती क्योंकि कांग्रेस खुद कई राज्यों में अपने विधायक बचाने में नाकाम रही है। इसलिए वे दलबदल से बचने के लिए वैचारिक स्थिरता के बजाय सत्ता के संतुलन यानी कभी इधर, कभी उधर का फॉर्मूला अपनाते हैं। आम आदमी पार्टी के संयोजक अरविंद केजरीवाल की राजनीति का उदय ही कांग्रेस के विरोध और भ्रष्टाचार विरोधी आंदोलन की कोख से हुआ था। दिल्ली और पंजाब जैसे राज्यों में आम आदमी पार्टी ने कांग्रेस को पूरी तरह मटियामेट करके अपनी सत्ता बनाई। अगर केजरीवाल राष्ट्रीय स्तर पर कांग्रेस के साथ बहुत गहरे जुड़ते हैं तो राज्यों में उनके कार्यकर्ताओं के सामने वैचारिक संकट खड़ा हो जाएगा कि जिस कांग्रेस को हराकर वे सत्ता में आए, उसी के साथ गठबंधन कैसे करें? कांग्रेस खुद दिल्ली और पंजाब में 'आप' की जमीन वापस छीनने की ताक में रहती है। इसलिए केजरीवाल मजबूरी में लोकसभा चुनाव जैसे बड़े मंचों पर तो कांग्रेस के साथ दिखते हैं, लेकिन राज्यों के स्तर पर अपनी दूरी बनाए रखते हैं। पश्चिम बंगाल की पूर्व मुख्यमंत्री और तृणमूल कांग्रेस सुप्रीमो ममता बनर्जी कांग्रेस से हिचक का सबसे मुखर चेहरा हैं। उनका मानना है कि पश्चिम बंगाल में भाजपा को हराने की ताकत सिर्फ टीएमसी के पास है। वहां कांग्रेस और लेफ्ट मिलकर टीएमसी के खिलाफ लड़ते हैं। ममता किसी भी कीमत पर बंगाल की राजनीति में कांग्रेस को 'स्पेस' देकर दोबारा जीवित नहीं करना चाहतीं। ममता बनर्जी ने बंगाल में दलबदल विरोधी कानून और अपने कड़े प्रशासनिक नियंत्रण के दम पर पार्टी को लंबे समय तक संभाले रखा।

भारतीय राजनीति के वर्तमान दौर में कांग्रेस खुद दलबदल और सांगठनिक कमजोरी की शिकार रही है। ऐसे में कोई भी क्षेत्रीय दल अपनी आंतरिक बगावत या बाहरी दबाव जैसे केंद्रीय जांच एजेंसियों के डर से बचने के लिए कांग्रेस को सुरक्षा कवच नहीं मान सकता।

टीएमसी में टूट और बिखराव के बावजूद ममता बनर्जी को डर है कि कांग्रेस के साथ आने से राज्य में अल्पसंख्यक वोटों का बंटवारा हो सकता है जिससे बीजेपी को सीधा फायदा होगा। क्षेत्रीय दलों की कांग्रेस से हिचक के तीन मुख्य कारण हैं। अधिकांश क्षेत्रीय दलों का जन्म कांग्रेस के कमजोर होने के बाद हुआ है जैसे टीएमसी और आप। अगर ये दल कांग्रेस को अपने राज्य में दोबारा पैर पसारने का मौका देंगे तो इनका खुद का जनाधार खतरे में पड़ जाएगा। दूसरा, क्षेत्रीय दलों को लगता है कि कांग्रेस सीधे मुकाबले वाले राज्यों मध्य प्रदेश, राजस्थान, छत्तीसगढ़ में बीजेपी को उस मजबूती से नहीं हरा पाती जितने प्रभावी ढंग से क्षेत्रीय दल अपने राज्यों में भाजपा को रोक लेते हैं। तीसरा, क्षेत्रीय क्षत्रप अपने राज्यों के 'किंग' हैं। वे कांग्रेस के केंद्रीय नेतृत्व के तहत 'जूनियर पार्टनर' बनकर काम करने में असहज महसूस करते हैं। भारतीय राजनीति के वर्तमान दौर में कांग्रेस खुद दलबदल और सांगठनिक कमजोरी की शिकार रही है। ऐसे में कोई भी क्षेत्रीय दल अपनी आंतरिक बगावत या बाहरी दबाव जैसे केंद्रीय जांच एजेंसियों के डर से बचने के लिए कांग्रेस को सुरक्षा कवच नहीं मान सकता। क्षेत्रीय दलों के पास दलबदल से बचने का एकमात्र तरीका अपनी सांगठनिक एकजुटता, मजबूत स्थानीय कैडर और जनता के बीच अपनी पैठ बनाए रखना ही है।

अब जरूरत के मुताबिक बदल रही विचारधारा

सियासत
डॉ. विजेंद्र कुमार
वरिष्ठ स्तंभकार

लोकतंत्र की मूल आत्मा उस विश्वास में बसती है, जो एक मतदाता अपने प्रतिनिधि को चुनते समय मतपेटी में डालता है। यह केवल एक वोट नहीं होता, बल्कि एक वैचारिक सहमति, भविष्य की उम्मीद और एक सामाजिक अनुबंध होता है, लेकिन समकालीन राजनीति के पटल पर जब हम दृष्टि डालते हैं, तो यह पवित्र अनुबंध एक बाजारू सौदे में तब्दील होता नजर आता है। आज के राजनीतिक परिदृश्य में 'दलबदल' एक ऐसा संक्रामक रोग बन चुका है, जिसने लोकतांत्रिक नैतिकता को हाशिए पर धकेल दिया है।

विचारधारा, जो कभी राजनीति का दिशा-सूचक यंत्र हुआ करती थी, अब एक ऐसा आवरण बन गई है जिसे सत्ता की सुविधानुसार कभी भी ओढ़ा और उतारा जा सकता है। जब दलबदल की इस प्रवृत्ति के साथ 'लालच' का घातक कॉकटेल मिल जाता है, तो जनमत का सीधा-सीधा अपहरण होता है। ऐसे में यह सवाल पूरी शिद्दत के साथ उठता है कि आखिर नैतिकता के बिना राजनीति का स्वरूप क्या रह जाता है और लोक-कल्याण का दावा करने वाले दल अपने ही बुने हुए पाखंड के जाल में कब तक सुरक्षित रह सकते हैं? दलबदल की इस पूरी प्रक्रिया के केंद्र में यदि कोई एक तत्व निर्विवाद रूप से स्थापित है तो वह है लालच। यह लालच केवल धन का नहीं है; यह सत्ता के गलियारों में बने रहने का लालच है, मंत्री पद की लालसा है और कई बार अपनी पुरानी गलतियों या भ्रष्टाचार के मामलों पर पर्दा डालने के लिए 'सुरक्षित पनाहगाह' खोजने की विवशता भरा स्वार्थ है। जब कोई जन-प्रतिनिधि अपने दल को छोड़कर किसी अन्य दल का दामन थामता है, तो उसके पीछे कोई वैचारिक हृदय परिवर्तन या जनता की सेवा करने का कोई नया महान उद्देश्य कतई नहीं होता। इसके पीछे सिर्फ और सिर्फ व्यक्तिगत लाभ का गणित काम कर रहा होता है।

इसे हम राजनीतिक भ्रष्टाचार का सबसे परिष्कृत और 'कानूनी' रूप कह सकते हैं, जहां प्रतिनिधि स्वयं को एक उत्पाद के रूप में सत्ता के बाज़ार में नीलाम कर देता है। इस समूचे घटनाक्रम में सबसे अधिक हास्यास्पद और विडंबनापूर्ण स्थिति राजनीतिक दलों के उस दोहरे मापदंड की है, जिसे हम 'मेरा दलबदल ठीक और तुम्हारा दलबदल गलत' के रूप में देखते हैं। जब किसी पार्टी के विधायक या सांसद टूटकर किसी अन्य दल में जाते हैं, तो वह पार्टी इसे 'लोकतंत्र की हत्या', 'जनादेश का अपमान' और 'धनबल का नंगा नाच' करार देती है।

उनके नेता टीवी चैनलों पर बैठकर नैतिकता की लंबी-लंबी दुहाई देते हैं और इसे एक अक्षम्य राजनीतिक अपराध बताते हैं। लेकिन जब वही पार्टी किसी दूसरे दल के असंतुष्ट विधायकों को अपने पाले में खींचती है, तो उनकी शब्दावली रातों-रात बदल जाती है। मानों उस राजनीतिक दल का कार्यालय कोई पवित्र स्नानघर हो, जहां प्रवेश करते ही सारे राजनीतिक और नैतिक पाप धुल जाते हों और व्यक्ति एक नए बेदाग अवतार में जन्म ले लेता हो।

जब कोई जन-प्रतिनिधि अपने दल को छोड़कर किसी अन्य दल का दामन थामता है, तो उसके पीछे कोई वैचारिक हृदय परिवर्तन या जनता की सेवा करने का कोई नया महान उद्देश्य कतई नहीं होता। इसके पीछे सिर्फ और सिर्फ व्यक्तिगत लाभ का गणित काम कर रहा होता है।

'आया राम, गया राम' की संस्कृति से शुरू हुआ यह सफर आज थोक में दलबदल करने के आधुनिक 'रिसॉर्ट पॉलिटिक्स' तक पहुंच चुका है। दल-बदल विरोधी कानून (एंटी-डिफेक्शन लॉ) जो इसी बुराई को रोकने के लिए लाया गया था, आज के चतुर राजनेताओं ने उसकी भी कानूनी काट ढूँढ ली है। अब ज्वलंत प्रश्न यह है कि यह दोहरी धारणा और अवसरवाद का यह नंगा खेल आखिर कब तक चलेगा?

इस प्रश्न का उत्तर सीधे तौर पर जन-चेतना और नागरिक उत्तरदायित्व में छिपा है। जब तक दलबदल करने वाले नेताओं को उनके पाले बदलने के बाद होने वाले उप-चुनावों में जनता द्वारा फिर से चुनकर सदन में भेजा जाता रहेगा, तब तक उनका दुस्साहस और सत्ता का यह लालच फलता-फूलता रहेगा। जब 'मेरा दलबदल ठीक और तुम्हारा गलत' की इस खोखली और पाखंडी दलील को आम जनता पूरी तरह से खारिज कर देगी और दलबदलू नेताओं को मतदान के माध्यम से यह कड़ा अहसास करा देगी कि वैचारिक निष्ठा से किया गया कोई भी समझौता उनके राजनीतिक अस्तित्व को समाप्त कर सकता है, केवल तभी इस अनैतिक खेल पर स्थायी विराम लगेगा।

बदलाव की वास्तविक शुरुआत इसी चेतना से होगी कि गलत हमेशा गलत होता है, चाहे वह सत्ता पक्ष द्वारा किया गया हो या विपक्ष द्वारा, 'मेरे' द्वारा किया गया हो या 'तुम्हारे' द्वारा।

विपक्ष की निष्क्रियता से एनडीए मुखर

मंथन
चरणजीत चरण
स्वतंत्र पत्रकार

बारह वर्षों के शासन के बावजूद आज एनडीए भारतीय राजनीति में जिस तरह से मुखर और आक्रामक रहता है वह दुनिया के तमाम राजनीतिक पंडितों के लिए शोध का विषय है। किसी भी राजनीतिक दल के लिए एक चुनाव के बाद पांच साल बाद दूसरे चुनाव में जाना बहुत ही चूनौतीपूर्ण कार्य होता है। पूरे न किए गए वादों का दबाव इतना अधिक होता है कि अधिकतर राजनीतिक दल इस दलदल में धंस जाते हैं। बावजूद इसके तमाम विरोधों के होते हुए एनडीए के नेताओं के चेहरे पर कोई शिकन नज़र नहीं आती है। वे हर नए चुनाव में पहले से अधिक ऊर्जा के साथ जाते है और चुनाव जीतते हैं।

इस सारे विचार का मंथन अगर खुले मन से किया जाए तो बहुत से ऐसे बिंदु हैं जो एनडीए को साल दर साल मज़बूत बनाते हैं। विपक्ष के पास किसी निश्चित विचारधारा का न होना विपक्षी दलों की सबसे बड़ी कमजोरी है। जाति, धर्म, राष्ट्र, विदेश नीति, युद्ध नीति, पड़ोसी देशों से सम्बन्ध आदि मुद्दों पर विपक्ष हमेशा बंटा हुआ रहता है। इसी का फायदा एनडीए उठाता है, जैसे हिन्दू धर्म के मुद्दे पर विपक्ष का रुख हमेशा खामोश हो जाने का रहता है। जबकि एनडीए के सभी दल अपने सभी विवादों को भूलकर एक लाइन पर रहते हैं। राम मंदिर जैसे बहुसंख्यक समाज के मुद्दे पर एनडीए के सभी दल खुलकर हिंदू मत के साथ रहते हैं। विपक्ष के लोगों की मत भिन्नता पूरे देश ने महसूस की है। एक समय तक एनडीए के प्रमुख घटक के रूप में रही शिव सेना जहां राम मंदिर के समर्थन में रही, वहीं बाकी दल इसके विरोध में खड़े नजर आए। राहुल गांधी द्वारा सावरकर को माफ़ीवीर कहने पर सावरकर की प्रचंड समर्थक शिव सेना कभी खुलकर इसका विरोध नहीं करती। परिणाम स्वरूप आज शिव सेना पूर्णतया खत्म होने के कगार पर है। सनातन को डेंगू मलेरिया कहने वाले डीएमके के नेता जब बाकी विपक्षी दलों के साथ मंच साझा करते हैं तो एनडीए को ये कहने का मौका मिलता है कि ये सब हिन्दू धर्म विरोधी हैं और पूरा एनडीए इस विचार को देश की जनता के बीच ले जाने में सफल रहता है, जिसका परिणाम चुनाव में देखने को मिलता है। अपने बारह वर्षों के शासनकाल में मोदी कभी थके हुए, हारे हुए या अपनी नीतियों को लेकर अस्पष्ट नज़र नहीं आए। बात चाहे देश की हो या विदेश की, उन्होंने हर जगह अपनी बात पूरी दृढ़ता के साथ रखी, जबकि विपक्ष के सभी नेता बार-बार अपने बयानों से पीछे हटते या बयानों को बदलते नज़र आते हैं। उनके एजेंडे में किसी एक मूल विचार धारा का न होना भी विपक्ष के भटकाव का मुख्य कारण है। वहीं, एनडीए अपने राष्ट्रवाद और हिंदू धर्म के मुद्दे पर हमेशा अडिग रहा है। राष्ट्रवाद और हिंदू एकता, सीमाओं की सुरक्षा, घुसपैठ को पूर्णतया रोकना एनडीए के प्रमुख मुद्दे हैं। बाकी मुद्दे राज्य की जरूरतों के अनुसार बदलते रहते हैं। इसे मोदी का सौभाग्य कहिए या विपक्ष का दुर्भाग्य कि पूरे विपक्ष के पास ऐसा एक भी ऐसा सशक्त नेता नहीं है जिसका नेतृत्व करिश्माई कहा जा सके। जैसे दिल्ली में अरविंद केजरीवाल ने दस वर्षों तक राज्य की सत्ता बचाकर रखी, लेकिन वह केंद्र में एनडीए का मुकाबला नहीं कर पाए और आखिर उन्हें भी दिल्ली की सत्ता गंवानी पड़ी। उड़ीसा, जहां बीस वर्षों से सत्ता पर काबिज़ नवीन पटनायक को एनडीए के हाथों शिकस्त खानी पड़ी। एक और ताज़ा उदाहरण अजेय माने जाने वाले बंगाल का है, जहां सबसे आक्रामक राजनीति करने वाली ममता बनर्जी को बहुत बुरी हार का सामना करना पड़ा। हालांकि राहुल गांधी ने भारत जोड़ो यात्रा जो 2022 में की थी और न्याय यात्रा जो 2024 में की, इन दोनों यात्राओं के माध्यम से उन्होंने देश को एकजुट करने का दावा किया, लेकिन उनके सहयोगी दलों का साथ उनको नहीं मिला। इसका परिणाम ये हुआ इन दोनों यात्राओं के जितने सार्थक परिणाम विपक्ष को मिल सकते थे, नहीं मिले। निष्कर्ष के रूप में हम कह सकते हैं कि देश के संवेदनशील मुद्दों पर विपक्ष का एक मत एक विचार न होना, राज्य और राष्ट्रीय स्तर पर अलग-अलग सुरों में बोलना, देश की विदेश नीति और राष्ट्रीय हितों के मुद्दों की विदेश में आलोचना करना। जनता के बीच जनहित के मुद्दों को उठाने के बजाय वोट चोरी या चुनाव चोरी जैसे अनर्गल प्रचार से अपनी नाकामी को ढकने की कोशिश करना, ये वो सारे कारण हैं जिन्हें भारतीय मतदाता अब सुनना नहीं चाहता। कुल मिलाकर एनडीए की आक्रामकता का एक विशेष कारण विपक्ष की निष्क्रियता है।

इसे मोदी का सौभाग्य कहिए या विपक्ष का दुर्भाग्य कि पूरे विपक्ष के पास ऐसा एक भी सशक्त नेता नहीं है, जिसका नेतृत्व करिश्माई कहा जा सके। जैसे दिल्ली में केजरीवाल ने दस वर्षों तक राज्य की सत्ता बचाकर रखी, लेकिन वह केंद्र में एनडीए का मुकाबला नहीं कर पाए और आखिर उन्हें भी दिल्ली की सत्ता गंवानी पड़ी।

नागपुर के छात्र को अबू धाबी का परीक्षा केंद्र अलॉट होने का विवाद

परीक्षा केंद्र में अबूधाबी का बदलाव तकनीकी खराबी से नहीं हुआ खुद छात्र के रजिस्टर्ड लॉगिन क्रेडेंशियल्स के जरिए ही किया गया

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

नागपुर के छात्र को अबू धाबी का परीक्षा केंद्र अलॉट होने के विवाद में अब एक नया और चौंकाने वाला मोड़ आ गया है। इस मामले पर काफी आलोचना का सामना करने के बाद राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (एनटीए) ने आधिकारिक बयान जारी कर स्थिति साफ की है। एनटीए के वेब-एक्टिविटी रिकॉर्ड्स से यह खुलासा हुआ है कि परीक्षा केंद्र में अबू धाबी का बदलाव किसी तकनीकी खराबी से नहीं, बल्कि खुद छात्र के रजिस्टर्ड लॉगिन क्रेडेंशियल्स के जरिए किया गया था। एनटीए ने छात्र के भविष्य को ध्यान में रखते हुए छात्र सर्वोपरि दृष्टिकोण अपनाया और परीक्षा से महज 48 घंटे पहले मिले अनुरोध पर कार्रवाई करते हुए छात्र को नागपुर में ही नया केंद्र अलॉट कर दिया है।

छात्र के लॉगिन से हुआ था बदलाव

एनटीए के डिजिटल रिकॉर्ड्स के अनुसार जब परीक्षा की तारीख 21 जून तय होने के बाद सिटी करेक्शन विंडो खोली गई थी, तब इस छात्र के खुद के रजिस्टर्ड लॉगिन आईडी और पासवर्ड के जरिए ही केंद्र को अबू धाबी में बदला गया था। रिकॉर्ड्स में लगातार एक ही सिंगल-यूजर का एक्सेस पैटर्न पाया गया है।

3 बार चेक किया गया था

एजेंसी ने अपने डाटा का हवाला देते हुए बताया कि छात्र के क्रेडेंशियल्स का उपयोग करके एक बार केंद्र को अबू धाबी में बदला गया था और दो बार इसका प्रीव्यू (पूर्वावलोकन) भी देखा गया था कि केंद्र अबू धाबी है। यानी कुल 3 मौकों पर यह बात सिस्टम में दर्ज हुई थी।

तुरंत लिया एक्शन और पिता से संपर्क किया

गलती छात्र के स्तर से दर्ज थी, फिर भी एनटीए के कर्मचारियों ने तुरंत कार्रवाई शुरू की और 19 जून की शाम को ही छात्र के पिता से संपर्क किया ताकि वे इस बदलाव की औपचारिक प्रक्रिया को पूरा कर सकें।

री-एग्जाम के लिए देशभर में हुई मॉकड्रिल

भारत के 551 शहरों में सेंटर 11 घंटे तक परखी व्यवस्थाएं

एनटीए ने नीटी- यूजी की री-एग्जाम परीक्षा से ठीक एक दिन पहले देशभर में मेगा मॉक ड्रिल का आयोजन किया है। इस मॉक ड्रिल के जरिए एनटीए परीक्षा केंद्रों की सुरक्षा व्यवस्था, प्रश्नपत्रों की सुरक्षित ढुलाई और अन्य व्यवस्थाओं को अंतिम रूप से परख रही है। यह फुल-स्केल रिहर्सल सुबह 9 बजे से रात के 8 बजे तक चली। देश के 551 और विदेश के 14 शहरों में 5,500 से अधिक परीक्षा केंद्र बनाए गए हैं, जिन्हें हाई-सिक्योरिटी जोन में तब्दील किया गया है। इस री-एग्जाम में 22.79 लाख से ज्यादा उम्मीदवार शामिल होंगे।

मॉकड्रिल का दृश्य

6,669 पर्यवेक्षक तैनात

एनटीए के अनुसार पुनर्परीक्षा में कई एजेंसियों और प्रशासन के विभिन्न स्तरों के बीच घनिष्ठ समन्वय शामिल है, जिसमें 674 शहर समन्वयक शहर-स्तरीय संचालन की देखरेख कर रहे हैं और परीक्षा केंद्रों पर स्वतंत्र निगरानी के लिए 6,669 पर्यवेक्षक तैनात किए गए हैं। प्रत्येक परीक्षा केंद्र पर केंद्र अधीक्षक और पर्यवेक्षक नियुक्त किए गए हैं।

मॉक ड्रिल का उद्देश्य

इसमें परीक्षा केंद्रों पर प्रश्न पत्रों की सुरक्षित डिलीवरी, सीसीटीवी निगरानी, बायोमेट्रिक सत्यापन, और बहुस्तरीय सुरक्षा जांच जैसी सभी प्रक्रियाओं का वास्तविक समय में परीक्षण किया जाता है।

सेंटर के बवाल पर राहुल का सवाल

एनटीए देश के बच्चों का धीरज टेस्ट कर रही

नागपुर के एक छात्र को भारत की जगह सीधे विदेश यानी 'अबू धाबी' में परीक्षा केंद्र अलॉट कर दिया गया। इस गंभीर लापरवाही पर लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने एनटीए के सिस्टम पर सवाल खड़े किए। इस लापरवाही पर राहुल ने एनटीए को खरी-खरी सुनाई। राहुल ने सोशल मीडिया हैंडल पर एनटीए और सरकार को कठघरे में खड़ा किया। उन्होंने छात्र की मानसिक स्थिति का जिक्र करते हुए लिखाः 'नागपुर का एक बच्चा एक महीने से नीट री-एग्जाम की तैयारी कर रहा था। कल परीक्षा से ठीक एक दिन पहले उसने एडमिट कार्ड डाउनलोड किया। उसका सेंटर निकला - अबू धाबी। न पासपोर्ट, न परिवार के पास विदेश भेजने के पैसे, न अब कोई वक़्त बचा है।

खबर संक्षेप

कोलकाता एयरपोर्ट पर बंदूक संग शख्स गिरफ्तार

कोलकाता। टीएमसी सांसद अभिषेक बेनर्जी के बीती रात कोलकाता एयरपोर्ट पहुंचने से पहले हवाई अड्डे पर काफी बवाल हुआ। टीएमसी ने दावा किया कि उनके कार्यकर्ताओं ने एक व्यक्ति को पकड़ा, जिसके बाद बंदूक थी। टीएमसी ने लिखा, भाजपा के एक गुंडे ने अभिषेक की हत्या की

उषा सहित 4 को लाइफटाइम अचीवमेंट

नई दिल्ली। एएफआई की ओर से आयोजित पहले इंडियन एथलेटिक्स अवॉर्ड्स समारोह में भारतीय खेल जगत की 4 दिग्गज हस्तियों को लाइफटाइम अचीवमेंट अवॉर्ड से सम्मानित किया गया। महान धाविका पीटी उषा, पूर्व एशियाई खेल स्वर्ण पदक विजेता गुरबचन सिंह रंधावा, पूर्व राष्ट्रीय मुख्य कोच बहादुर सिंह चौहान शामिल हैं।

बेस्ट कर्मियों की हड़ताल दूसरे दिन भी जारी

मुंबई। बृहन्मुंबई इलेक्ट्रिक सप्लाई एंड ट्रांसपोर्ट' (बेस्ट) के कर्मचारी शनिवार को लगातार दूसरे दिन भी हड़ताल पर हैं। महाराष्ट्र सरकार के द्वारा आवश्यक सेवा रखरखाव अधिनियम लागू किए जाने के बावजूदकर्मचारियों ने हड़ताल जारी रखी है। लोग लोकल ट्रेनों और मेट्रो सेवाओं, टैक्सियों, ऑटो-रिक्शा और कैब सेवा पर निर्भर हैं।

'अष्टलक्ष्मी' ने वैश्विक मंच पर बनाई पहचान

शिलांग। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने शनिवार को कहा कि पूर्वोत्तर भारत अब वैश्विक स्तर के कई महत्वपूर्ण स्थलों का केंद्र बन चुका है और यह क्षेत्र सतत एवं समावेशी विकास का उत्कृष्ट उदाहरण पेश कर रहा है। 'अष्टलक्ष्मी' के नाम से प्रसिद्ध पूर्वोत्तर के 8 राज्यों ने मानचित्र पर अपनी मजबूत पहचान स्थापित की है।

प्रधानमंत्री मोदी ने ओडिशा को 47,600 करोड़ की सौगात दी

पीएम मोदी ने विपक्ष पर बोला हमला

कांग्रेस राज में पिछड़ा रहा पूर्वी भारत बदली राह और बना विकास का गेटवे

पीएम मोदी ने पहाड़पुर गांव में पूजा-अर्चना की

मयूरभंज ज़िले में विकास परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास करते प्रधानमंत्री

एजेंसी ▶▶ मयूरभंज

पीएम नरेंद्र मोदी ने शनिवार को ओडिशा के लिए 47,600 करोड़ रुपए से अधिक की विकास परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास किया। उन्होंने कहा कि ओडिशा अब विकास की राह पर तेजी से दौड़ रहा है। कल्याणकारी योजनाएं गरीबों का जीवन बदल रही हैं। इस दौरान कांग्रेस पर बड़ा हमला बोला है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस के शासनकाल में पूर्वी भारत हमेशा पिछड़ा रहा। लेकिन आज यही क्षेत्र देश के विकास का मुख्य द्वार बन रहा है।

पीएम मोदी ओडिशा के मयूरभंज जिले के रायरंगपुर में एक विशाल जनसभा को संबोधित कर रहे थे। प्रधानमंत्रीने कहा कि केंद्र सरकार 'पूर्वोदय' नीति पर काम कर रही है। हमारा लक्ष्य पूर्वी भारत के विकास से पूरे देश का विकास करना है। जो पूर्वी भारत कांग्रेस के दौर में पिछड़ेपन की पहचान बन चुका था, वह अब प्रगति का प्रवेश द्वार बन रहा है। भाजपा सरकार ओडिशा के संसाधनों को नई संभावनाओं में बदल रही है। राज्य को अब तक करीब 20 लाख करोड़ के निवेश प्रस्ताव मिल चुके हैं।

'पूर्वोदय' नीति से दिख रही पूर्वी भारत की तस्वीर

प्रधानमंत्री ने कहा कि जिस पूर्वी भारत को कांग्रेस शासन के दौरान पिछड़ेपन का पर्याय बना दिया गया था, आज वही क्षेत्र देश की प्रगति का प्रवेश द्वार बन रहा है। उन्होंने कहा कि ओडिशा इस सकारात्मक बदलाव का प्रत्यक्ष साक्षी है। उन्होंने ओडिशा की भाजपा सरकार के दो वर्ष पूरे होने पर राज्य की जनता को बधाई देते हुए कहा कि मयूरभंज आना और बड़ी संख्या में लोगों का स्नेह प्राप्त करना उनके लिए विशेष अवसर है। उन्होंने कहा कि डबल इंजन सरकार के कारण विकास की गति और तेज हुई है।

भाजपा सरकार खुद जनता तक पहुंच रही

पीएम मोदी ने कहा कि डबल इंजन सरकार की डबल विशेषता ये है कि वो खुद जनता तक पहुंचती है। हमारा प्रयास है कि सामान्य नागरिक को किसी समस्या के समाधान के लिए अनावश्यक चक्कर न लगाने पड़ें।

ओडिशा की बेटी ने बढ़ाया पूरे राज्य का गौरव

पीएम मोदी ने कहा कि ओडिशा की बेटी आज देश के सर्वोच्च पद पर पहुंची है, जो पूरे राज्य के लिए गर्व का विषय है। उन्होंने कहा कि राष्ट्रपतिके उदार व्यक्तित्व, सहृदय स्वभाव और राष्ट्रसेवा के प्रति समर्पण ने न केवल मयूरभंज बल्कि पूरे ओडिशा की पहचान को मजबूत किया है।

राष्ट्रपति के गांव पहुंचे प्रधानमंत्री, बधाई दी

पीएम मोदी के लिए यह दिन बेहद खास रहा। शनिवार को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू का जन्मदिन भी था। पीएम मोदी ने उन्हें बधाई देते हुए कहा कि ओडिशा की बेटी आज देश के सर्वोच्च पद पर है। वह हम सभी का मार्गदर्शन कर रही हैं। यह पूरे देश के लिए गौरव की बात है। उन्होंने मयूरभंज और ओडिशा की पहचान को पूरे विश्व में मजबूत किया है। पीएम मोदी राष्ट्रपति के ससुराल पहाड़पुर गांव भी गए। वहां उन्होंने स्थानीय बच्चों के स्कूल का दौरा किया।

राष्ट्रपति का गांव पहाड़पुर बनेगा 'सूर्यग्राम'

प्रधानमंत्री ने रायरंगपुर में राज्यस्तरीय कार्यक्रम में बड़ा ऐलान करते हुए कहा कि राष्ट्रपति दके गांव पहाड़पुर को जल्द ही 'सूर्यग्राम' के रूप में विकसित किया जाएगा। इसके तहत गांव के प्रत्येक परिवार को सौर ऊर्जा से जुड़ी आधुनिक सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएंगी। इस परियोजना पर शीघ्र काम शुरू होगा।

बंगाल में गरजे पीएम मोदी

दशकों के कुशासन से मुक्त हुआ प्रदेश विकास का महाअभियान हो गया शुरू

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को पश्चिम बंगाल दौरे पर पीएम किसान सम्मान निधि योजना के तहत किसानों के बैंक खातों में दो-दो हजार रुपए ट्रांसफर किए। इसके बाद अपने संबोधन के दौरान उन्होंने राज्य में सत्ता परिवर्तन को रेखांकित किया। पीएम मोदी ने बंगाल के तारकेश्वर में कार्यक्रम में कहा कि 'पश्चिम बंगाल दिवस' के मौके पर मैं लोगों को बधाई और शुभकामनाएं देना चाहता हूं। प्रधानमंत्री ने कहा कि गुलामी के दौर में हमारे बंगाल ने क्या कुछ नहीं सहा, कितने बलिदान दिए, कितने त्याग सहे, 1946 में कोलकाता में हिंसा हुई थी, तब कितने निर्दोष बंगाली लोग उसकी भेंट चढ़ गए।

बंगाल ने रक्तपात सहा, अपनों को खोया, अपनी मातृभूमि के टुकड़े होते देखे, लेकिन बंगाल ने अपनी अस्मिता और पहचान को नष्ट नहीं होने दिया। इसी का परिणाम था कि जब पूरे बंगाल को भारत से अलग करने की साजिश हो रही थी तब अलग पश्चिम बंगाल बनाकर उन मंसूबों को कामयाब नहीं होने दिया गया। पश्चिम बंगाल दिवस के रूप में हम केवल एक तारीख को याद नहीं कर रहे, बल्कि पूरे इतिहास को याद कर रहे हैं।'

सम्मान निधि जारी की

9.44 करोड़ से अधिक किसानों को दी 23वीं किस्त

पीएम मोदी ने मंच से कहा कि पीएम किसान सम्मान निधि योजना की 23वीं किस्त जारी की गई है। 9 करोड़ से अधिक किसानों के बैंक खाते में लगभग 19 हजार करोड़ रुपए सीधे भेजे गए हैं।प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 23वीं किस्त जारी कर दी है। इसके साथ ही 9.44 करोड़ से अधिक पात्र किसानों के बैंक खाते में 23वीं किस्त हस्तांतरित की गई है प्रधानमंत्री ने बंगाल में पहली बार भाजपा सरकार बनने पर खुशी भी जाहिर की। उन्होंने कहा कि बंगाल की हवा में एक नई ताजगी है।

योग दिवस से पहले की अपील

पीएम मोदी ने कहा कि कल देश, दुनिया में अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस मनाया जाना है। इस बार मैं बंगाल में ही योग दिवस का हिस्सा बनूंगा। स्वामी विवेकानंद और महर्षि अरविंद जैसे योगियों की भूमि से जो संदेश जाएगा उससे पूरे विश्व का मार्गदर्शन होगा। मैं चाहूंगा कि इस

पवन खेड़ा ने प्रधानमंत्री को घेरा

देश बाद में, प्रचार पहले... ट्रंप के सामने नाविकों की मौत पर चुप रहे

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

कांग्रेस के मीडिया और पब्लिसिटी विभाग के प्रमुख पवन खेड़ा ने शनिवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर तीखा हमला बोला है। अमेरिकी हमले में तीन भारतीय नाविकों के मारे जाने का मुद्दा अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के सामने न उठाने पर नाराजगी जताई गई है। विपक्ष ने आरोप लगाया कि सरकार का मंत्र 'नेशन फर्स्ट' नहीं, बल्कि 'पीआर फर्स्ट' है यानी देश बाद में, प्रचार पहले। फ्रांस में जी-7 शिखर सम्मेलन के इतर बुधवार को मोदी और ट्रंप के बीच द्विपक्षीय बैठक हुई थी।

दोनों नेताओं ने वहां सार्वजनिक बयान भी दिए थे। इस बैठक को लेकर खेड़ा ने निशाना साधा। उन्होंने दावा किया कि बैठक में प्रधानमंत्री मोदी अपनी नजरें नीची करके बैठे थे।खेड़ा ने कहा कि वह सोफे पर सिमटकर बैठे थे।

जुबानी जंग ने पकड़ा जोर

शिंदे ने उद्धव को बताया डॉग व खुद को टाइगर, यह ट्रेलर

एजेंसी ▶▶ मुंबई

महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे और शिवसेना (यूबीटी) प्रमुख उद्धव ठाकरे ने शिवसेना के 60वें स्थापना दिवस पर एक-दूसरे से बिल्कुल अलग दावे किए। एक ने टाइगर, शेर, भौंकते कुत्तों और एक ऐसे राजनीतिक 'ट्रेलर' की बात की, वहीं दूसरे ने पार्टी कार्यकर्ताओं से भावुक अपील करते हुए कहा कि अगर उनका उन पर भरोसा खत्म हो जाए तो वे पद छोड़ देंगे। उन्होंने चेतावनी दी कि शिवसेना को 'चोरों और गद्दारों' के हाथों में नहीं पड़ने देना चाहिए।

उद्धव के नेतृत्व वाली शिवसेना (यूबीटी) के लिए नए संकट के बीच यह टकराव सामने आया है, क्योंकि उसके 9लोकसभा सांसदों में से 6 के प्रतिद्वंद्वी शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना में शामिल होने की आशंका है।

प्रदर्शन कर रहे दीपके का बड़ा ऐलान

हम यहीं रुकेंगे, और यहीं सोएंगे

नई दिल्ली। केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग कर रही कॉकरोट जनता पार्टी दिल्ली के जंतर मंतर पर विरोध प्रदर्शन कर रही है। आसपास के राज्यों के छात्र भी इस प्रदर्शन में पहुंचे और थाली और चम्मच बजाकर धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग कर रहे हैं। कॉकरोच जनता पार्टी के चीफ अभिजीत दीपके ने बड़ा ऐलान किया। यहीं रुकेंगे यहीं सोएंगे जब तक प्रधान इस्तीफा नहीं दे देते।

कोल्हापुर में केंद्रीय गृहमंत्री शाह बोले

संपूर्ण विपक्ष पर साधा निशाना

भारत कोई धर्मशाला नहीं, जिसका यहां जन्म हुआ वही रहेगा, बाकी होंगे बाहर

एजेंसी ▶▶ कोल्हापुर

महाराष्ट्र के कोल्हापुर में शनिवार को केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने एक बार फिर से घुसपैठ का मुद्दा उठाया। अमित शाह ने कहा कि भारत कोई धर्मशाला नहीं है। इस देश में वही रहेगा, जिसका जन्म यहां हुआ है।

बाकि लोगों को हिंदुस्तान से चुन-चुनकर बाहर किया जाएगा। इस दौरान शाह ने उद्धव ठाकरे, कांग्रेस और टीएमसी पर भी निशाना साधा। उन्होंने कहा कि यह लोग घुसपैठ को बढ़ावा देना चाहते हैं, लेकिन मोदी सरकार इनको मंसबों को कामयाब नहीं होने देगी। मैं विश्वास के साथ इस कोल्हापुर की पवित्र धरती से देश की जनता को कहकर जाता हूं कि बंगाल की जनता से हमें आशीर्वाद दिया है।

अंबाबाई कॉरिडोर के मंच से कहा

अब सिर्फ एक ही शिवसेना गुट कहने का दौर खत्म

महाराष्ट्र की राजनीति में शिवसेना की पहचान और नेतृत्व को लेकर लंबे समय से चल रही बहस के बीच शाह ने बड़ा बयान दिया है। कोल्हापुर में एक जनसभा में शाह ने कहा कि पहले लोगों को एकनाथ शिंदे का नाम लेते समय 'शिवसेना-शिंदे गुट' कहना पड़ता था, अब कोई गुट नहीं बचा है और केवल एक ही शिवसेना है।

मौसम विभाग ने 3 दिन बाद फिर सक्रिय होने की संभावना जताई

शुरुआती दौर ठीक रहा, लेकिन अब मानसून दे रहा दगा

फिलहाल बारिश पर लग गया ब्रेक, देश में हाहाकार

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

देश के सुदूर दक्षिणी छोर केरल में एक तो लेट से मानसून टकराया था। 1 जून को आने वाला यह मानसून इस बार 4 जून को आया।

शुरुआत में इसकी रफ्तार मध्य भारत तक ठीक-ठाक रही, मगर जब तक यह ठीक से भिगोता हुआ आगे बढ़ता कि इसकी रफ्तार पर ब्रेक ही लग गया। इसके बाद तो इसके करीब-करीब गायब होने की बातें भी आईं। बिहार, झारखंड और मध्य प्रदेश के कुछ हिस्सों को कवर करने के बाद यह मानसून अचानक लापता हो गया। अब पूरा उत्तर भारत मानसून का बेसब्री से बाट जोह रहा है।

फाइल फोटो

वैज्ञानिक डॉ. शशिकांत ने दी जानकारी

मौसम विभाग के वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. शशि कांत ने कहा कि इस बार मॉनसून सीजन के दौरान औसत से कम बारिश होने का पूर्वानुमान है. पिछले कुछ दिनों में अरब सागर में क्लाउडिंग नहीं बन पाई है। इसकी वजह से मानसून की रफ्तार महाराष्ट्र समेत कई राज्यों में स्थिर हो गई है। अब उम्मीद है कि 23 जून के आसपास मॉनसून फिर सक्रिय होगा।

विदर्भ के लिए हीट वेव अलर्ट, हफ्ते भर की देरी से पहुंचेगा दिल्ली

जून के 20 दिन बीत चुके लेकिन बारिश का अता-पता नहीं चल रहा। मानसून अचानक गायब सा हो गया है. दिल्ली-यूपी से लेकर महाराष्ट्र तक लोग गर्मी से परेशान हैं. इस बीच मौसम विज्ञान विभाग ने मानसून की मौजूदा चाल को लेकर बड़ी अपडेट दी है। शनिवार को भारतीय मौसम विज्ञान विभाग के वैज्ञानिक ने बताया कि 23 जून के आसपास मानसून के फिर से एक्टिव होने की उम्मीद है।

प्रमुख शहरों को जोड़ने के लिए मोदी सरकार ने 7 नए बुलेट ट्रेन रूटों को दी हरी झंडी!

इस महत्वाकांक्षी योजना का मुख्य उद्देश्य देश के सबसे बड़े आर्थिक, औद्योगिक, तकनीकी और पर्यटन केंद्रों को आपस में तेज रफ्तार से जोड़ना है। इसके तहत दिल्ली, वाराणसी, लखनऊ, पुणे, हैदराबाद, बेंगलुरु और चेन्नई जैसे बड़े शहरों के बीच बुलेट ट्रेन चलाने का रास्ता साफ हो गया है

जल्द ही हर रूट का अध्ययन किया जाएगा, फिर अन्य तैयारी

मुंबई-पुणे बुलेट ट्रेन के रूट का काम अगले साल से शुरू

भारत में हाई स्पीड रेल का सपना होगा पूरा

एजेंसी ▶▶ पटना

अहमदाबाद से मुंबई के बीच चलने वाली भारत की पहली बुलेट ट्रेन की तस्वीर

भारत में हाई-स्पीड रेल यानी बुलेट ट्रेन का सपना देख रहे लोगों के लिए केंद्र सरकार ने एक बहुत बड़ी खुशखबर दी है। देश की पहली मुंबई-अहमदाबाद बुलेट ट्रेन परियोजना पर चल रहे काम के बीच, मोदी सरकार ने देश के अन्य प्रमुख शहरों को जोड़ने के लिए 7 नए बुलेट ट्रेन रूटों की पहचान कर उन्हें मंजूरी दे दी है। इस महत्वाकांक्षी योजना का मुख्य उद्देश्य देश के सबसे बड़े आर्थिक, औद्योगिक, तकनीकी और पर्यटन केंद्रों को आपस में तेज रफ्तार से जोड़ना है। इसके तहत दिल्ली, वाराणसी, लखनऊ, पुणे, हैदराबाद, बेंगलुरु और चेन्नई जैसे बड़े शहरों के बीच बुलेट ट्रेन चलाने का रास्ता साफ हो गया है। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बिहार की राजधानी पटना में यह जानकारी दी।

ये हैं वो 7 नए मार्ग

रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव

मंत्री वैष्णव ने बताया कि सरकार द्वारा प्रस्तावित किए गए नए हाई-स्पीड रेल कॉरिडोर की सूची में मुंबई-पुणे, पुणे-हैदराबाद, हैदराबाद-बेंगलुरु, हैदराबाद-चेन्नई, चेन्नई-बेंगलुरु, दिल्ली-वाराणसी और वाराणसी-सिलीगुड़ी शामिल हैं। हालांकि सरकार ने अभी तक इन नए रूटों पर निर्माण कार्य शुरू होने की कोई निश्चित तारीख घोषित नहीं की है। जमीन पर काम शुरू होने से पहले सरकारी मंजूरी, फंडिंग की व्यवस्था और भूमि अधिग्रहण जैसी जरूरी प्रक्रियाएं पूरी की जाएंगी। सरकार जल्द ही हर रूट की व्यवहार्यता का अध्ययन करेगी।

समय की होगी बचत

रेल मंत्री ने बताया कि बुलेट ट्रेन नेटवर्क तैयार होने के बाद दो शहरों के बीच यात्रा के समय में भारी कटौती आएगी। सरकार द्वारा जारी अनुमानित समय इस प्रकार है। मुंबई से पुणेः मात्र 48 मिनट, बेंगलुरु से चेन्नईः मात्र 73 मिनट (1 घंटा 13 मिनट), मुंबई से अहमदाबाद (पहला प्रोजेक्ट): 1 घंटा 57 मिनट, पुणे से हैदराबादः 2 घंटे 8 मिनट, बेंगलुरु से हैदराबादः 2 घंटे 10 मिनट, दिल्ली से लखनऊः 2 घंटे, दिल्ली से वाराणसीः 3 घंटे 15 मिनट और दिल्ली से सिलीगुड़ीः 6 घंटे।

4 घंटे 41 मिनट में पटना से दिल्ली

रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा कि आने वाले समय में बिहार में बुलेट ट्रेन आएगी। ये ट्रेन दिल्ली से लखनऊ, लखनऊ से वाराणसी, वाराणसी से पटना और पटना से सिलिगुड़ी तक जाएगी। इसके बाद दिल्ली से पटना की यात्रा मात्र 4 घंटे और 41 मिनट की रह जाएगी। आने वाले समय में इसके लिए भी तैयारी शुरू हो गई है। उन्होंने कहा कि केंद्र ने वर्तमान वित्तीय वर्ष में बिहार में रेल इंफ्रा के विस्तार के लिए 10 हजार करोड़ रुपए दिए हैं।

अगले साल शुरू होगी पहली बुलेट ट्रेन

वैष्णव ने बताया कि पहली बुलेट ट्रेन अहमदाबाद से मुंबई के बीच में अगले साल शुरू होने वाली है। इससे पहले रेल मंत्री ने कहा था कि भारत ने अब स्वयं बुलेट ट्रेन बनाने की क्षमता रखता है। उन्होंने अगले साल मुंबई-पुणे बुलेट ट्रेन कॉरिडोर पर काम शुरू करने की घोषणा की है।

खबर संक्षेप

गांदरबल में 'नारानाग' पर्यटन स्थल फिर से खुला

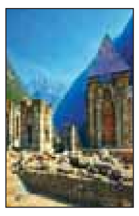

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर के उप-राज्यपाल मनोज सिन्हा ने शनिवार को गांदरबल जिले में स्थित पर्यटन स्थल 'नारानाग' को फिर से खोलने का आदेश दिया। पिछले साल पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद इसे बंद कर दिया गया था और यह लगभग 14 महीने तक बंद रहा। मध्य कश्मीर के इस जिले में स्थित इस लोकप्रिय पर्यटन स्थल पर भगवान शिव को समर्पित आठवीं सदी का नारानाग मंदिर भी है। उप राज्यपाल ने कहा कि सुरक्षा की पूरी समीक्षा के बाद नारानाग मंदिर को श्रद्धालुओं और पर्यटकों के लिए खोलने का फैसला किया गया है।

भीषण आग से रिसॉर्ट तबाह, 1 की मौत

सैंटो डोमिंगो। डोमिनिकन गणराज्य में एक लक्जरी रिसॉर्ट में भीषण आग लग गई जिसके बाद करीब 1,700 पर्यटकों को वहां से सुरक्षित निकाला गया। आग की इस घटना में इटली के एक पर्यटक की मौत हो गई जबकि कई अन्य पर्यटकों को चिकित्सकीय सहायता दी गई। 'वीवा डोमिनिकस बीच बाय विन्धम रिज़ॉर्ट' डोमिनिकन गणराज्य के दक्षिण-पूर्वी तट पर स्थित बायाहिबे में है, जो अमेरिकी और अंतरराष्ट्रीय पर्यटकों के बीच एक लोकप्रिय जगह है। आग लगने के कारण की जांच की जा रही है। आसपास के रिसार्ट सुरक्षित हैं।

लंदन में दो ट्रेनों की टक्कर 1 की मौत, कई घायल

लंदन। उत्तरी लंदन में शुक्रवार दोपहर दो ट्रेन की टक्कर होने से कम से कम एक व्यक्ति की मौत हो गई। दोनों ट्रेन लंदन के सेंट पैनक्रास स्टेशन जा रही थीं और शाम करीब सवा पांच बजे (स्थानीय समयानुसार) बेडफोर्ड शहर के बाहर उनकी टक्कर हो गई। इसके बाद आपात सेवा दलों को तत्काल घटनास्थल पर भेजा गया। पुलिस के अनुसार कई लोग घायल हुए हैं और एक व्यक्ति की मौत हो गई है। पुलिस, अग्निशमन, एम्बुलेंस सेवाओं के कर्मी घटनास्थल पर राहत एवं बचाव कार्य में जुटे हैं।

एक्सियोस को दिए एक इंटरव्यू में अमेरिका के राष्ट्रपति ट्रंप ने पीएम मोदी की प्रशंसा की

कहा- वे महान इंसान और नेता, लंबे समय तक सत्ता में बने रहना उनकी बड़ी उपलब्धि

इंटरव्यू के दौरान ट्रंप ने कई बार पीएम मोदी की नेतृत्व क्षमता की प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि मोदी का लंबा राजनीतिक कार्यकाल, मजबूत नेतृत्व और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर उनकी पहचान उन्हें अन्य नेताओं से अलग बनाती है

दुनिया के सबसे सम्मानित नेताओं में शामिल

राजनीतिक स्थिरता का उदाहरण हैं पीएम मोदी

एजेंसी ▶▶ वॉशिंगटन

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने पीएम नरेंद्र मोदी की सराहना करते हुए उन्हें एक महान नेता और बेहद सख्त व्यक्तित्व वाला इंसान बताया है। एक्सियोस को दिए एक इंटरव्यू में ट्रंप ने पीएम मोदी को उन वैश्विक नेताओं में शामिल किया, जिनकी वह सबसे अधिक प्रशंसा करते हैं। इंटरव्यू के दौरान ट्रंप ने कई बार पीएम मोदी की नेतृत्व क्षमता की प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि मोदी का लंबा राजनीतिक कार्यकाल, मजबूत नेतृत्व और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर उनकी पहचान उन्हें अन्य नेताओं से अलग बनाती है। ट्रंप ने कहा कि भारत जैसे विशाल लोकतंत्र में लंबे समय तक सत्ता में बने रहना अपने आप में बड़ी उपलब्धि है। ट्रंप ने कूटनीति और वैश्विक नेतृत्व जैसे विषयों पर अपने विचार रखे।

फ्रांस में जी7 सम्मेलन के दौरान पीएम नरेंद्र मोदी और डोनाल्ड ट्रंप

जी7 समिट के संदर्भ में किया उल्लेख

हाल ही में आयोजित जी7 शिखर सम्मेलन में शामिल नेताओं का जिक्र करते हुए ट्रंप ने पीएम मोदी की मौजूदगी को विशेष रूप से याद किया। उन्होंने सरकारों के प्रमुखों और वैश्विक नेताओं की बैठक का उल्लेख करते हुए कहा कि भारत के पीएम एक महान इंसान हैं।

मोदी बेहद मजबूत नेता

जब ट्रंप से पूछा गया कि वह एक महान नेता को कैसे परिभाषित करते हैं, तो उन्होंने पीएम मोदी को राजनीतिक स्थिरता का उदाहरण बताया। ट्रंप ने कहा कि मैंने जीवन भर भारत के बारे में यही देखा कि वहां नेतृत्व तेजी से बदलता रहा। कोई छह महीने तो कोई एक साल तक रहता था। फिर नरेंद्र मोदी पीएम बने। वे 12 साल से अधिक समय से पद पर हैं और बेहद मजबूत नेता हैं।

शांत लेकिन बहुत सख्त भी

ट्रंप ने कहा कि पीएम मोदी शांति के साथ राजनीतिक सख्ती को भी दर्शाते हैं। उन्होंने कहा कि वह ऐसा आचरण करते हैं जैसे सब कुछ बहुत शांत है, लेकिन वह शांत स्वाभाव के इंसान नहीं हैं। वह बहुत सख्त इंसान हैं। मैं उन्हें काफी अच्छी तरह जानता हूं।

भारत काफी बड़ा देश

जब ट्रंप से उन नेताओं के बारे में पूछा गया जिनकी नेतृत्व क्षमता और प्रभाव उन्हें सबसे अधिक प्रभावित करते हैं, तो उन्होंने पीएम मोदी का नाम प्रमुखता से लिया। उन्होंने कहा कि मुझे लगता है कि पीएम मोदी बहुत अच्छे हैं। वे एक बेहतरीन नेता हैं। वहां 1.5 बिलियन (150 करोड़) लोग हैं। भारत वास्तव में सबसे बड़ा है।

युद्ध से दूर रहना, समझदारी भरा कदम

ट्रंप ने भारत की हालिया आर्थिक उपलब्धियों का उल्लेख करते हुए कहा कि पीएम मोदी के नेतृत्व में देश ने उल्लेखनीय प्रदर्शन किया है। उन्होंने कहा कि उन्होंने आर्थिक दृष्टि से कुछ बहुत अच्छे आंकड़ों की घोषणा की है। वह युद्ध से दूर रहते हैं, जो एक समझदारी भरा कदम है।

क्यूबा में हो सकती है सैन्य कार्रवाईः ट्रंप

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने क्यूबा को लेकर बड़ा बयान दिया है। जब उनसे पूछा गया कि क्या क्यूबा में भी वेनेजुएला जैसी सैन्य कार्रवाई हो सकती है, तो ट्रंप ने जवाब दिया कि यह संभव है, ऐसा हो सकता है। ट्रंप ने क्यूबा और वेनेजुएला की तुलना करते हुए कहा कि दोनों मामलों में एक बड़ा अंतर है। वेनेजुएला के पास तेल है, जबकि क्यूबा के पास तेल नहीं है। लेकिन क्यूबा के पास अच्छी प्रॉपर्टी है और शानदार समुद्री तट हैं। ट्रंप ने यह भी कहा कि वेनेजुएला नजदीक है और क्यूबा तो बिल्कुल पड़ोस में है। ईरान बहुत दूर है। उनके इस बयान को कई विश्लेषक संभावित सैन्य कार्रवाई की ओर इशारा मान रहे हैं।

जेडी वेंस ने खोली मुनीर-शहबाज की पोल

ईरान-अमेरिका एमओयू जारी होने में देरी के लिए पाकिस्तान जिम्मेदार!

पाकिस्तान और कतर में प्रेस की आजादी नहीं

एजेंसी ▶▶ वॉशिंगटन

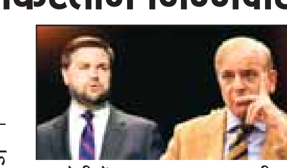

जेडी वेंस शहबाज शरीफ

अमेरिका-ईरान शांति समझौता के मुख्य मध्यस्थ पाकिस्तान को अमेरिका के उप राष्ट्रपति जेडी वेंस ने प्रेस की आजादी नहीं होने के लिए घेरा है। पाकिस्तानी आर्मी चीफ असीम मुनीर और पीएम शहबाज शरीफ लगातार इस समझौते के लिए अपनी पीठ ठोक रहे हैं। वहीं वेंस का कहना है कि पाकिस्तान और कतर (अन्य मध्यस्थ) में अमेरिका जैसी प्रेस फ्रीडम होती तो एमओयू (समझौता ज्ञापन) की पूरी जानकारी जल्दी ही दुनिया को मिल जाती। वेंस का कहना है कि पाकिस्तान की वजह से एमओयू जारी होने में देर हुई। वेंस ने कहा कि डोनाल्ड ट्रंप ने 15 जून को ईरान के साथ अंतरिम शांति समझौते की घोषणा की थी लेकिन इस एमओयू का पूरा आधिकारिक टेक्स्ट दो दिन बाद जारी किया गया। ईरान के साथ हुए एमओयू की जानकारी जारी करने में हुई देरी की एक वजह पाकिस्तान में प्रेस की आजादी के कमजोर मानक रहे हैं। पारदर्शिता को लेकर चिंताओं के कारण जारी करने में अमेरिका को समय लगा।

बेताब मैं नहीं ईरान था, फूटा ट्रंप का गुस्सा

अमेरिका और ईरान के बीच डील भले ही हो गई हो लेकिन तनाव अभी भी खत्म नहीं हुआ है। ईरान के प्रमुख मोजतबा खामेनेई के बयान पर अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भड़कते हुए कहा कि अब ईरान का खात्मा हो गया है। ट्रंप ने कहा कि ईरान को अमेरिका से 'फूटी कौड़ी' भी नहीं मिलेगी। उन्होंने एक बार फिर दावा किया कि ईरान की सैन्य क्षमताओं को तबाह कर दिया गया है। अब उसकी वायुसेना और नौसेना भी नहीं बची है। ट्रंप ने सोशल मीडिया पर तर्क दिया कि युद्ध ने ईरान की सैन्य ताकत को नाटकीय रूप से कम कर दिया है। वहीं, ईरान-अमेरिका शांति समझौते के लिए अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के विशेष दूत स्टीव विटकॉफ स्विट्जरलैंड जा रहे हैं। हालांकि, बातचीत कब शुरू होगी, यह अभी साफ नहीं है। वार्ता का अगला दौर शुक्रवार से शुरू होना था, लेकिन लेबनान में इजराइल और हिजबुल्लाह के बीच बढ़ी हिंसा के कारण इसे अचानक टाल दिया गया।

होमुर्ज में ईरान की फिर नाकेबंदी

पहले होर्मुज जलडमरूमध्य से गुजरने के लिए किसी विशेष अनुमति की जरूरत नहीं होती थी। जहाज अंतरराष्ट्रीय समुद्री नियमों के तहत इस रास्ते का इस्तेमाल करते थे। लेकिन अब ईरान ने पर्शियन गल्फ स्ट्रेट अथॉरिटी (पीजीएसए) नाम की नई संस्था बनाकर पूरी प्रक्रिया बदल दी है। पीजीएसए ने स्पष्ट किया है कि जहाजों को होर्मुज क्षेत्र में पहुंचने से कम से कम 48 घंटे पहले आवेदन जमा करना होगा। अब हर जहाज को ऑनलाइन आवेदन करना होगा। आवेदन करने के बाद ही उसे आगे बढ़ने की अनुमति मिलेगी। यानी अब होर्मुज से गुजरने का रास्ता स्वतः खुला नहीं रहेगा, बल्कि अनुमति आधारित होगा। ईरान का कहना है कि इससे समुद्री सुरक्षा, यातायात नियंत्रण और क्षेत्रीय स्थिरता को मजबूत किया जा सकेगा।

दो बम धमाकों से थर्राया पाकिस्तान

खैबर पख्तूनख्वा में 7 की मौत, 3 घायल, घेराबंदी कर जांच शुरू की

एजेंसी ▶▶ इस्लामाबाद

बम धमाके से क्षतिग्रस्त वाहन

पाकिस्तान के अशांत प्रांत खैबर पख्तूनख्वा के बन्नू जिले में शनिवार को सड़क किनारे हुए दो बम धमाकों में कम से कम सात लोगों की मौत हो गई और तीन अन्य घायल हो गए। पुलिस अधिकारियों ने इसकी पुष्टि की है। फिलहाल किसी भी समूह ने इस आत्मघाती कृत्य की जिम्मेदारी नहीं ली है और सुरक्षा बलों ने इलाके की घेराबंदी कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार, पहला इम्प्रोवाइज्ड एक्सप्लोसिव डिवाइस (आईईडी) विस्फोट एक यात्री वैन को निशाना बनाकर किया गया, जिसमें पांच लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। इसके तुरंत बाद, उसी स्थान पर राहत और बचाव कार्य में जुटे लोगों को निशाना बनाकर दूसरा धमाका किया गया, जिसमें दो और लोगों की जान चली गई। यह धमाका बन्नू जिले के मार्का बेरा इलाके में हुआ। बन्नू जिला पुलिस अधिकारी यासिर अफरीदी ने यह जानकारी दी।

4 देश आपसी हितों को लेकर करेंगे चर्चा

मिस्र की राजधानी कायरो में आज 'इस्लामिक नाटो' की अहम बैठक

एजेंसी ▶▶ इस्लामाबाद

चार इस्लामिक देशों के प्रतिनिधि फाइल फोटो

ईरान युद्ध के बीच मुस्लिम देशों का 'इस्लामिक नाटो' बनाने की तैयारियां तेज हो गई हैं। पाकिस्तान के विदेश मंत्रालय ने शुक्रवार को बताया है कि देश के डिप्टी पीएम और विदेश मंत्री इशाक डार रविवार को मिस्र जाएंगे। वहां वे मिस्र, सऊदी अरब और तुर्की के अपने समकक्षों के साथ बातचीत करेंगे। ये चारों देश मध्य पूर्व में जारी तनाव के बीच क्षेत्रीय सुरक्षा और कूटनीतिक घटनाक्रमों पर चर्चा करने की तैयारी कर रहे हैं। माना जा रहा है कि ये चारों देश नाटो की तर्ज पर एक इस्लामिक संगठन बनाने की कोशिश कर रहे हैं जिसका मकसद एक देश पर हमला सभी देशों पर हमला माना जाएगा। काहिरा में होने वाली यह आर-4 बैठक इन देशों की चौथी बैठक होगी। बैठक में मिस्र, सऊदी अरब, तुर्की और पाकिस्तान के विदेश मंत्री एक साथ आएंगे और क्षेत्रीय घटनाक्रमों पर चर्चा करेंगे और शांति, सुरक्षा और स्थिरता से जुड़े मुद्दों पर बातचीत करेंगे।

न्यूयॉर्क में योग के लिए जुटे लोग

विभिन्न सत्रों में योगाभ्यास किया

न्यूयॉर्क। *12वें अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के उपलक्ष्य में न्यूयॉर्क में हजारों लोगों ने एक साथ योगाभ्यास किया। इस वैश्विक उत्सव का उद्देश्य शारीरिक और आध्यात्मिक कल्याण के साथ-साथ प्रकृति के साथ सामंजस्य को बढ़ावा देना है। भारतीय के वाणिज्य दूतावास ने 'टाइम्स स्क्वायर एलायंस' के साथ मिलकर इस विशाल कार्यक्रम का आयोजिन किया, जिसमें विभिन्न देशों के हजारों लोगों ने उत्साहपूर्वक हिस्सा लिया और योग के विभिन्न सत्रों में योगाभ्यास किया।*

भारत-दक्षिण कोरिया के बीच जल्द होगा एमओयू

डिजिटल शासन, ई-गवर्नेंस और लोक प्रशासन में सहयोग बढ़ाने पर सहमत

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

केंद्रीय कार्मिक, लोक शिकायत एवं पेंशन राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) डॉ. जितेंद्र सिंह ने शनिवार को नई दिल्ली में दक्षिण कोरिया गणराज्य के गृह एवं सुरक्षा मंत्री युन होजुंग के साथ द्विपक्षीय वार्ता की। बैठक में डिजिटल शासन, ई-गवर्नेंस, लोक प्रशासन, क्षमता निर्माण और नागरिक-केंद्रित सेवा वितरण के क्षेत्रों में सहयोग को और मजबूत बनाने पर चर्चा हुई।

जितेंद्र सिंह और दक्षिण कोरिया के युन होजुंग

मंत्रालय में नवाचार पर राजी

बैठक के दौरान डॉ. जितेंद्र सिंह ने बताया कि दोनों देशों के मंत्रालय लोक प्रशासन और सरकारी नवाचार के क्षेत्र में सहयोग बढ़ाने के लिए एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) को अंतिम रूप देने पर सक्रिय रूप से काम कर रहे हैं। यह समझौता दोनों देशों के बीच प्रशासनिक सुधारों और सर्वोत्तम प्रक्रियाओं के आदान-प्रदान को और मजबूत करेगा।

एआई और डिजिटल सेवाओं पर चर्चा

वार्ता के दौरान सरकारी सेवाओं के डिजिटल रूपांतरण, लोक प्रशासन में कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) के उपयोग, सिविल सेवकों के क्षमता निर्माण, नागरिक भागीदारी और सार्वजनिक शिकायत निवारण प्रणालियों में सर्वोत्तम प्रक्रियाओं को साझा करने जैसे विषयों पर विशेष ध्यान दिया गया। वहीं, कोरियाई प्रतिनिधिमंडल ने स्मार्ट गवर्नेंस, डिजिटल सार्वजनिक सेवाओं तथा आपदा एवं सुरक्षा प्रबंधन के क्षेत्र में अपने अनुभव साझा किए।

बांग्लादेश के रंगपुर में भगवान राम की मूर्ति निर्माण कार्य को रोका

जिम्मेदार लोगों को गिरफ्तार करने की मांग

विरोध में सड़कों पर उतरे हजारों हिंदू सरकार को दिया 72 घंटे का अल्टीमेटम

धार्मिक मामलों के मंत्रालय को ज्ञापन सौंपा

एजेंसी ▶▶ ढाका

मशाल जुलूस लेकर विरोध प्रदर्शन करते हिंदू

बांग्लादेश की राजधानी ढाका में बड़े स्तर पर विरोध प्रदर्शन किए गए हैं। रंगपुर में भगवान राम की सबसे ऊंची मूर्ति बनाने का विरोध कर रहे कट्टरपंथी इस्लामवादियों द्वारा उनकी तस्वीर का कथित अपमान किए जाने के बाद हिंदू समुदाय के लोग सड़क पर उतरे। मूर्ति का निर्माण कार्य रुकने के बाद, शुक्रवार को ढाका में हजारों हिंदुओं ने मशाल जुलूस निकाला और 'जय श्री राम' के नारे लगाए। लोगों ने इस कथित अपमान के लिए जिम्मेदार लोगों की गिरफ़्तारी की मांग की है। बांग्लादेश में यह नया तनाव उत्तरी गाइबांधा जिले के पलाशबाड़ी में भगवान राम की 81 फीट ऊंची मूर्ति का निर्माण कार्य रोके जाने के कुछ दिनों बाद पैदा हुआ है।

इस्लामी समूहों ने दी धमकी

इस प्रोजेक्ट को चलाने वाली 'श्री श्री राधा गोविंद मंदिर समिति' का दावा है कि अधिकारियों को इस्लामी समूहों से धमकियां मिली थीं। रंगपुर में पुलिस द्वारा हिंदुओं को प्रदर्शन करने से रोकने के बाद मामूली झड़प हुई। प्रदर्शनकारियों का आरोप है कि इस महीने की शुरुआत में गाइबांधा में एक प्रदर्शन के दौरान इस्लामी भीड़ ने भगवान राम की तस्वीर पर जूता रखकर उसका अपमान किया। इस घटना ने मुस्लिम-बहुल बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों के अधिकारों को लेकर चिंताएं फिर से बढ़ा दी हैं।

मामले में केस दर्ज

मामले में केस दर्ज हो चुका है, लेकिन अब तक किसी की गिरफ्तारी नहीं हुई है। शुक्रवार को कई हिंदू संगठनों और छात्रों ने मुख्य शाहबाग चौराहे पर इकट्ठा होकर नेशनल प्रेस क्लब तक मार्च किया। यह विरोध-प्रदर्शन 'हिंदू महाजोट' ने बुलाया था। संगठन ने नेशनल प्रेस क्लब के सामने मानव श्रृंखला भी बनाई। एक अन्य समूह ने ढाका रिपोर्टर्स यूनिटी (डीआरयू) बिल्डिंग के पास प्रोटेस्ट किया।

देशव्यापी आंदोलन का ऐलान

प्रदर्शनकारियों ने इसमें शामिल लोगों की गिरफ्तारी की मांग करते हुए 72 घंटे का अल्टीमेटम दिया है। इसके अलावा, हिंदू महाजोट ने कहा कि अगर भगवान राम की मूर्ति का निर्माण फिर से शुरू करने की अनुमति नहीं दी गई, तो वे बांग्लादेश के सभी 64 जिलों में एक-एक करके राम मंदिर बनाएंगे। शनिवार को धार्मिक मामलों के मंत्रालय को एक ज्ञापन भी सौंपा।

खगोलीय

अपनी परछाई तक नहीं दिखती

21 जून को क्यों होता है साल का सबसे बड़ा दिन

इस हफ्ते रविवार, 21 जून को साल का सबसे बड़ा दिन होगा। इस दिन उत्तरी गोलार्ध में समर सॉल्स्टिस (ग्रीष्म संक्रांति) मनाई जाएगी, जो खगोलीय रूप से गर्मियों की शुरुआत का प्रतीक है। आमतौर पर इसे पूरे दिन की घटना माना जाता है, लेकिन असल में यह एक खास पल होता है, जब गोलार्ध सूरज की ओर सबसे ज्यादा झुकता है।

कोलंबो। इस साल वह सटीक समय 21 जून को 09:24 BST (ब्रिटिश समर टाइम) है। उत्तरी गोलार्ध में 21 जून को सबसे बड़ा दिन होता है। इसके उलट दक्षिणी गोलार्ध में इस दिन साल की सबसे लंबी रात और सबसे छोटा दिन होता है।

उत्तरी गोलार्ध में रहने वालों के लिए इसे आमतौर पर गर्मियों के बीच का दिन माना जाता है। इसमें दिन की रोशनी सबसे ज्यादा और अंधेरा सबसे कम समय के लिए होता है। 21 जून को दोपहर के समय सूरज जब सिर के एकदम ऊपर आएगा तो कुछ पलों के लिए परछाई देखना संभव नहीं होगा। इसलिए इसे जीरो शैडो डे कहते हैं।

एक जैसी रहती सूरज की रोशनी

समर सॉल्स्टिस के दिन उत्तरी गोलार्ध सूरज की ओर सबसे ज्यादा झुका होता है और सूरज ट्रॉपिक ऑफ कैंसर (कर्क रेखा) के ठीक ऊपर दिखाई देता है। अगर यह झुकाव ना होता तो हम मौसम का अनुभव तो करते, लेकिन अलग-अलग ऋतुएं नहीं देख पाते। ऐसा होता, क्योंकि फिर पूरे साल दिन की रोशनी तकरीबन एक जैसी रहती। सॉल्स्टिस शब्द लैटिन शब्दों सोल (सूरज) और सिस्टेरे (स्थिर होना) से आया है। यह आसमान में सूरज की चाल में दिखने वाले ठहराव को दिखाता है। साल का सबसे लंबा दिन होने के बावजूद समर सॉल्स्टिस के दिन सूरज सबसे देर से अस्त नहीं होता और ना ही सबसे जल्दी उगता है। सूरज सबसे जल्दी समर सॉल्स्टिस से पहले उगता है और देर में उसके बाद अस्त होता है।

सॉल्स्टिस हमेशा 21 जून को होता है?

सॉल्स्टिस आमतौर पर 21 जून को होता है, लेकिन हमेशा 21 जून को नहीं होता है। यह साल के हिसाब से 20 से 22 जून के बीच कभी भी हो सकता है। लीप ईयर (अधिवर्ष) में यह आम तौर पर 20 जून को पड़ता है। यह बदलाव इसलिए होता है, क्योंकि पृथ्वी को सूरज का चक्कर लगाने में पूरे कैलेंडर वर्ष की तुलना में छह घंटे ज्यादा समय लगता है। सूरज की रोशनी में बदलाव होता है, क्योंकि हमारा ग्रह बिल्कुल सीधी धुरी पर नहीं घूमता बल्कि यह झुका हुआ है। इस झुकाव के कारण सूरज का चक्कर लगाते समय पृथ्वी के अलग-अलग हिस्सों तक पहुंचने वाली सूरज की रोशनी की मात्रा पूरे साल बदलती रहती है। साल के आधे समय तक पृथ्वी का उत्तरी हिस्सा सूरज की ओर झुका रहता है।

खगोलीय और मौसम-संबंधी गर्मियों में अंतर

सोलस्टिस खगोलीय रूप से गर्मी की शुरुआत है, लेकिन मौसम विज्ञान के नजरिए से गर्मी कई हफ्ते पहले शुरू हो जाती है। मौसम वैज्ञानिक उत्तरी गोलार्ध में गर्मी की शुरुआत 1 जून और अंत 31 अगस्त को मानते हैं। ऐसा इसलिए है, क्योंकि मौसम से जुड़े आंकड़ों की तुलना करना आसान बनाने के लिए सभी चार मौसमों को तीन-तीन महीने की अवधियों में बांटा गया है।

झील पर निर्भरता और बदलती जीवनशैली : तुर्काना झील, जिसे 'जेड सी' भी कहा जाता है, इस जनजाति की जीवनरेखा है। प्राचीन समय से ही ये लोग इस झील के जलीय जीवों पर निर्भर रहे हैं। हालांकि, बदलते समय और वन्यजीव संरक्षण कानूनों के कारण इनकी लाइफस्टाइल में बदलाव आया है। केन्याई सरकार ने वन्यजीवों की घटती संख्या को देखते हुए मगरमच्छ और दरियाई घोड़े के शिकार पर कड़ा प्रतिबंध लगा दिया है। अब इस जनजाति को शिकार के बजाय मछलियां पकड़कर अपना जीवन यापन करने की हिदायत दी गई है। एल मोलो लोग अब मुख्य रूप से नाइल पर्च और तिलापिया जैसी मछलियों पर निर्भर हैं, लेकिन फिर भी चोरी-छिपे शिकार की खबरें कभी-कभी सामने आती रहती हैं।

कार्यालय नगर पंचायत गुरूर, जिला - बालोद (छ.ग.)
Email : nagarpanchayatgurur@gmail.com, Phone No : 07749-299800,

-:: ई-प्रोक्यूरमेंट निविदा आमंत्रण द्वितीय सूचना ::-
Main Portal: http//eproc.cgstate.gov.in

क्रमांक/377/लो.नि.वि./ई-निविदा/2026-27 गुरूर, दिनांक 19/06/2026

नगर पंचायत गुरूर अनुपचारित जल प्रबंधन घटक अंतर्गत निम्नानुसार कार्य के लिये छ.ग. के लोक निर्माण विभाग में एकीकृत पंजीयन प्रणाली अंतर्गत उपयुक्त श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदारों से प्रमुख अभियंता लोक निर्माण विभाग, छत्तीसगढ़ रायपुर द्वारा जारी प्रभावशील दर अनुसूची अनुसार लमसम दर पर कार्य संपादन हेतु दिनांक 06/07/2026 तक ऑनलाईन (Online) निविदा आमंत्रित की जाती है -

क्र.	कार्य का नाम	टेण्डर सिस्टम नम्बर	अनु. लागत (लाख में)	अमानत राशि (लाख में)	ठेकेदार की श्रेणी	कार्य पूर्ण करने की अवधि	प्रभावशील दर अनुसूची
01	02	03	04	05	06	07	08
1	Construction, Testing, Commissioning of all the Components of Interception and Diversion Based Sewage Treatment Plant (STP) work including 05 Years of Operation and Maintenance of the Entire System in NAGAR PANCHAYAT, GURUR under SBM 2.0	193760	388.65	1.94	ब एवं उच्च वर्ग	15 माह	LUM-SUM

उपरोक्त कार्य का निर्धारित अमानत राशि, निविदा की सामान्य शर्तें, निविदा दस्तावेज व कार्य से संबंधित अन्य विस्तृत जानकारी कार्यालयीन अवधि में नगर पंचायत गुरूर कार्यालय के लोक कर्म शाखा से प्राप्त की जा सकती है। साथ ही यह जानकारी ई-प्रोक्योरमेंट वेब पोर्टल Main portal:eproc.cgstate.gov.in से डाउनलोड की जा सकती है।

मुख्य नगर पालिका अधिकारी
नगर पंचायत गुरूर, जिला बालोद (छ.ग.)

प्रारूप -28
ई-निविदा आमंत्रण सूचना
मध्य प्रदेश शासन नगर पालिका परिषद सीहोर

एन.आई.टी. संख्या / 2498 / ई टेंडरिंग दिनांक 12/6/026

निम्नलिखित निर्माण हेतु ठेकेदार और ख्याति फर्म्स से जो निविदा मानदंडो को पूरा करती हो ऑनलाईन बोली आमंत्रित हैं

क्र.सं./पैकेज / कोड	आपूर्तियाँ	जिला (जिले)	संभावित राशि	अवधि (दिन)
2026_UAD _514276_1	CONSTRUCTION OF NALA AT BHOPAL NAKA TO C-2 NALA AND BUTIFICATION, WARD-08	सीहोर	2,12,25,101/-	12 माह

1. इच्छुक बोलीदाता वेबसाईटhttp://mptenders.gov.in पर NIT देख सकते है ।
2. बोली दस्तावेज सार्वजनिक अवकाश को छोड़कर दिनांक 10.06.2026 प्रातः 11.00 से 09.07.2025 सांय 17.30 तक ऑनलाईन क्रय किये जा सकते है।
3. NIT में संशोधन, यदि कोई होता है, तो केवल, वेबसाईट पर प्रकाशित किया जाएगा और समाचार पत्र में नही ।
4. इसके अतिरिक्त किसी भी स्पष्टीकरण की आवश्यकता हो तो कृपया श्री विजय कोली सहायक यंत्री नगर पालिका परिषद् सीहोर से संपर्क करें ।

संपर्कः मो. नम्बर, 9340307554

विकास प्रिंस राठौर
अध्यक्ष
नगर पालिका परिषद् सीहोर

सुधीर कुमार
मुख्य नगरपालिका अधिकारी
नगर पालिका परिषद सीहोर

पेड़ से तोड़ना ही नहीं, गिरा हुआ आम उठाना भी माना जाता है चोरी

सिंगापुर। भारत में पड़ोसी के पेड़ से आम चुराना या सड़क किनारे गिरे आम को उठा लेना आम बात है, लेकिन सिंगापुर में ऐसा करने की सोच भी महंगी पड़ सकती है। सिंगापुर के पार्कों और वृक्षों से सम्बंधित मुख्य कानून के तहत सार्वजनिक पार्कों, सड़कों या सरकारी जमीन पर लगे पेड़ों के फल तोड़ना या गिरे हुए फल उठाना पूरी तरह अवैध है। बिना अनुमति के ऐसा करने पर 5000 सिंगापुर डॉलर (लगभग 4.7 लाख) तक का जुर्माना लग सकता है। अगर नेचर रिजर्व या नेशनल पार्क में ऐसा किया तो जुर्माना 50,000 सिंगापुर डॉलर तक और 6 महीने तक की जेल भी हो सकती है।

4.7 लाख रुपए का लग सकता है जुर्माना

वाकई में लग चुका है जुर्माना : कई मामलों में लोग इस कानून की वजह से फंस चुके हैं। गिरे हुए फल उठाने पर भी पुलिस कार्रवाई कर चुकी है। सिंगापुर सरकार का कहना है कि फल बर्बाद होने दें, लेकिन बिना अनुमति के ना छुएं। अगर कोई फल तोड़ना चाहता है तो पहले अनुमति लेनी पड़ती है, जो आमतौर पर आसान नहीं होती।

भारत / सिंगापुर

भारत में आम के मौसम में लोग पेड़ों के नीचे इंतजार करते हैं कि आम गिरे तो उठा लें। पब्लिक प्लेस पर लगे पेड़ों के फल पर होड़ लग जाती है। लेकिन, सिंगापुर में सभी सरकारी जमीन पर लगे पेड़ और उनके फल सरकार की संपत्ति माने जाते हैं। वहां अनुशासन और पर्यावरण संरक्षण को बहुत महत्व दिया जाता है। यह कानून पेड़ों को नुकसान पहुंचने से बचाने, बीमारियां फैलने से रोकने और फलों को उचित तरीके से प्रबंधित करने के लिए बनाया गया है। लोग बिना सोचे-समझे पेड़ों पर चढ़कर या शाखाएं तोड़कर फल नहीं तोड़ पाएं, इसके लिए सख्त नियम हैं।

क्यों है इतना सख्त कानून?

सिंगापुर गार्डन सिटी के नाम से जाना जाता है। यहां हरियाली और पेड़ों को बचाना प्राथमिकता है। रैंडम फॉरेजिंग (जंगली फल-फूल इकट्ठा करना) को हतोत्साहित किया जाता है, क्योंकि इससे पेड़ क्षतिग्रस्त हो सकते हैं, कीट-पतंगे फैल सकते हैं और सार्वजनिक संपत्ति का दुरुपयोग हो सकता है। सिंगापुर में रहने वाले या घूमने जाने वाले भारतीय पर्यटक अक्सर इस बात से हैरान रह जाते हैं।

आवश्यकता

आवश्यकता है- भारत के सबसे बड़े राइड-बुकिंग प्लेटफॉर्म रैपिडो से जुड़ें। ऑटो या ई-रिक्शा चलाकर प्रतिदिन रू 500-रू 1000 तक की गारंटीड कमाई करें बिना किसी कमीशन के । जुड़ने के लिए कॉल करें - 8929449955 (रायपुर /21/जून 26)

छोटा विज्ञापन बड़ा लाभ

सूचना - पाठकों से अनुरोध है कि हरिभूमि समाचार पत्र में प्रकाशित सभी प्रकार के विज्ञापनों (डिस्प्ले एवं रनिंग क्लासीफाईड में दिए गए तथ्यों के बारे में अपने विवेक से निर्णय लें। हरिभूमि समूह की विज्ञापनों के तथ्यों से संबंधित कोई जिम्मेदारी नहीं होगी।

छोटा लिंग निराश क्यों?
जोश जगा दे धूम मचा दे।

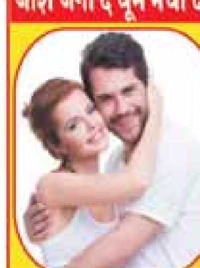

18 से 80 वर्ष तक लाभदायक
लिंगको 8-9 ईन्च लम्बा मोटा, कठोर बनाये। सैक्स टाइम 30 से 45 मिनट बढाएं।
नसों की कमजोरी नामर्दी, धातु का पतलापन, शुगर, बी.पी. में भी जबरदस्त लाभदायक।
घर बैठे मंगवाये।
लाभ नही तो पैसे वापिस।
09083218330

एलआईसी हाउसिंग फाइनेंस लिमिटेड
LIC HFL
भोपाल बैक ऑफिस, 6ए-6बी, पहली मंजिल, सूरी आर्केड, गोविंद गार्डन, बिजली नगर के सामने, रायसेन रोड, गोविंदपुरा, भोपाल 462023 दूरभाष. 0755-4063007, 4063008

ई.नीलामी बिक्री नोटिस

चूँकि नीचे हस्ताक्षरकर्ता ने एलआईसी हाउसिंग फाइनेंस लिमिटेड (एलआईसी एचएफएल) के प्राधिकृत अधिकारी होने के नाते, वित्तीय आस्तियों के प्रतिभूतिकरण एवं पुनर्निर्माण तथा प्रतिभूति हित प्रवर्तन अधिनियम, 2002 के अंतर्गत तथा प्रतिभूति हित (प्रवर्तन) नियम, 2002 के नियम 3 के साथ पठित धारा 13 (2) के तहत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए निम्नलिखित उधारकर्ताओं / बंधककर्ताओ/गारंटरों को डिमांड नोटिस जारी किया है, जिसमें उनसे उक्त नोटिस में उल्लिखित बकाया राशि चुकाने का आह्वान किया गया है। तथापि, ऋणी/बंधककर्ता/गारंटर उक्त देय राशि का भुगतान करने में असफल रहे हैं।

अतः नीचे हस्ताक्षरकर्ता ने उक्त अधिनियम की धारा 13(4) और धारा 14 के साथ नियम 8 में प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए सांकेतिक / भौतिक कब्जा ले लिया है। यह सूचना आम जनता को तथा विशेष रूप से ऋणी(ओं)/ गारंटर(ओं) को दी जाती है कि नीचे वर्णित अचल संपत्ति एलआईसी एचएफएल के पास बंधक रखी गई है, जिसका कब्जा एलआईसी एचएफएल के प्राधिकृत अधिकारी द्वारा ले लिया गया है तथा इसे "जहां है जैसा है", "जो है जैसा है" तथा "जो कुछ भी है" के आधार पर तथा बिना किसी सहारा के आधार पर दिनांक **05.08.2026**, को नीचे दिए गए संक्षिप्त विवरण के अनुसार बेचा जाएगा।

प्रापर्टी 1 श्री विवेक पाडे लोन नंबर 120500013307

संपत्ति का विवरण

संपत्ति का पूर्ण विवरण कार्पोरेशन लीज प्लाट संख्या 141, डायवर्सन प्लाट संख्या 683, शीट संख्या 155-डी का भाग, फ्लैट संख्या 307, द्वितीय तल, सुभाष नगर, राइट टाउन, सुभद्रा कुमारी चौहान वार्ड, जबलपुर, म.प्र.

मांग सूचना तिथि: 11-11-2024 मांग राशिः रु. 15,44,449.19/- + ब्याज व अन्य खर्चे सहित	ACCOUNT DETAILS
भौतिक कब्जे की तिथि – 12-06-2026	Beneficiary Name: LIC Housing Finance Ltd.
निश्चित आरक्षित मूल्य - 16,10,000/- (सोलह लाख दस हजार मात्र)	Bank: Axis Bank, Centralised Collection Hub
ईएमडी रु. 1,61,000/- (केवल एक लाख इकसठ हजार रुपये)	Account No: LHBP120500013307
05-08-2026 -तक देय कुल राशि – रु. 19,32,303.14/-	IFSC Code: UTIB0CCH274
Website of E-Auction: https://www.auctionbazaar.com	auctionbazaar.com
संपत्ति दस्तावेजों की फोटोकॉपी के निरीक्षण की तिथि और समयः 30.07.2026 दोपहर 12.00 बजे से अपराह्न 2.00 बजे तक	नीलामी की तिथि एवं समय अवधिः 05.08.2026 दोपहर 01:00 बजे से अपराह्न 3:00 बजे तक संपत्ति का पता जहां दस्तावेजों का निरीक्षण किया जा सकता है एलआईसी हाउसिंग फाइनेंस लिमिटेड, पहली मंजिल, प्लॉट नंबर 1919, राइट टाउन, प्रेम मंदिर के पास, जबलपुर एम.पी., 482002
संपत्ति का निरीक्षण	26.06.2026 दोपहर 03:00 बजे से 05:00 बजे तक
संपर्क व्यक्तिः पवन निगम.	संपर्क विवरण : 8349973965
सेवा प्रदाता से ई-नीलामी का संपर्क विवरण	ARCA EMART PVT LTD (www.auctionbazaar.com) 6-3-1090/1/1, दूसरी मंजिल, भाग बी, उमा हैदराबाद हाउस राजभवन रोड, सोमाजीगुडा, हैदराबाद-500082, तेलंगाना, भारत, Email: contact@auctionbazaar.com/, disposal.central@auctionbazaar.com & 7799830999 / 8370969696
ऑनलाइन निविदा / बोली जमा करने की अंतिम तिथि	01.08.2026 और शाम 5:00 बजे से पहले
ई-नीलामी तिथि	05.08.2026 दोपहर 01:00 बजे से शाम 3:00 बजे तक

'नीलामी के अन्य सभी नियम व शर्तें आधिकारिक वेबसाइट https://online.lichousing.com/eauction/ पर अनुलग्नक 2 के रूप में उल्लिखित हैं।

दिनांक : 21.06.2026
स्थान : जबलपुर

आज्ञा से
प्राधिकृत अधिकारी
एलआईसी हाऊसिंग फायनेंस लि.

राशिफल

मेष – मन में शान्ति एवं प्रसन्नता रहेगी। नौकरी में कार्यक्षेत्र में परिवर्तन हो सकता है। परिश्रम अधिक रहेगा। जीवनसाथी के स्वास्थ्य का ध्यान रखें।

वृष – अपनी भावनाओं को वश में रखें। परिवार के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। कारोबार में कुछ समस्याएं आ सकती है। भाई-बहनों का सहयोग मिल सकता है।

मिथुन – मन परेशान रहेगा। व्यर्थ के क्रोध एवं वाद-विवाद से बचें। परिवार के साथ किसी धार्मिक स्थान की यात्रा पर जा सकते हैं। स्वास्थ्य का ध्यान रखें।

कर्क – आत्मविश्वास तो बहुत रहेगा, परन्तु मन परेशान हो सकता है। परिवार का साथ मिलेगा। किसी मित्र के सहयोग से आय के स्रोत विकसित हो सकते हैं।

सिंह – शैक्षिक कार्यों में कठिनाई हो सकती है। सचेत रहें। किसी मित्र से कारोबार का प्रस्ताव मिल सकता है। कारोबार के लिए विदेश यात्रा लाभदायक रहेगी।

कन्या – मन प्रसन्न रहेगा, परन्तु नौकरी में अफसरों से व्यर्थ के वाद-विवाद से बचें। कठिनाइयों का सामना करना पड़ सकता है। कोई जिम्मेदारी मिल सकती

तुला – आत्मविश्वास में कमी रहेगी। नौकरी के लिए साक्षात्कारादि कार्यों में सफलता मिलेगी। शैक्षिक कार्यों में व्यवधान आ सकते हैं।

वृश्चिक – आत्मविश्वास भरपूर रहेगा। आत्मसंयत भी रहें। पारिवारिक जीवन सुखमय रहेगा। नौकरी में कोई अतिरिक्त जिम्मेदारी मिल सकती है।

धनु – मन में उतार-चढ़ाव रहेंगे। पिता के स्वास्थ्य में सुधार होगा। परन्तु जीवनसाथी के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। रहन-सहन कष्टमय हो सकता है।

मकर – वाणी में मधुरता रहेगी, परन्तु धैर्यशीलता में कमी रहेगी। माता के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। खर्चों में वृद्धि होगी। परिवार का साथ मिलेगा। आय में वृद्धि

कुंभ – मन प्रसन्न तो रहेगा, परन्तु संयत भी रहें। क्रोध से बचें। सन्तान के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। खर्चों में वृद्धि होगी। कारोबारी कार्यों में व्यस्तता बढ़ेगी।

मीन – शान्ति एवं प्रसन्नता रहेगी। नौकरी में कार्यक्षेत्र में परिवर्तन हो सकता है। परिश्रम अधिक रहेगा। जीवनसाथी के स्वास्थ्य का ध्यान रखें।

वैवाहिकी
वधु चाहिए

वधु चाहिए
विश्वकर्मा (लोहार)
17.09.82 / 5'-11"
एमबीबीएस, अविवाहित, डॉक्टर प्रायवेट क्लीनिक, मासिक आय 1.50 लाख हेतु हायर सेकेण्डरी ग्रेजुएट शिक्षित अविवाहित वधु चाहिए। सभी हिन्दु उच्च जाति मान्य। ब्यूरो क्षमा।
सम्पर्क करें
9131453175

पश्चिम मध्य रेल
इंजीनियरिंग विभाग खुली निविदा

निम्नलिखित कार्य के ई-निविदा भारत संघ के राष्ट्रपति के पक्ष में वरिष्ठ मंडल अभियंता (समन्वय) मंडल रेल प्रबंधक (कार्य) पश्चिम मध्य रेल्वे, जबलपुर के द्वारा आमंत्रित की जाती है। **1. निविदा सूचना कमांक** : डी.आर.एम. डब्ल्यू-जे.बी. पी-99-2026 दिनांक : 17.06.2026, **कार्य का नाम लोकेशन सहितः** सहायक मंडल अभियंता ब्योहारी उप मंडल के अंतर्गत सरईग्राम डिपो में फरवरी 2023 की रेलवे विशिष्टताओं के अनुसार 65 मिमी मशीन क्रश किए गए कठोर और टिकाऊ ट्रैक पत्थर बैलास्ट की आपूर्ति भंडारण और लोडिंग करना जिसमें सभी लीड लिफ्ट टैक्स रॉयल्टी ड्यूटी आदि शामिल हैं।, **कार्य का अनुमानित मूल्यः** 9,47,78,084/–, **बयाना राशि रूपये** : 18,95,600/–, **समापन अवधिः** 22 माह, **2. निविदा सूचना कमांक** : डी.आर.एम. डब्ल्यू-जे.बी. पी-100-2026 दिनांक :17.06.2026, **कार्य का नाम लोकेशन सहितः** सहायक मंडल अभियंता जबलपुर/मुख्यालय/उपमंडल के अंतर्गत पेयजल, स्वच्छता, प्लेटफॉर्म धुलाई, कोच वाटरिंग तथा अन्य यात्री उपयोग हेतु समर्पित एवं विश्वसनीय 24x7 जल आपूर्ति की व्यवस्था का प्रावधान।, **कार्य का अनुमानित मूल्यः** 9,98,69,283/–, **बयाना राशि रूपयेः** 19,97,400/–, **समापन अवधिः** 18 माह, **3. निविदा सूचना कमांक** : डी.आर.एम. डब्ल्यू-जे.बी. पी-101-2026 दिनांकः 18.06.2026, **कार्य का नाम लोकेशन सहितः** सहायक मंडल अभियंता (उत्तर) सतना उपमंडल के अंतर्गत सतना स्थित 6 लाख लीटर प्रतिदिन क्षमता वाले अपशिष्ट जल पुनर्चक्रण (Waste Water Recycle) संयंत्र का 24 माह तक संचालन, अनुरक्षण एवं रखरखाव का कार्य एवं सहायक मंडल अभियंता (उत्तर) सतना उपमंडल के अंतर्गत विभिन्न जलापूर्ति पम्पिंग प्रतिष्ठानों पर जलापूर्ति पम्पिग, संयंत्रों एवं वाल्यों का संचालन एवं अनुरक्षण तथा तरल क्लोरीन एवं फिटकरी (Alum) की आपूर्ति का दो वर्ष की अवधि के लिए कार्य, जिसमें सतना 05, जैतवारा 01, रीवा 01, मझगवां 01, टिकरिया 01 एवं बघई रोड 01 (कुल 10 नं. शामिल हैं) 1, **कार्य का अनुमानित मूल्यः** 47,63,073/–, **बयाना राशि रूपयेः** 95,300/–, **समापन अवधिः** 24 माह, **उपरोक्त सभी निविदा के लिये निविदा प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि एवं समय 15.00 बजे तकः** 14/07/2026, **उपरोक्त सभी निविदा के लिये निविदा खुलने का समय 15:15 बजे तिथिः** 14/07/2026, उपरोक्त ई-निविदा संपूर्ण जानकारी वेबसाइट https://ireps.gov.in उपलब्ध है एवं इसकी पूरी जानकारी मंडल रेल प्रबंधक (कार्य) कार्यालय पश्चिम मध्य रेलवे, जबलपुर के नोटिस बोर्ड पर रखी गई है। ई-निविदा के अलावा उपरोक्त कार्य के लिए कोई भी निविदा स्वीकार नही की जायेगी। हस्ता

मंडल रेल प्रबंधक (कार्य), पश्चिम मध्य रेल, जबलपुर

स्वच्छ भारत अभियान एक कदम स्वच्छता की ओर

शब्द पहेली - 6263

बाएँ से दाए-
2. पिता की बहन-2
5. कठोर-2
7. खून, रुधिर-2
8. मशरुम, फफूंद-3,2
9. इसे मकड़ी बुनती है-2
10. अपशिष्ट पदार्थ-2
11. धैर्य, संयम-2
13. स्फूर्ति, चंचलता-4
15. ओस, निशाजल-4
17. राशि निर्धारण-5
18. हलकापन-5
20. खालीपन, रिक्तता-4
23. स्नान करवाना-4
26. दंड-2
27. कार्य-2
28. कुर्बानी-2
29. कहानी का लेखक-5
30. प्रतिबिंब-2
31. गाना, नगमा-2
32. मां की मां-2

ऊपर से नीचे
1. बंदूक की गोली-4
3. व्याकुलता-4
4. दौरान, मध्य में-5
5. सत्ताधारी-4
6. नरम, अकठोर-4
10. शराब, सुरा-2
12. ईश्वर-2
14. गतिशीलता-5
16. नवीन, नया -2,3
19. उद्योगपति अनिल अंबानी की पत्नी का पूर्व नाम-5
20. प्रतिपूर्त व अनुपुर्त करना (अंग्रेजी-4)
21. मवाद-2
22. नाजुकता-4
23. मना करना-4
24. मैं का बहुवचन -2
25. नाकारा, बेकार-4

शब्द पहेली -6262 का हल

सूडोकु नवताल- 6273

सरल

2	9			5				4
4			2		7		8	
	1	6		8				3
8		5		9				7
3	6			2			1	9
1				3		5		2
5				7		6	3	
	3		1		8			5
9				6			2	1

MANGAL SENACHA, BANGALORE

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल- 6272 का हल

7	8	1	6	9	4	2	5	3
2	6	4	5	3	6	1	7	9
5	3	9	1	2	7	4	6	8
9	5	8	7	4	1	3	2	6
1	2	3	9	5	6	7	8	4
4	7	6	3	8	2	9	1	5
3	9	7	2	6	5	8	4	1
6	4	2	8	1	9	5	3	7
8	1	5	4	7	3	6	9	2

एआई इमेज

{ आवरण कथा }

मैं उसी तरह का इंसान हूं, जैसे पिताजी थे

वरुण बडोला, अभिनेता-लेखक

मेरे पिता विश्वमोहन बडोला जाने-माने रंगकर्मी और पत्रकार थे। पढ़ने-लिखने के बहुत शौकीन। बचपन में मेरे सामने भी दो विकल्प थे कि मैं भी उनकी तरह पत्रकार बन जाऊं या कलाकार। मैंने अभिनय को चुना। लिखने का शौक भी मेरे अंदर पिताजी से ही आया। चूंकि मैं एक कलाकार के घर में पल रहा था तो उस वातावरण में मैं बहुत सारी थिएटर, अभिनय और स्टेज से जुड़ी शुरुआती बेसिक स्किल्स, जो लोग बाहर जाकर कोर्स करके सीखते हैं, जैसे- कैसे बोलना है, चलना है, भाषा, उच्चारण आदि, यह सब मैंने पिताजी से घर पर ही सीखीं। उन्हें थिएटर और रेडियो में काम करते हुए देखकर, सुनकर सीखा, समझा। एक कलाकार के घर जन्म लेने का यह फायदा मुझे मिला। जब मैं हताशा और निराशा के पलों में होता तो भी वे मुझे बहुत अच्छी तरह से समझाते थे। मुझे लगता है कि हर पिता में यह दूरदर्शिता होती है और जब बात अपने बच्चों पर आ जाती है, तब वे पहले ही भांप लेते हैं कि जो स्थिति है उसका परिणाम क्या हो सकता है? ऐसा कई बार हुआ, मैं किसी परिस्थिति से जूझ रहा होता और वे मुझे कहते थे कि मुझे ऐसा लग रहा है कि आने वाले दिनों में परिस्थितियां ऐसे बदलेंगी और इस तरीके की एक तस्वीर सामने आएगी। इसके अलावा कोई काम करना चाहिए या नहीं करना चाहिए। या एक ही जगह पर रुक जाना चाहिए? इस तरह की बहुत-सी बातों पर वे अपनी राय रखते थे। आज पापा को गए छह साल हो चुके हैं। मेरा और पापा का रिश्ता बहुत कुछ अनकहे पर आधारित था। हमारी एक-दूसरे को लेकर जो सोच और भावनाएं थीं, वह हम दोनों ने शब्दों में बहुत ज्यादा कभी व्यक्त नहीं की, लेकिन मैं यह मानता हूं कि भावनाओं का आदान-प्रदान बिना कुछ कहे भी हो सकता है। मैं उसी तरह का इंसान हूं, जिस तरह के वे थे। समय के साथ रिश्ते आगे बढ़ते हैं लेकिन ऐसा कभी नहीं हुआ कि हम दोस्त हो गए। मैं चाहता भी नहीं था कि मेरे पिताजी मेरे दोस्त बनें। मैं अपने पिताजी को पिता के रूप में ही देखना चाहता था। k

पिता दिवस विशेष

आम लोग हों या सेलिब्रिटी, हर किसी के जीवन में पिता बहुत मायने रखते हैं। भले ही वे संतान से जुड़ी अपनी भावनाओं को व्यक्त ना करते हों, लेकिन उसके जीवन को संवारने के साथ उसे हमेशा सुरक्षा और संबल देते हैं। अलग-अलग क्षेत्र से जुड़ी कुछ नामचीन हस्तियां यहां बता रही हैं कि अपने पिता से उनकी कैसी बॉन्डिंग रही है, उन्होंने किस-किस तरह से उनका हौसला बढ़ाया, उनके जीवन को संवारा।

उदात्त-अद्वितीय पिता का साया

मेरी सफलता का सारा श्रेय पिताजी को जाता है

अनूप जलोटा, गायक

मेरे पिता श्री पुरुषोत्तम दास जलोटा ने मुझे पढ़ाने-लिखाने पर जितना ध्यान दिया, उतना ही गुरु के रूप में संगीत सिखाने के लिए भी हर संभव प्रयास किया। इस तरह वे मेरे पिता व गुरु दोनों थे। मेरे लिए वे ईश्वरतुल्य हैं, मुझे उनकी बहुत कृपा प्राप्त हुई। मेरी सफलता का सारा श्रेय पिताजी को जाता है। संगीत के क्षेत्र में करियर कैसे बनाना है, आगे कैसे बढ़ना है, सब उन्हीं का मार्गदर्शन रहा। उन्होंने जो कहा, मैंने वैसा किया। उन्होंने मुझे जीवन की एक ऐसी सीख दी, जिसे मैं आज भी याद रखता हूं। उन्होंने कहा था, 'बेटा सबसे प्रेम से मिला करो। चाहे कितना भी सफल हो जाना, घमंड कभी मत करना। ये नेम-फेम क्षणिक होता है। इसलिए अगर लोगों से प्रेम से मिलोगे, उनसे मधुर संबंध बनाओगे तो यह जीवन भर बहुत काम आएगा।'

बतौर संगीत गुरु मेरे पिताजी बहुत सख्त और अनुशासनप्रिय थे। मुझे याद है, मैं जब सात-आठ साल का था, तब वे अकसर मुझे एक तानपुरा देकर कमरे में बंद कर देते और कहते थे कि अब दो घंटे बस एक ही सुर लगाओ। उस समय मुझे यह बहुत मुश्किल लगता था, लेकिन उस समय मैंने जो सुर लगाने का अभ्यास किया, वो आज तक बरकरार है। एक बार मुझे एक प्रोग्राम में गाने के लिए बुलाया गया, लेकिन आयोजकों के पास तबला, हारमोनियम वादक नहीं थे। मैंने सोचा कि मैं बिना संगत के कैसे गाऊंगा? मैंने पिताजी को सारी बात बताई। इस पर पिताजी बोले, 'तुम आज से हारमोनियम बजाना सीखो।' मैंने वैसा ही किया। उस समय मैं आठ वर्ष का था। तब से आज तक गाते समय मैंने कभी किसी हारमोनियम वादक को संगत के लिए नहीं बुलाया। मैं गाते वक्त खुद हारमोनियम बजाता हूं। कहने का मतलब है कि उनकी हर सीख ने बतौर गायक मुझे संवारा। उनकी हर सीख मेरे साथ हमेशा रहती है। k

जीवन के हर पड़ाव पर पापा हमेशा मेरे साथ खड़े रहे हैं

स्नेहा चक्रधर, भरतनाट्यम नृत्यांगना

मैं बहुत भाग्यशाली हूं कि एक ऐसे माहौल में पैदा हुई, जहां साहित्य व संगीत दोनों लगातार मौजूद रहे। ऐसा माहौल आम घरों में आसानी से नहीं मिलता, लेकिन मुझे विरासत में मिला। इसी माहौल ने मेरे व्यक्तित्व का निर्माण किया। बचपन से मैं देखती थी कि मेरे पापा, श्री अशोक चक्रधर जो भी काम करते हैं, बेहद परफेक्शनिज्म के साथ करते हैं। कोई कमी न रह जाए, इसलिए पूरा तन-मन-धन लगा देते हैं। बचपन की एक घटना मुझे याद है कि एक बार मैंने अपनी किसी सहेली से बोला, 'अगर मेरे पापा मोची होते तो दुनिया का सबसे सुंदर जूता बनाते।' मतलब, मैं बचपन से जानती थी कि पापा के काम में कमी निकालना बहुत मुश्किल काम है। मैंने समाजशास्त्र और नृत्य दो विषयों को चुना और इन दोनों को एक साथ देखने, समझने की प्रेरणा मुझे पापा से ही मिली। पापा का व्यक्तित्व बहुआयामी रहा है, चाहे फिल्म निर्माण हो, लेखन, कविता, नाटक, साहित्यिक आलोचना, कला, शिक्षण या प्रशासन हर क्षेत्र में उन्होंने अपनी विशिष्ट पहचान बनाई। उनके इसी बहुआयामी दृष्टिकोण से मैंने सीखा कि अलग-अलग रुचियों और ज्ञान क्षेत्रों को जोड़कर ही एक समृद्ध और सार्थक जीवन जिया जा सकता है। जीवन के हर पड़ाव पर पापा हमेशा मेरे साथ खड़े रहे हैं। हर चुनौती या मुश्किल समय में उन्होंने मेरा साथ दिया। उनकी बेटी होने के मुझे बहुत फायदे मिले हैं। चाहे दिल्ली के प्रतिष्ठित सांस्कृतिक और बौद्धिक परिवेश हों या छोटे-छोटे गांव, जहां भी मैं कार्यशालाओं के लिए गई। जब लोगों को पता चलता था कि मैं काका हाथरसी की नातिन और अशोक चक्रधर की बेटी हूं तो जो अपनापन, प्यार, स्वागत, सत्कार मेरा होता रहा है कि उसे शब्दों में व्यक्त करना मुश्किल है। अब मैं अमेरिका में बस गई हूं लेकिन आज भी जब पापा कुछ नया लिखते हैं तो मम्मी के बाद मैं उनकी दूसरी पाठक/श्रोता होती हूं। मैं उनसे रोज बात करती हूं और चाहती हूं कि वे हमेशा स्वस्थ रहें और लिखते रहें। k

प्रस्तुतिः रेणु खंतवाल

अपने पिता को मैं हर सांस में याद करता हूं

चित्तरंजन त्रिपाठी, एनएसडी डायरेक्ट-एक्टर

मेरे पिता श्री विश्वनाथ त्रिपाठी मेरे आदि गुरु हैं। मैंने अपने कला व सामाजिक जीवन में जो कुछ सीखा उसमें उनकी सबसे बड़ी भूमिका रही। पिताजी विद्वान होने के साथ सिंगर व एक्टर भी रहे हैं। वे कहते हैं, 'जीवन में कभी किसी का बुरा न करना, न सोचना। जीवन के हर मोड़ या परिस्थिति में सुकर्म करते रहना।' मूलतः उन्होंने मुझे यही सिखाया।

मुझे याद है, मैं बहुत छोटा था तभी मां का देहांत हो गया। हम तीनों भाई-बहन छोटे थे। उन्होंने हमें अकेले पाला। तमाम घरेलू काम अकेले करना, खाना बनाने से लेकर अपना काम भी करना। वे चाहते तो दूसरी शादी करके अपने जीवन को आसान बना सकते थे, लेकिन उन्होंने पूरा जीवन हम पर लगा दिया। तमाम कठिनाइयों को कठिनाई न मानकर हंसकर करने वाले व्यक्ति मेरे पिता हैं। उनकी परवरिश, देखभाल ऐसी थी कि हमें कभी मां की कमी महसूस ही नहीं हुई। समय पर खाना मिला, साफ धुले कपड़े, बिस्तर। रात को सोने से पहले हमारे पैर के तलवों पर तेल लगाना और रात को हमें दूध का गिलास पिलाना वे कभी नहीं भूलते थे।

संगीत की शुरुआती शिक्षा मैंने उन्हीं से ली। एक बार पिताजी ने मुझे 15 अगस्त पर ब्लॉक स्तर की गायन प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए भेजा। उस समय मैं बहुत छोटा था, वहां जाकर डर गया और बिना गाए वापस घर आ गया। घर आकर पिताजी को बताया तो उन्होंने कहा, 'जिसका बाप जिंदा हो वह बच्चा कभी हार या डर नहीं सकता।'

अगले साल मैंने फिर उसी प्रतियोगिता में भाग लिया और मुझे पुरस्कार मिला। उसके बाद मैंने कभी पीछे मुड़कर नहीं देखा। कहने का अर्थ है कि आर्थिक रूप से तंगी के बावजूद पिताजी ने हमें दुनिया के आगे सकारात्मक रूप से कैसे खड़ा होना है, यह सिखाया। यह भी समझाया, 'तुम्हारी सारी जिम्मेदारी मेरी है, तो तुम्हें डर किस बात का!'

मैंने 1998 में जब पहली बार 'ताजमहल का टेंडर' नाटक किया तब उन्हें उड़ीसा से दिल्ली नाटक देखने बुलाया था। नाटक समाप्त होने के बाद जब उन्होंने देखा कि दर्शक लगातार तालियां बजा रहे हैं, मुझे बधाई दे रहे हैं तो उन्हें बहुत गर्व हुआ। रात को खाना खाते वक्त उन्होंने मेरी पीठ थपथपाई और कहा, 'बहुत अच्छा हुआ कि तुमने अपने दिल की आवाज सुनी और किसी नौकरी में खुद को नहीं बांधा।' वे खुद अच्छे कलाकार हैं, इसलिए समझते हैं कि एक कलाकार को जो तालियां और प्रोत्साहन जनता से मिलता है, वह अनमोल होता है। उनसे जुड़ी कई मीठी यादें मेरी स्मृतियों में दर्ज हैं। एक बार मैं स्कॉलरशिप लेकर लंदन पढ़ने गया था। मैंने उन्हें फोन किया और कहा, 'बधाई हो आप लंदन में घूम रहे हैं।' तो बोले, 'मैं लंदन कब चला गया?' तब मैंने कहा, 'मैं आपका अंश हूं, संपूर्ण तो आप हैं। अगर मैं यहां पढ़ रहा हूं, घूम रहा हूं, तो वह आप ही हैं।' इस पर वह मुस्कुरा दिए। आज भी जब मैं अपने घर (ओडिशा) जाता हूं तो पिताजी से खूब देर तक ढेर सारी बातें करता हूं। हालांकि वे 90 वर्ष के हो चुके हैं। लेकिन मेरी बातों को ध्यान से सुनते हैं, अपने मन की बात भी कहते हैं। फादर्स डे के खास मौके पर पर मैं उनसे यही कहना चाहूंगा, 'मैं आपको हर सांस में याद करता हूं। हर पल आप मेरे दिलोदिमाग में रहते हैं। इसलिए मेरे लिए तो रोज फादर्स-डे है।' k

{ कहानी / प्रभा पारीक }

सुरक्षा कवच

पेशे से वकील माथुर साहब के घर में बने ऑफिस वाले कमरे में उनके वृद्ध पिताजी भी बैठे रहते। पिताजी को लगता कि उनकी वजह से बेटे को असुविधा होती होगी। लेकिन एक बार जब उन्होंने अपने पुत्र को पौत्र से उस कमरे और अपने बारे में बात करते सुना तो वे भावविभोर हो गए। पिता-पुत्र के संबंध पर आधारित मार्मिक कहानी।

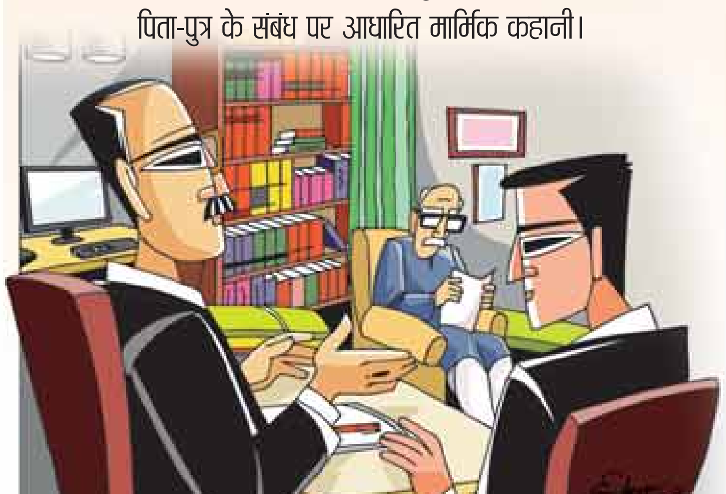

माथुर साहब के घर का वह कमरा सबसे महत्वपूर्ण था। उनके दादाजी के द्वारा बनवाया गया यह घर आज के जमाने को देखते हुए काफी बड़ा और हवादार था। उसमें भी आंगन वाले इस कमरे की बात अलग ही थी। पूरे दिन सारा कमरा माथुर साहब के पिताजी द्वारा पूजा में चढ़ाए फूलों व अगरबत्ती की खुशबू से सराबोर रहता। इस कमरे की सफाई घर में सबसे पहले होनी चाहिए, यह नियम वर्षों से था। कुछ फालतू सामान कमरे में रखा हो तो माथुर साहब स्वयं बाहर रख आते। प्रतिवर्ष पिताजी की कुर्सी-पलंग, दरवाजे-खिड़कियों पर पॉलिश होती। इसीलिए पूरा कमरा चमकता दिखता।

पेशे से वकील माथुर साहब ने पिताजी के इसी कमरे को अपना ऑफिस बना रखा था। ऑफिस के समय के दौरान घर का कोई भी सदस्य कमरे के अंदर नहीं आता। बच्चे भी दादाजी के पास शाम के बाद ही आते। दिन भर वकील साहब के पास लोगों का आना-जाना लगा रहता। पिताजी को भी इसकी आदत हो गई थी। शुरू-शुरू में एक-दो बार दबी जुबान से बेटे को कमरा बदल लेने की सलाह दी भी थी, पर माथुर साहब ने साफ इनकार कर दिया। फिर पिताजी ने भी इस विषय पर मौन धारण कर लिया था। काफी बड़ा हॉल नुमा कमरा था। माथुर साहब के पिताजी कमरे के एक कोने में बैठ कर किताब या अखबार पढ़ते कभी धीमी आवाज में रेडियो सुनते। कमरे में मौजूद छोटे से मंदिर के पास रैक में रखी धार्मिक पुस्तकें कमरे का अहम हिस्सा थीं। माथुर साहब की ओर से पिताजी के लिए कोई रोक-टोक नहीं थी। वह अपने हिसाब से पूजा-पाठ या मंत्रोच्चार करते रहते। जब उनके लिए चाय आती तब पिताजी को भी देते। पिताजी की खाने-पीने की सीमित आदतों के कारण उन्हें कोई शारीरिक तकलीफ तो नहीं थी, पर उम्र तो थी ही। माथुर साहब के पास वकालत के काम से आने-जाने वाले लोगों को पिताजी भी पहचानते थे, दुआ-सलाम के लिए वो भी अकसर उनके पास आ बैठते।

कुल मिलाकर पिताजी की उपस्थिति से माथुर साहब को कोई तकलीफ नहीं होती। पिता को क्या तकलीफ है इसकी उनको परवाह नहीं थी, ऐसा पिताजी का मानना था। उन्होंने अकसर ऐसा महसूस भी किया था पर पिताजी को इतना संतोष था कि इस बहाने से बेटा पूरे दिन उनकी आंखों के सामने रहता है। उन्हें भी अलग-अलग तरह के लोगों को नजर भर देखते रहने का अवसर मिलता। वर्षों यही सिलसिला चलता रहा। माथुर साहब का बेटा भी अब पढ़-लिखकर वकालत के लिए तैयार हो गया। उनके साथ ही काम करने लगा था। बेटे को भी यह कमरा पसंद था, क्योंकि इस कमरे में सारी सुविधाएं थीं। पर उस कमरे में दादाजी की उपस्थिति पोते को नहीं भाती थी। एक दिन उसने माथुर साहब से कहा, 'दादाजी का कमरा बदल दें या हम अपना ऑफिस किसी दूसरी जगह पर शिफ्ट कर लेते हैं।' वर्षों से माथुर साहब की पत्नी भी यही चाहती थीं, क्योंकि पिताजी की उपस्थिति के कारण वह कभी पति के पास जाकर बैठ नहीं पाती थीं। लेकिन लंबी बहस के बाद भी जब माथुर साहब इस बात के लिए तैयार नहीं हुए तो बेटा दो दिन रूठा रहा। माथुर साहब ने समस्या की गंभीरता को समझते हुए बेटे को दूसरी जगह, जहां वह चाहे, ऑफिस लेने की अनुमति दे दी, और साथ में आशीर्वाद भी। बेटे से माथुर साहब बोले, 'मैं तो यहीं से काम करूंगा। तुम अपने निर्णय के लिए स्वतंत्र हो।'

अंत में ऐसा ही हुआ, जैसा बेटा चाहता था। नई पीढ़ी हमेशा से नई सोच के साथ ही काम करती है। उसके लिए संस्कार, मूल्य कहां मायने रखते हैं। इसीलिए कुछ केस उसने अनुभव न होने के कारण ऐसे स्वीकार कर लिए, जिसमें अपयश की संभावनाएं अधिक थीं पर उसे तो मोटी फीस नजर आ रही थी। माथुर साहब ने भी सोचा परिपक्वता के लिए ठोकर और असफलता भी जरूरी है। इसी सोच के कारण उन्होंने बेटे के काम में दखल नहीं दिया। अब तो उसके पास इसी तरह के ही केस आने लगे और मुंह मांगी रकम के ऑफर भी। पर अनुभवहीन पुत्र तो पहले वाले केस को ही अभी पूरा नहीं कर पाया था। मुवक्किल का सामना करना भी आसान न था। नतीजा हुआ कि वह बहुत तनावग्रस्त रहने लगा। अपने सारे तनाव व चिंता लेकर वह एक दिन माथुर साहब के पास आकर बैठा। उस दिन किसी मुवक्किल के न होने के कारण पिता-पुत्र कमरे में अकेले थे। पुत्र ने उस दिन अपने मन का सारा तनाव पिता को कह सुनाया। कोने में बैठे उसके दादाजी भी सारी बातें सुन रहे थे। सारी बात सुनकर माथुर साहब ने अपने पुत्र से कहा, 'मेरी सफलता, मान-सम्मान के पीछे अगर किसी की सबसे बड़ी भूमिका है तो यह कमरा और इसमें बैठे रहने वाले तुम्हारे दादाजी हैं। जब मैंने काम शुरू किया तभी से यह कमरा मुझे सुरक्षा देता आया है। तुम्हारे दादाजी ने अनेक बार कहा कि मैं दूसरे कमरे में बैठकर आराम से काम करूं। पर उन्हें नहीं पता कि वे मेरे लिए कितने बड़े सुरक्षा कवच रहे हैं। शुरुआत से अपने पिता की नजरों के सामने रहा, इसीलिए किसी के लिए अपशब्द बोलना मेरी आदत में नहीं आया। पिताजी की उपस्थिति के कारण समय की मर्यादा का पालन करना मेरी आदत बन गई। इसी कमरे के कारण आने-जाने वालों ने भी मर्यादा का सदा पालन किया। तुम्हें आश्चर्य होगा कि मुझे आज तक किसी प्रकार के गलत तरह के पैसे का कोई प्रलोभन नहीं दिया गया, क्योंकि पिताजी की उपस्थिति में स्वीकारना तो दूर की बात थी, किसी को मुझसे अनैतिक कुछ कहने की हिम्मत ही नहीं हुई। इसीलिए बेटा इस पवित्र कमरे को, जिसे मैं अपना सुरक्षा कवच समझता हूं, इसके रहते मुझसे कभी कोई गलत काम नहीं होगा। अभी तक का जीवन सिद्धांतों पर चलकर बीता है, आगे भी बीत जाएगा। तुम्हें मैं यही कहूंगा कि अब समय बदल गया है। नई शैली से काम करने में परहेज मत करना, पर नैतिकता का चलन हर युग में रहा है और रहेगा। यही संस्कार मुझे अपने पिताजी से मिले और यही मैं तुमसे कहना चाहता हूं। मेरा आशीर्वाद सदा तुम्हारे साथ है। तुम्हें कभी-भी मेरी आवश्यकता होगी, मैं तुम्हारे साथ रहूंगा।' यह सुनकर उनके युवा पुत्र ने माथुर साहब के हाथों को थामकर, उन्हें आश्वस्त किया।

उधर कमरे के कोने में बैठे पुत्र के मुंह से अपने बारे में ऐसी बातें सुनकर माथुर साहब के पिताजी की बूढ़ी आंखों से झर-झर बहते आंसू बहुत कुछ कह रहे थे। जिसमें असीम खुशी और संतुष्टि घुली हुई थी। k

अमेरिका ने ऑस्ट्रेलिया को 2-0 से हराया

अमेरिका ने किया राउंड ऑफ 32 के लिए क्वालिफाई

एजेंसी ▶▶| सिएटल

अपने स्टार स्ट्राइकर क्रिश्चियन पुलिसिच के बिना खेल रही अमेरिका की टीम ने शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए ऑस्ट्रेलिया को 2-0 से हराकर विश्व कप फुटबॉल के नॉकआउट दौर में प्रवेश कर लिया। यह पहला अवसर है जबकि अमेरिकी टीम ने पहले दो मैचों के बाद ही नॉकआउट राउंड में जगह बना ली। पिछली बार जब अमेरिका ने 1994 में विश्व कप की मेजबानी की थी, तब वह तीसरे स्थान की सर्वश्रेष्ठ टीमों में से एक होने के कारण क्वालीफाई कर गया था। तब वह अंतिम 16 में ब्राजील से हार गया था। एसी मिलान के लिए खेलने वाले और 87 अंतरराष्ट्रीय मैचों में 33 गोल कर चुके पुलिसिच पिंडली की चोट के कारण मैच में नहीं खेल पाए।

96 साल बाद जीते दो शुरुआती मैच

अमेरिका के लिए इस जीत का महत्व सिर्फ क्वालिफिकेशन तक ही सीमित नहीं था। 1930 में हुए पहले वर्ल्ड कप के बाद यह पहली बार था जब अमेरिकी टीम ने पुरुषों के वर्ल्ड कप में अपने शुरुआती दो मैच जीते। उस समय अमेरिकियों ने बेल्जियम को 3-0 और पैराग्वे को 3-0 से हराया था और आखरि में तीसरे स्थान पर रहे थे, जो उनका अब तक का सबसे अच्छा वर्ल्ड कप नतीजा है।

आत्मघाती गोल के जरिए बढ़त

अमेरिका ने आत्मघाती गोल के जरिए बढ़त बनाई। बालोगुन ने 11वें मिनट में स्ट्राइकर रिकार्डो पेपी की ओर एक सटीक पास दिया। गेंद पेपी तक नहीं पहुंची और ऑस्ट्रेलिया के डिफेंडर कैमरुन बर्गेस से टकराकर गोल में चली गई, जिससे आत्मघाती गोल हो गया। टीम के सबसे युवा खिलाड़ी 21 वर्षीय एलेक्स फ्रीमैन ने 43वें मिनट में अमेरिका को 2-0 से आगे कर दिया।

ब्राजील से हारकर हैती बाहर होने वाली पहली टीम

फिलाडेल्फिया। विनीसियस जूनियर ने एक गोल किया और मैथियस कुन्हा के दोनों गोल में मदद की, जिससे पांच बार के चैंपियन ब्राजील ने हैती को 3-0 से पराजित करके उसे विश्व कप फुटबॉल टूर्नामेंट से बाहर कर दिया। हैती 1974 के बाद पहली बार विश्व कप में खेल रहा है।

वह मौजूदा विश्व कप में नॉकआउट राउंड की दौड़ से बाहर होने वाली पहली टीम बन गई है। दूसरी तरफ ब्राजील ने अपनी लय हासिल करके अगले दौर में पहुंचने की तरफ मजबूत कदम बढ़ाए। मैनचेस्टर यूनाइटेड की तरफ से खेलने वाले

मैथियस कुन्हा ने दागे दो गोल

स्टार खिलाड़ी कुन्हा को शुरुआती लाइनअप में जगह मिली। लिंकन फाइनेंशियल फील्ड में मौजूद 68,324 दर्शकों में से अधिकतर ब्राज़ील के प्रशंसक थे, जिन्हें कुन्हा ने 23वें मिनट में अपने करियर का पहला विश्व कप गोल करके रोमांचित कर दिया। इसके बाद उन्होंने 36वें मिनट में बाएं पैर से जोरदार शॉट लगाकर ब्राजील को हैती की कमजोर टीम पर 2-0 की बढ़त दिला दी। विनीसियस ने पहले हाफ के इंजरी टाइम में तीसरा गोल किया। ब्राजील के फॉरवर्ड राफिन्हा के शुरुआती गोल को ऑफसाइड के कारण अमान्य कर दिया गया था।

टूर्नामेंट का सबसे तेज गोल

माटियास ने 65 सेकंड में बॉल को नेट में पहुंचाया, पराग्वे ने तुर्किए को हराया

एजेंसी ▶▶| सांता क्लारा

माटियास गलार्जा ने खेल शुरू होने के 65 सेकंड के अंदर गेंद को नेट में पहुंचाकर मौजूदा विश्व कप का सबसे तेज गोल किया, जिससे पराग्वे ने अधिकतर समय 10 खिलाड़ियों के साथ खेलने के बावजूद तुर्किए को 1-0 से हराया। पराग्वे की इस जीत से यह सुनिश्चित हो गया कि अमेरिका ग्रुप डी में शीर्षक पर रहेगा। इससे तुर्किए की नॉकआउट में पहुंचने की उम्मीदें भी लगभग समाप्त हो गई। पराग्वे अगले गुरुवार को ग्रुप चरण के आखिरी मैच में ऑस्ट्रेलिया से भिड़ेगा, जिसमें ग्रुप में दूसरे स्थान का फैसला होगा। पराग्वे को दूसरा स्थान हासिल करने के लिए यह मैच जीतना जरूरी है। इस मैच में पराग्वे की जीत में गुस्तावो अल्फारो के किए लाइनअप में बदलाव का भी अहम योगदान रहा। माटियास को पहले मैच में नहीं खिलाया गया था, लेकिन तुर्किए के खिलाफ उन्हें शुरुआती लाइनअप में शामिल किया गया।

सैबारी ने दूसरे मिनट में किया गोल मोरक्को ने स्कॉटलैंड को हराया

एजेंसी ▶▶| फॉक्सबोरो

इस्माइल सैबारी ने गोल करने की अपनी काबिलियत का एक बार फिर से शानदार नमूना पेश करते हुए दूसरे मिनट में ही स्कोरशीट पर अपना नाम लिखवाया, जिससे मोरक्को ने विश्व कप फुटबॉल के ग्रुप सी के मैच में स्कॉटलैंड को 1-0 से हराया। सैबारी को ब्राजील के खिलाफ विश्व कप में अपने पदार्पण मैच में गोल करने में केवल 21 मिनट लगे थे। लेकिन स्कॉटलैंड के खिलाफ जिलेट स्टेडियम में उन्होंने केवल 72 सेकंड में ही गोल कर दिया, जो निर्णायक साबित हुआ। इससे मोरक्को के लगातार दूसरी बार विश्व कप के नॉकआउट दौर में पहुंचने की उम्मीदें जीवंत रहीं। मोरक्को ने मैच की शुरुआत में ही अपनी शानदार पासिंग से स्कॉटलैंड को हैरान कर दिया। सैबारी स्कॉटलैंड के दो डिफेंडरों को पीछे छोड़ते हुए आगे बढ़े और ब्राहिम डियाज़ ने उन्हें गेंद पास की।

बहस के दौरान अलमिरोन ने ढका मुंह, मिला लाल कार्ड

सांता क्लारा। पराग्वे के मिडफील्डर मिगुएल अलमिरोन विश्व कप में मुंह ढकने के लिए लाल कार्ड पाने वाले पहले खिलाड़ी बन गए हैं। यह घटना पराग्वे और तुर्किए के बीच खेले गए ग्रुप डी के मैच के पहले हाफ के इंजरी टाइम के दौरान घटी, जब मिडफील्ड के पास फाउल के बाद अलमिरोन और मर्ट मुल्डर के बीच कहा-सुनी हो गई। अलमिरोन ने मुल्डर से कुछ कहते हुए अपना मुंह ढक लिया। इस पर मुल्डर ने तुरंत रेफरी इवान बार्टन से सजा देने की अपील की। बार्टन ने वीडियो समीक्षा का सहारा लिया और इस साल विश्व कप में लागू किए गए एक नए नियम के तहत अलमिरोन को लाल कार्ड दिखाकर बाहर भेज दिया।

खबर संक्षेप

एशियाई चैंपियनशिपः जूनियर टीम ने जीता कांस्य पदक

नई दिल्ली। भारत की जूनियर पुरुष कलात्मक जिम्नास्टिक टीम ने चीन के जुनी में खेली जा रही एशियाई चैंपियनशिप में कांस्य पदक जीतकर इतिहास रचा। हर्षित दामोदरन, निषाद नरवाने, एसके नबीघ अली, अक्षत बजाज और मोहम्मद जैद अंसारी की युवा भारतीय टीम ने महाद्वीप की कुछ मजबूत टीमों के सामने शानदार प्रदर्शन किया। भारतीय टीम ने 224.493 अंकों के साथ तीसरा स्थान हासिल किया और पहली बार अपने नाम पर पदक दर्ज कराया। चीन ने 241.458 अंकों के साथ स्वर्ण पदक जीता, जबकि जापान ने 239.461 अंकों के साथ रजत पदक हासिल किया।

डच लेडीज ओपन : संयुक्त पांचवें स्थान पर अवनि-दीक्षा

एमनेस। भारतीय महिला गोल्फरों ने लेडीज यूरोपीय टूर (एलईटी) पर अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखा जब अवनि प्रशांत और दीक्षा डागर डच लेडीज ओपन के पहले दिन अच्छी शुरुआत करते हुए संयुक्त रूप से पांचवें स्थान पर रहीं। अवनि और दीक्षा ने गॉयर गोल्फ एंड कंट्री क्लब में तीन अंडर 69 का स्कोर बनाया। अवनि और दीक्षा संयुक्त रूप से शीर्ष पर चल रही चार खिलाड़ियों से एक शॉट पीछे हैं। प्रणवी उर्स एक ओवर 58 के स्कोर से संयुक्त 58वें स्थान पर हैं। हिताशी बक्शी 82 के बेहद खराब स्कोर से संयुक्त रूप से 132वें स्थान पर हैं और उनका कट से चूकना लगभग तय लग रहा है। स्वीडन की लिसा पेटरसन, नार्वे की डोर्थिया फोरब्रिड, उत्तरी आयरलैंड की ओलीविया मेहाफी और इटली की एलेसांद्रा फेनाली चार अंडर 68 के स्कोर से संयुक्त रूप से शीर्ष पर हैं।

टीम इंडिया को झटका, इंग्लैंड के खिलाफ वनडे सीरीज से बाहर पंड्या

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

ऑलराउंडर हार्दिक पंड्या इंग्लैंड के खलिाफ वनडे सीरीज से बाहर हो गए हैं। पंड्या को बॉलिंग का वर्कलोड पूरा न कर पाने के कारण सीरीज से बाहर करने का फैसला लिया गया।

वह 10 ओवर का अपना पूरा कोटा नहीं डाल सके। भारतीय टीम को अगले महीने इंग्लैंड का दौरा करना है, जहां टी20 और वनडे सीरीज खेली जानी है। इससे पहले भारतीय वनडे टीम को पंड्या के रूप में बड़ा झटका लगा है।

1 जुलाई से भारत का इंग्लैंड दौरा

भारत का इंग्लैंड दौरा 1 जुलाई से शुरू होगा। 1 से 11 जुलाई के बीच 5पांच मैचों की टी20 सीरीज खेली जाएगी। इसके बाद दोनों टीमों के बीच 14 से 19 जुलाई के बीच 3 मैचों की वनडे सीरीज खेली जाएगी।

अफगानिस्तान के खिलाफ सीरीज नहीं खेल पाए पंड्या

पंड्या इससे पहले क्वाड्रिसेप्स में खिंचाव के कारण अफगानिस्तान के खलिाफ वनडे सीरीज से भी बाहर हो गए थे। सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में पंड्या ने सीरीज से पहले एक सप्ताह जबरदस्त ट्रेनिंग की थी और पूरा कोटा गेंदबाजी भी की थी, मगर फिर बेंगलुरु से रवाना होने से कुछ घंटे पहले उन्हें अपने क्वाड्रिसेप्स में तकलीफ महसूस हुई थी, जिस वजह से वह अफगानिस्तान के खलिाफ वनडे सीरीज से बाहर हो गए थे और अब स्पोर्ट्स तक को जानकारी मिली है कि वह इंग्लैंड के खलिाफ वनडे सीरीज से भी बाहर हो गए हैं।

लगातार दो जीत, अब द.अफ्रीका से भिड़ंत

महिला टी20 विश्वकप : आज शाम 7 बजे से हरमनप्रीत और वोल्वार्ट की टीमों में मुकाबला

एजेंसी ▶▶| मैनचेस्टर

भारतीय महिला टीम टी20 विश्व कप में शानदार शुरुआत के बाद अब रविवार को यहां ग्रुप वन के कठिन मुकाबले में दक्षिण अफ्रीका जैसी खतरनाक टीम के सामने उस लय को कायम रखने की कोशिश करेगी।

हरमनप्रीत कौर की अगुवाई वाली टीम ने पाकिस्तान पर 64 रन से जीत के साथ अपने अभियान की शुरुआत की । सलामी बल्लेबाज स्मृति मंधाना और विकेटकीपर बल्लेबाज रिचा घोष ने बल्ले से योगदान दिया जबकि दीप्ति शर्मा ने पांच विकेट चटकाए। नीदरलैंड को दूसरे मैच में भारत ने 95 रन से हराया।

अब तक टी20 विश्व कप नहीं जीत सकी टीम इंडिया

पांच बार सेमीफाइनल में पहुंच चुकी भारतीय टीम अभी तक टी20 विश्व कप नहीं जीत सकी है। अब उसे अपनी आक्रामक बल्लेबाजी और बेहतरीन गेंदबाजी के लिए विख्यात दक्षिण अफ्रीका की चुनौती से पार पाना है। यह मुकाबला दक्षिण अफ्रीका की गेंदबाजी और भारत की बल्लेबाजी के बीच हो सकता है। पावरप्ले में तेजी से रन बनाने की मंधाना की काबिलियत और हरमनप्रीत के अनुभव के साथ शेफाली वर्मा और रिचा की आक्रामक बल्लेबाजी अहम होगी।

द.अफ्रीका के पास दबाव से निपटने का अनुभव

वहीं दक्षिण अफ्रीका की उम्मीदें कप्तान लौरा वोल्वार्ट और मध्यक्रम के बल्लेबाजों पर टिकी होंगी। दक्षिण अफ्रीका ने आस्ट्रेलिया से मिली पराजय के बाद पाकिस्तान को दो विकेट से हराकर वापसी की। दक्षिण अफ्रीका महिला क्रिकेट की सबसे प्रतिस्पर्धी टीमों में से है। पिछली बार टी20 विश्व कप फाइनल खेल चुकी इस टीम के पास दबाव से निपटने का काफी अनुभव है।

मकाऊ ओपन : सेमीफाइनल में हारीं अश्मिता

एजेंसी ▶▶| मकाऊ

अश्मिता चालिहा की महिला एकल के सेमीफाइनल में दक्षिण कोरिया की पार्क गा यून से सीधे गेम में हार के साथ भारत का मकाऊ ओपन सुपर 300 बैडमिंटन टूर्नामेंट में अभियान समाप्त हो गया।

विश्व रैंकिंग में 63वें स्थान पर काबिज भारतीय खिलाड़ी 38 मिनट तक चले मुकाबले में विश्व रैंकिंग में 61वें नंबर की खिलाड़ी पार्क से 17-21, 9-21 से हार गई। जब अश्मिता ने 15-11 की बढ़त बनाई तो ऐसा लग रहा था कि वह पहला गेम जीत जाएंगी, लेकिन कोरियाई खिलाड़ी ने लगातार छह अंक जीतकर जोरदार वापसी की और 16-15 से आगे हो गईं। भारतीय खिलाड़ी ने भी हार नहीं मानी और स्कोर 17-17 से बराबर कर दिया, लेकिन पार्क ने एक बार फिर अपने खेल का स्तर बढ़ाया और अगले चार अंक हासिल करके पहला गेम 21-17 से अपने नाम कर दिया।

लय हासिल करने के लिए संघर्ष करती रहीं अश्मिता

दूसरे गेम में भी दक्षिण कोरियाई खिलाड़ी का दबदबा बना रहा क्योंकि अश्मिता अपनी लय हासिल करने के लिए संघर्ष करती रहीं। दूसरे गेम के शुरू में स्कोर 3-3 से बराबर था लेकिन इसके बाद पार्क ने 9-5 की बढ़त बना ली, जिसके बाद उन्होंने लगातार आक्रामक विनर्स और शानदार नेट प्ले के दम पर अपनी बढ़त को कायम रखा और भारतीय खिलाड़ी को वापसी का मौका नहीं दिया। अश्मिता की हार के साथ ही टूर्नामेंट में भारत का सफर समाप्त हो गया।

आज भारत-ए और श्रीलंका-ए में फाइनल मुकाबला

दांबुला। भारत ए की टीम त्रिकोणीय एक दिवसीय श्रृंखला के फाइनल में रविवार को जब श्रीलंका ए का सामना करेगी तो सभी की निगाह वैभव सूर्यवंशी पर टिकी रहेंगी। भारतीय टीम लीग मैच में श्रीलंका ए से सुपर ओवर में हार गई थी और वह इसका बदला चुकता करने के लिए प्रतिबद्ध होगी। श्रीलंका के दौरे पर आए सूर्यवंशी को दांबुला की धीमी पिचों पर संघर्ष करना पड़ा है। उन्होंने अब तक चार मैचों में 14, 44, 21 और 38 रन बनाए हैं। अफगानिस्तान ए के खिलाफ भारत के करो या मरो वाले मैच में उनसे बड़ी पारी की उम्मीद की जा रही थी लेकिन वह केवल 38 रन ही बना पाए और अब उन पर वापसी करने का दबाव होगा। भारतीय टीम हालांकि अफगानिस्तान के खिलाफ मिली जीत से उत्साहित होगी। उसने इस मैच में पहले बल्लेबाजी करते हुए नौ विकेट पर 319 रन बनाए थे।

दोहा डायमंड लीग

चोट के बाद वापसी, चौथे स्थान पर रहे नीरज

एजेंसी ▶▶| दोहा

चोट के कारण अपने सत्र की शुरुआत देर से करने वाले भाला फेंक के दिग्गज भारतीय खिलाड़ी नीरज चोपड़ा दोहा डायमंड लीग प्रतियोगिता में चौथे स्थान पर रहे। ओलंपिक में दो पदक जीतने वाले 28 वर्षीय चोपड़ा ने अपने तीसरे प्रयास में 85.69 मीटर का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया, जो पदक जीतने के लिए पर्याप्त नहीं था। चो प ड़ा पिछले कुछ समय से पीठ दर्द से परेशान रहे हैं। उन्हें यह चोट सितंबर 2025 में तोक्यो विश्व चैंपियनशिप के दौरान लगी थी। विश्व चैंपियनशिप में आठवें स्थान पर रहने के बाद वह पहली बार किसी प्रतियोगिता में में प्रतिस्पर्धा कर रहे थे। तुर्किए में 'रिहैबिलिटेशन' के बाद वह 25 मई से स्विट्जरलैंड में अभ्यास कर रहे थे।

मैं आने वाले सत्र के लिए तैयार हूं : चोपड़ा

चोपड़ा ने ट्वीट किया, 'वापसी करके खुशी हुई। 85.69 मीटर का थ्रो अच्छा लगा और मैं आने वाले सत्र के लिए तैयार हूं।' चोपड़ा ने फाउल के साथ शुरुआत की और 82.77 मीटर के अपने दूसरे दौर के थ्रो के बाद चौथे स्थान पर पहुंच गए, जिससे 2026 राष्ट्रमंडल खेलों में उनकी जगह पक्की हो गई। उन्होंने अपने तीसरे प्रयास में और भी बेहतर प्रदर्शन किया और भाले को 85.69 मीटर तक फेंका और एक स्थान ऊपर तीसरे स्थान पर पहुंच गए। लेकिन जैसे ही 23 वर्षीय पथिरागे ने चौथे प्रयास में 88.68 मीटर का थ्रो करके बढ़त हासिल की, चोपड़ा चौथे स्थान पर खिसक गए।

हॉकी महिला नेशंस कप : कप्तान सलीमा चुनी गई 'प्लेयर आफ द मैच'

भारत ने दी चिली को 6-0 से शिकस्त, फाइनल में एंट्री

एजेंसी ▶▶| आकलैंड

भारतीय महिला हॉकी टीम ने शानदार फॉर्म बरकरार रखते हुए चिली को 6-0 से हराकर एफआईएच हॉकी महिला नेशंस कप के फाइनल में प्रवेश कर लिया। भारत के लिए नवनीत कौर (छठा और 13वां मिनट) और दीपिका (14वां और 18वां) ने दो-दो गोल किए जबकि नेहा (32वां) और रुतुजा पिसाल (39वां) ने एक-एक गोल दागा।

टूर्नामेंट में भारत की यह लगातार चौथी जीत है। 'प्लेयर आफ द मैच' चुनी गई कप्तान सलीमा टेटे ने बेहतरीन प्रदर्शन किया। भारत का सामना फाइनल में अमेरिका और न्यूजीलैंड के बीच होने वाले मैच के विजेता से होगा।

टीम इंडिया ने बनाया रखा गेंद पर नियंत्रण

भारत ने शुरू ही से गेंद पर नियंत्रण बनाए रखा और पहले पेनल्टी कॉर्नर पर नवनीत के गोल की मदद से बढत बना ली। भारत की बढत जल्दी ही दुगुनी हो गई जब बाएं फ्लैंक से सलीमा ने दौड़कर नवनीत को गेंद सौंपी, जिसने गोल कर दिया। ड्रैग फ्लिकर दीपिका ने 18वें मिनट में पेनल्टी कॉर्नर तब्दील करके भारत की बढत 3-0 की कर दी। दीपिका के नाम अब टूर्नामेंट में सर्वाधिक छह गोल हो गए हैं।

भारत का ब्रेक के बाद भी दबदबा

हाफ टाइम तक 4-0 से आगे भारत ने ब्रेक के बाद भी दबदबा जारी रखा। नेहा ने पेनल्टी कॉर्नर पर गोल करके स्कोर 5-0 कर दिया। रुतुजा ने रिवर्स हिट पर भारत का छठा गोल दागा। चिली ने आखिरी क्वार्टर में कुछ मौके बनाए लेकिन भारत की अनुभवी गोलकीपर सविता ने जबर्दस्त बचाव करते हुए उसे एक भी गोल नहीं करने दिया।

सज गया गैरिसन ग्राउंड
पूरे देश की नजर आज जबलपुर पर
सुरक्षा से लेकर व्यवस्थाओं तक प्रशासन अलर्ट

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु की मौजूदगी में होगा प्रदेश का सबसे बड़ा योग दिवस आयोजन

जबलपुर। संस्कारधानी जबलपुर आज रविवार को राष्ट्रीय स्तर पर चर्चा का केंद्र बनने जा रहा है। अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर देश की प्रथम नागरिक राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु की मौजूदगी में सदर स्थित गैरिसन ग्राउंड में प्रदेश स्तरीय मुख्य कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। राष्ट्रपति के आगमन को लेकर पूरा शहर सज-धज कर तैयार हो चुका है। गैरिसन ग्राउंड को विशेष रूप से आकर्षक स्वरूप दिया गया है, जहां हजारों लोग एक साथ योगाभ्यास कर स्वस्थ जीवन का संदेश देंगे।

राष्ट्रपति के आगमन के साथ ही पूरे देश की नजर जबलपुर पर रहेगी। एक ओर जहां गैरिसन ग्राउंड में योग दिवस का भव्य आयोजन होगा, वहीं दूसरी ओर रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय के 36वें दीक्षांत समारोह में भी राष्ट्रपति शामिल होंगी। ऐसे में रविवार का दिन जबलपुर के लिए ऐतिहासिक और गौरवपूर्ण माना जा रहा है।

राष्ट्रपति का डुमना एयरपोर्ट पर भव्य स्वागत

राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु का शुक्रवार शाम 6 बजे भारतीय वायुसेना के विशेष विमान से डुमना विमानतल पर आगमन हुआ। इस दौरान राज्यपाल, उप मुख्यमंत्री, मंत्रियों, सांसदों, विधायकों सहित कई जनप्रतिनिधियों और वरिष्ठ प्रशासनिक एवं सैन्य अधिकारियों ने पुष्पगुच्छ भेंट कर उनका आत्मीय स्वागत किया।

योग के रंग में रंगा गैरिसन ग्राउंड

सदर स्थित विशाल गैरिसन ग्राउंड को योग दिवस आयोजन के लिए पूरी तरह तैयार कर लिया गया है। मंच, वीआईपी गैलरी, प्रतिभागियों के बैठने की व्यवस्था, सुरक्षा बैरिकेडिंग, चिकित्सा सुविधाएं और पार्किंग सहित सभी व्यवस्थाओं को अंतिम रूप दे दिया गया है। मैदान में हजारों लोगों के सामूहिक योगाभ्यास के लिए विशेष मार्किंग की गई है ताकि कार्यक्रम सुव्यवस्थित ढंग से संपन्न हो सके। राष्ट्रपति सुबह करीब 7:20 बजे कार्यक्रम स्थल पहुंचेंगी और 7:30 बजे से आयोजित राज्य स्तरीय योग दिवस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होंगी। उनके साथ राज्यपाल मंगूभाई पटेल, मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव, जनप्रतिनिधि और वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी भी मौजूद रहेंगे।

देश को जाएगा स्वास्थ्य और योग का संदेश

अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर आयोजित इस कार्यक्रम का सीधा संदेश स्वस्थ जीवनशैली को बढ़ावा देना है। राष्ट्रपति की मौजूदगी कार्यक्रम को राष्ट्रीय महत्व प्रदान कर रही है। योगाभ्यास के माध्यम से नागरिकों को शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य के प्रति जागरूक किया जाएगा। प्रशासन का दावा है कि यह आयोजन प्रदेश के सबसे बड़े योग कार्यक्रमों में शामिल होगा।

हाईअलर्ट पर पूरा शहर, 3000 से ज्यादा जवान तैनात

राष्ट्रपति के दौरे को देखते हुए जबलपुर में सुरक्षा के अभूतपूर्व इंतजाम किए गए हैं। डुमना एयरपोर्ट से लेकर सर्किट हाउस, गैरिसन ग्राउंड और रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय तक पूरे वीवीआईपी रूट पर सुरक्षा बल तैनात किए गए हैं। करीब 3000 से अधिक पुलिस और सुरक्षा जवान ड्यूटी पर लगाए गए हैं। सुरक्षा एजेंसियों ने कार्यक्रम स्थल और आसपास के क्षेत्रों की कई बार जांच की है। बम निरोधक दस्ते, डॉग स्क्वॉड, विशेष सुरक्षा दल और खुफिया एजेंसियां लगातार निगरानी कर रही हैं।

15 किलोमीटर तक नो-फ्लाई जोन

राष्ट्रपति के प्रवास के मद्देनजर डुमना एयरपोर्ट, सर्किट हाउस, गैरिसन ग्राउंड, रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय और पूरे वीवीआईपी रूट के 15 किलोमीटर क्षेत्र को नो-फ्लाई जोन घोषित किया गया है। इस दौरान ड्रोन, यूएवी, पैराग्लाइडिंग, हॉट एयर बैलून, पतंग और अन्य उड़ने वाली वस्तुओं के संचालन पर पूर्ण प्रतिबंध रहेगा।

योग दिवस के बाद दीक्षांत समारोह में होंगी शामिल

योग दिवस कार्यक्रम के बाद राष्ट्रपति रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय पहुंचेंगी, जहां वे विश्वविद्यालय के 36वें दीक्षांत समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होकर विद्यार्थियों को उपाधियां और स्वर्ण पदक प्रदान करेंगी। इसके बाद दोपहर में वे विशेष विमान से ग्वालियर के लिए रवाना हो जाएंगी। राष्ट्रपति के दौरे, योग दिवस, दीक्षांत समारोह और री-नीट परीक्षा के कारण रविवार को जबलपुर पूरी तरह हाईअलर्ट मोड पर रहेगा। प्रशासन का मानना है कि यह आयोजन न केवल शहर की प्रतिष्ठा बढ़ाएगा, बल्कि राष्ट्रीय स्तर पर जबलपुर की पहचान को भी नई मजबूती देगा।

महामहिम राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू होंगी मुख्य अतिथि

रादुविवि का 36वां दीक्षांत समारोह आज

240 स्वर्ण पदक, 182 को मिलेगी पीएचडी

जबलपुर। रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय जबलपुर का 36वां दीक्षांत समारोह आज 21 जून को ऐतिहासिक एवं भव्य स्वरूप में आयोजित किया जा रहा है। समारोह में महामहिम राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मू मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हो रही है। कार्यक्रम की अध्यक्षता मध्यप्रदेश के राज्यपाल एवं विश्वविद्यालय के कुलाधिपति मंगुभाई पटेल करेंगे। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव तथा उच्च शिक्षा मंत्री इंदर सिंह परमार विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहेंगे। दीक्षांत समारोह की सभी तैयारियां पूर्ण कर ली गई हैं। राष्ट्रपति के आगमन को देखते हुए सुरक्षा, प्रोटोकॉल, मंच सज्जा, बैठक व्यवस्था, यातायात, आतिथ्य एवं अन्य व्यवस्थाओं को अंतिम रूप दिया गया है।

141 विद्यार्थियों को मिलेंगे 240 स्वर्ण पदक

दीक्षांत समारोह में विश्वविद्यालय के 141 मेधावी विद्यार्थियों को 240 स्वर्ण पदक प्रदान किए जाएंगे। राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मू चयनित 20 स्वर्ण पदक धारकों को मंच से अपने करकमलों द्वारा स्वर्ण पदक प्रदान करेंगी। राष्ट्रपति के प्रस्थान के बाद शेष स्वर्ण पदक एवं उपाधियां उच्च शिक्षा मंत्री इंदर सिंह परमार के हाथों प्रदान की जाएंगी।

182 शोधार्थियों को पीएचडी

समारोह में 182 शोधार्थियों को पीएचडी उपाधि प्रदान की जाएगी। इसके अतिरिक्त तीन विद्वानों को डी-लिट, एक को डीएससी तथा एक विशिष्ट व्यक्तित्व को मानद उपाधि प्रदान किए जाने का प्रस्ताव है। विभिन्न संकायों के पात्र विद्यार्थियों को स्नातक एवं स्नातकोत्तर उपाधियां भी प्रदान की जाएंगी।

‘भारत’ शब्द के उपयोग से भारतीयता का संदेश

इस वर्ष दीक्षांत समारोह से जुड़ी डिग्रियों, स्वर्ण पदकों, प्रमाण-पत्रों, आमंत्रण-पत्रों तथा अन्य आधिकारिक दस्तावेज़ में ‘इंडिया’ के स्थान पर ‘भारत’ शब्द का उपयोग किया गया है। विश्वविद्यालय ने इसे भारतीय संस्कृति, परंपराओं और राष्ट्रीय गौरव को सम्मान देने की दिशा में एक सकारात्मक पहल बताया है।

सिवनी जिला अधिवक्ता संघ अध्यक्ष के खिलाफ जमानती वारंट

जबलपुर। मप्र हाईकोर्ट ने स्वतः संज्ञान से दर्ज आपराधिक प्रकरण में सिवनी जिला अधिवक्ता संघ के अध्यक्ष रवि गोल्हानी के खिलाफ पांच हजार रुपये का जमानती वारंट जारी किया है। एसीजे विवेक रूसिया व जस्टिस जस्टिस प्रदीप मित्तल की डिवीजन बेंच ने मामले की अगली सुनवाई 28 जुलाई को निर्धारित की है। सुनवाई के दौरान न्यायालय ने पाया कि पूर्व में पारित आदेश के तहत रवि गोल्हानी को जवाब प्रस्तुत करने तथा व्यक्तिगत रूप से उपस्थित होने के निर्देश दिए गए थे, लेकिन निर्धारित निर्देशों का पालन नहीं किया गया। न्यायालय के आदेश के बावजूद न तो जवाब दाखिल किया गया और न ही उपस्थिति दर्ज कराई गई। इसे गंभीरता से लेते हुए रवि गोल्हानी के विरुद्ध पांच हजार रुपये का जमानती वारंट जारी करने का आदेश दिया। साथ ही मामले को आगे की सुनवाई के लिए 28 जुलाई को सूचीबद्ध कर दिया।

हाई कोर्ट ने निर्देश सहित किया अपील का निराकरण

टाइगर रिजर्व मुआवजा संबंधी शिकायत 45 दिन में दूर करें

जबलपुर। मप्र हाईकोर्ट ने दमोह जिले के देवालपानी गांव के निवासी मान सिंह लोधी व मयंक सिंह लोधी की ओर से दायर अपील का निराकरण कर दिया। एसीजे विवेक रूसिया व जस्टिस प्रदीप मित्तल की डिवीजन बेंच ने संबंधित अधिकारियों को उनके लंबित अभ्यावेदन पर 45 दिन के भीतर निर्णय लेने का निर्देश दिया। याचिकाकर्ताओं की ओर से दलील दी गई कि देवालपानी सहित आसपास के गांवों की भूमि एवं मकानों का अधिग्रहण टाइगर रिजर्व परियोजना के लिए किया गया है। विस्थापन एवं मुआवजा निर्धारण के दौरान तैयार पात्र-अपात्र सूची में अपीलकर्ताओं को अपात्र घोषित कर दिया गया, जबकि वे अपनी भूमि एवं मकान संबंधी आवश्यक दस्तावेज पूर्व में प्रस्तुत कर चुके हैं। इस संबंध में उन्होंने सक्षम प्राधिकारी के समक्ष अभ्यावेदन भी दिया था, लेकिन उस पर कोई अंतिम निर्णय नहीं लिया गया। कोर्ट ने माना कि याचिकाकर्ताओं का अभ्यावेदन अभी भी विचाराधीन है। कोर्ट ने संबंधित प्राधिकरण को निर्देश दिया कि 27 नवंबर 2024 के नोटिस के संदर्भ में प्रस्तुत अभ्यावेदन पर प्रमाणित प्रति प्राप्त होने से 45 दिन के भीतर कारणयुक्त व स्पष्ट आदेश पारित किया जाए। यदि याचिकाकर्ता मुआवजे के पात्र पाए जाते हैं तो उन्हें राशि का भुगतान किया जाए, अन्यथा अस्वीकृति की स्थिति में विस्तृत कारण बताते हुए आदेश जारी किया जाए।

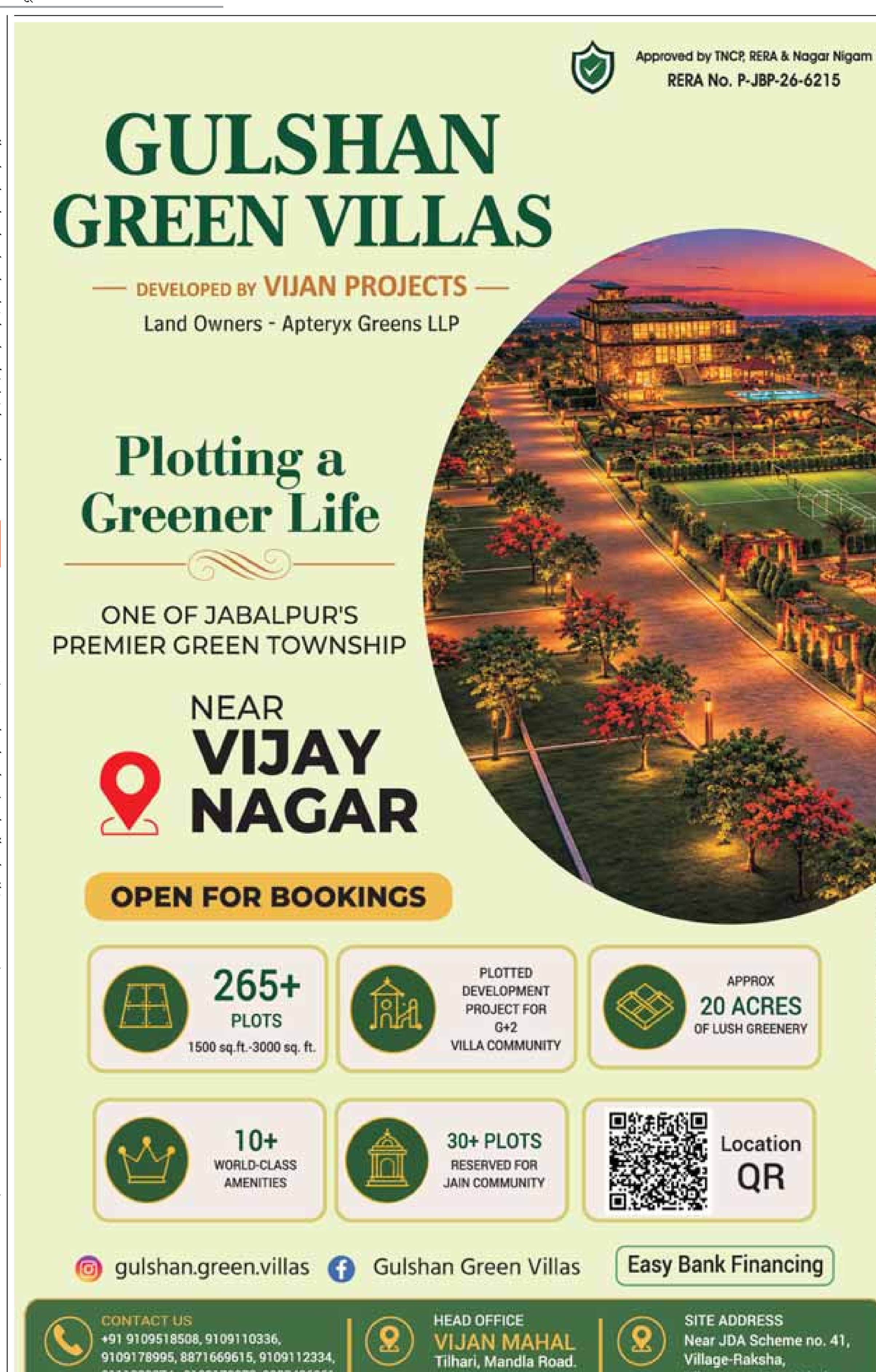

खबर प्रकाशित होने के बाद हरकत में आया लोकायुक्त तंत्र

कठघरे में भ्रष्टाचार पर ‘जीरो टॉलरेंस’ की नीति...

- अभियोजन स्वीकृति के लिए भोपाल भेजी गई फाइल
- अब नागरिक आपूर्ति निगम मुख्यालय पर टिकी निगाहें,
- वर्षों से लंबित 90 से अधिक मामलों पर भी उठे सवाल

हरिभूमि, जबलपुर।

भ्रष्टाचार के खिलाफ जीरो टॉलरेंस की नीति का दावा करने वाली व्यवस्था एक बार फिर कठघरे में खड़ी दिखाई दे रही है। कटनी में वर्ष 2022 में 60 हजार रुपये की रिश्वत लेते रंगे हाथों पकड़े गए नागरिक आपूर्ति निगम के तत्कालीन जिला प्रबंधक संजय सिंह के मामले में लगातार हरिभूमि में खबरें प्रकाशित होने के बाद अब लोकायुक्त तंत्र हरकत में आता नजर आ रहा है। सूत्रों के अनुसार, चार साल से लंबित पड़े इस प्रकरण में अब अभियोजन स्वीकृति के लिए फाइल नागरिक आपूर्ति निगम मुख्यालय, भोपाल भेज दी गई है। इसके बाद पूरे मामले की निगाहें भोपाल स्थित निगम मुख्यालय पर टिक गई हैं कि आखिर वहां से कितनी तेजी से निर्णय लिया जाता है।

चार साल तक फाइलों में दबा रहा मामला

मई 2022 में जबलपुर लोकायुक्त ने कटनी के बरगवां स्थित कार्यालय में ट्रैप कार्रवाई करते हुए तत्कालीन जिला प्रबंधक संजय सिंह और लेखापाल धीरज मिश्रा को 60 हजार रुपये की रिश्वत लेते गिरफ्तार किया था। आरोप था कि धान मिलिंग एवं परिवहन के लगभग 20 लाख रुपये के बिलों का भुगतान कराने के एवज में एक लाख रुपये की रिश्वत मांगी गई थी। रंगे हाथों गिरफ्तारी, एफआईआर और जांच के बावजूद चार वर्षों तक मामला न्यायालय तक नहीं पहुंच सका। इस दौरान न तो संजय सिंह को निलंबित किया गया और न ही विभागीय कार्रवाई का कोई ठोस परिणाम सामने आया।

हरिभूमि फॉलोअप

खबरों के बाद बढ़ी हलचल

हरिभूमि द्वारा भ्रष्टाचार के खिलाफ लगातार प्रकाशित हो रही खबरों के बाद अब लोकायुक्त द्वारा अभियोजन स्वीकृति की प्रक्रिया को आगे बढ़ाए जाने की जानकारी सामने आई है। हालांकि बड़ा सवाल यह है कि यदि यह प्रक्रिया अब संभव है, तो पिछले चार वर्षों में इसे पूरा क्यों नहीं किया गया? क्या मीडिया की पड़ताल नहीं होती, तो यह मामला भी फाइलों में दबा रहता?

अब भोपाल के फैसले का इंतजार

अभियोजन स्वीकृति मिलने के बाद ही भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत न्यायालय में चालान पेश करने का रास्ता साफ होगा। ऐसे में अब नागरिक आपूर्ति निगम मुख्यालय, भोपाल की भूमिका सबसे महत्वपूर्ण हो गई है। यदि स्वीकृति शीघ्र मिलती है, तो यह साबित होगा कि देरी प्रशासनिक इच्छाशक्ति की कमी से हुई। लेकिन यदि यहां भी फाइलें लंबित रहती हैं, तो “जीरो टॉलरेंस” की नीति पर और बड़े सवाल खड़े होंगे।

90 से अधिक मामले वर्षों से लंबित!

सूत्रों का दावा है कि यह अकेला मामला नहीं है। लोकायुक्त की कार्रवाई के बाद करीब 90 से अधिक भ्रष्टाचार संबंधी प्रकरण विभिन्न विभागों में अभियोजन स्वीकृति के अभाव में वर्षों से लंबित पड़े हुए हैं। इन मामलों में आरोपी अधिकारी सेवानिवृत्ति की दहलीज तक पहुंच चुके हैं, जबकि शिकायतकर्ता न्याय की प्रतीक्षा में भटक रहे हैं। ऐसे में सवाल उठता है कि क्या भ्रष्टाचार के खिलाफ लड़ाई सिर्फ ट्रैप कार्रवाई तक सीमित होकर रह गई है?

जनमानस के प्रश्न

यदि लोकायुक्त ने 2022 में एफआईआर दर्ज कर ली थी, तो अभियोजन स्वीकृति के लिए फाइल अब क्यों भेजी गई?
नागरिक आपूर्ति निगम भोपाल इस मामले में कितनी शीघ्रता दिखाएगा?
जुलाई 2026 में प्रस्तावित सेवानिवृत्ति से पहले क्या संजय सिंह के खिलाफ चालान पेश हो पाएगा?
वर्षों से लंबित 90 मामलों का जिम्मेदार कौन है?
भ्रष्टाचार के मामलों में देरी क्या आरोपियों को अप्रत्यक्ष राहत देने का माध्यम बन चुकी है?

समयबद्ध कार्यवाही क्यों नहीं

भ्रष्टाचार पर जीरो टॉलरेंस का नारा तब तक खोखला ही माना जाएगा, जब तक रंगे हाथों पकड़े गए अधिकारियों के मामलों में समयबद्ध कार्रवाई सुनिश्चित नहीं होती। यदि एफआईआर दर्ज होने के चार साल बाद भी अभियोजन स्वीकृति के लिए फाइलें इधर-उधर घूमती रहें और आरोपी अधिकारी सेवानिवृत्ति के करीब पहुंच जाएं, तो जनता यह पूछने का अधिकार रखती है कि भ्रष्टाचार के खिलाफ व्यवस्था लड़ रही है या फिर समय के सहारे उसे बचाने का रास्ता तलाश रही है?

हरिभूमि कम्यूनिकेशन्स प्राईवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक अचिंत महेश्वरी द्वारा हरिभूमि प्रेस, 66/1, इंडस्ट्रीयल एरिया, रिछाई, जबलपुर (मध्यप्रदेश)- 482002 से मुद्रित एवं हरिभूमि कार्यालय, 66/1, इंडस्ट्रीयल एरिया, रिछाई, जबलपुर (मध्यप्रदेश)- 482002 से प्रकाशित। प्रधान संपादक-डॉ. हिमांशु द्विवेदी RNI No.: MPHIN/2008/24240